■ वर्ष-23 ■ अंक-38
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)

■ शुक्रवार ■ 27 मार्च 2026

चैत्र शुक्ल पक्ष नवमीं
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

दैनिक

समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

माँ सिद्धिदात्री

सिद्धगंधर्वयक्षादैर सुरैरमरै रवि।
सेव्यमाना सदाभूयात सिद्धिदा सिद्धिदायनी॥

श्री दुर्गा का नवम् रूप श्री सिद्धिदात्री हैं। ये सब प्रकार की सिद्धियों की दाता हैं, इसीलिए ये सिद्धिदात्री कहलाती हैं। नवरात्रि के नवम दिन इनकी पूजा औरआराधना की जाती है। सिद्धिदात्रीकी कृपा से मनुष्य सभी प्रकार की सिद्धिया प्राप्त कर मोक्ष पाने मे सफल होता है। मार्कण्डेयपुराण में अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व एवं वशित्वये आठ सिद्धियाँ बतलायी गयी है। भगवती सिद्धिदात्री उपरोक्त संपूर्ण सिद्धियाँ अपने उपासको को प्रदान करती है। माँ दुर्गा के इस अंतिम स्वरूप की आराधना के साथ ही नवरात्र के अनुष्ठान का समापन हो जाता है।

भारत ने नॉन-फॉसिल फ्यूल बेस्ड पावर कैपेसिटी को 60 फीसदी करने का रखा लक्ष्य

- पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगा ईंधन
- होर्मुज स्ट्रेट पर निर्भरता होगी कम

नई दिल्ली। ईरान जंग ने एक बार फिर से पेट्रोल, डीजल आदि बेस्ड डेवलपमेंट मॉडल की खामियों को उजागर कर दिया है। भारत अपनी तेल जरूरतों का तीन तिहाई आयात करता है। अरब देश एनर्जी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। तेल के साथ ही गैस का भी आयात किया जाता है। इनसे ही भारत में गाड़ियां सड़कों पर सरपट दौड़ती हैं और घरों में चूल्हे जलते हैं। ऐसे में खाड़ी देश में किसी भी तरह का संकट आने पर उसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद ऐसी ही स्थिति पैदा हो गई है। एनर्जी कॉरिडोर के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले होर्मुज स्ट्रेट पर भी इसका व्यापक असर पड़ा है। इससे तेल और गैस से लदे जहाजों की आवाजाही बुरी तरह से प्रभावित हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य काफी अहम है, क्योंकि इसी रूट से तेल और गैस के अधिकांश शिपमेंट आते हैं। अब इस निर्भरता को कम करने की दिशा में अहम और निर्णायक कदम उठाने का फैसला किया गया है।

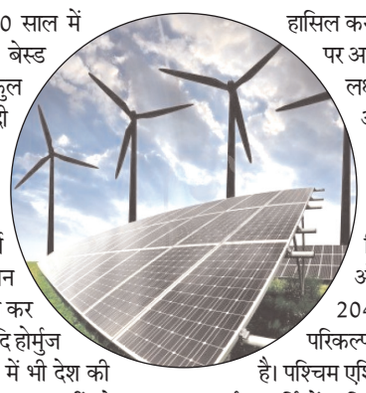

भारत अगले 9 से 10 साल में नॉन-फॉसिल फ्यूल बेस्ड पावर कैपेसिटी को कुल उत्पादन का 60 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। इस तरह फॉसिल फ्यूल यानी तेल आधारित ऊर्जा जरूरतों को तकरीबन एक तिहाई तक सीमित कर दिया जाएगा। ऐसे में यदि होर्मुज जैसे संकट की स्थिति में भी देश की ऊर्जा जरूरतों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

भारत ने 2005 के स्तर के मुकाबले अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता में 47फीसदी की कमी लाने और 2035 तक कुल बिजली क्षमता में 60फीसदी हिस्सेदारी गैर-जीवाश्म ईंधनों से हासिल करने का लक्ष्य रखा है। यह कदम पेरिस एग्रीमेंट के तहत भारत की जिम्मेदारियों का हिस्सा है और इसे देश की तीसरी एनडीसी प्रस्तुति माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह लक्ष्य केवल महत्वाकांक्षी नहीं, बल्कि पहले से हासिल प्रगति पर आधारित है। सरकार ने स्पष्ट किया कि भारत ने साल 2015 में तय किए गए अपने पूर्व एनडीसी लक्ष्यों को समय से काफी पहले ही हासिल कर लिया था। इस आधार पर अब नए और अधिक कड़े लक्ष्य तय किए गए हैं। अपडेटेड एनडीसी समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांतों के अनुरूप है और 'विकसित भारत 2047' की व्यापक परिकल्पना को भी मजबूती देता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ऊर्जा आपूर्ति में अस्थिरता के बीच कई देश अपने जलवायु लक्ष्यों से पीछे हटते दिख रहे हैं। ऐसे समय में भारत का यह कदम वैश्विक मंच पर एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। ऊर्जा और जलवायु विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने इस बार जलवायु महत्वाकांक्षा और ऊर्जा सुरक्षा के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। दिलचस्प बात यह है कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के आकलनों के मुताबिक 2035-36 तक भारत की गैर-जीवाश्म क्षमता लगभग 70फीसदी तक पहुंच सकती है, लेकिन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता के तौर पर 60फीसदी का ही लक्ष्य रखा है, जिससे यह लक्ष्य यथार्थवादी और विश्वसनीय बना रहे।

ईरान ने अपने मित्र देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की दी अनुमति

मुंबई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने भारत समेत मित्र देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। मुंबई स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान जैसे मित्र देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है। यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने होर्मुज मार्ग खोलने की मांग की थी। गुटेरेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का लंबे समय तक बंद रहना वैश्विक बुवाई सीजन के अहम समय में तेल, गैस और उर्वरक की आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। इस क्षेत्र और इसके बाहर आम नागरिकों को भारी नुकसान हो रहा है और वे असुरक्षा में जी रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र युद्ध के असर को कम करने की कोशिश कर रहा है और इसका सबसे अच्छा तरीका है- तुरंत युद्ध खत्म किया जाए।

श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नहीं रखी जाएगी कोई कमी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर निर्माणधीन घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रखी जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अंगारेश्वर और श्री सिद्धवट के मध्य क्षिप्रा नदी पर बन रहे नए घाटों का अवलोकन भी किया। ये घाट आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के स्नान और अन्य सुविधाओं के लिए तैयार किए जा रहे हैं। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनिर्मित घाटों के लगभग 200 मीटर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए वस्त्र बदलने की व्यवस्था तथा सुविधाजनक स्थानों पर टॉयलेट बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख घाटों पर लगभग 200 मीटर की दूरी पर सुविधा घर विकसित करने के निर्देश भी दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों के आसपास श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए लगभग 500 मीटर की दूरी पर सीढ़ियाँ या अन्य पहुँच मार्ग सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए, जिससे मुख्य घाटों तक पहुंचना आसान हो सके।

क्षिप्रा नदी पर निर्माणाधीन घाटों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री सिद्धवट और श्री अंगारेश्वर मंदिर के बीच निर्माणाधीन पुल का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि पुल के निर्माण से दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच आवागमन सुगम होगा और श्रद्धालुओं को एक वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध होगा। घाटों पर स्नान के लिए लगभग 5 मीटर चौड़ा घाट तैयार किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं के आने-जाने के साथ बैठने की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों पर श्रद्धालुओं के बैठने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सपत्नीक श्री अंगारेश्वर महादेव का पूजन-दर्शन कर किया अभिषेक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को उज्जैन स्थित अंगारेश्वर महादेव मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अंगारेश्वर महादेव का पंचामृत से अभिषेक कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की।

ट्रंप मई में जाएंगे चीन यात्रा पर, शी जिनपिंग से करेंगे खास मुलाकात

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 14-15 मई को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने बीजिंग जाएंगे। यह वैश्विक तनाव के बीच दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच उच्च स्तरीय सहयोग के नवीनीकरण का संकेत है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि दोनों नेताओं के बीच बहुप्रतीक्षित बैठक बीजिंग में होगी और इस साल के अंत में वाशिंगटन की पारस्परिक यात्रा की योजना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति शी की चीन में होने वाली बैठक अब 14 और 15 मई को बीजिंग में होगी। लेविट ने कहा कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बाद में वाशिंगटन की अपनी वापसी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी और पेंग लियुआन की मेजबानी भी करेंगे। यह घोषणा ईरान में चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियानों के कारण यात्रा के स्थगित होने के बाद आई है। व्हाइट हाउस के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच हुई चर्चा के बाद यात्रा को पुनर्निर्धारित किया गया, जिसमें बीजिंग ने संघर्ष के दौरान ट्रंप के वाशिंगटन में रहने की आवश्यकता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति शी के बीच बैठक के पुनर्निर्धारण को लेकर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति शी समझते हैं कि इन युद्ध अभियानों के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप का यहां उपस्थित रहना बेहद अहम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बैठक का समय ईरान संघर्ष के किसी विशिष्ट परिणाम से जुड़ा हुआ नहीं था। जब उनसे पूछा गया कि क्या युद्ध की समाप्ति शिखर सम्मेलन के लिए एक पूर्व शर्त है तो उन्होंने कहा- नहीं।

बैठक के पुनर्निर्धारण के बारे में चर्चा हुई थी। राष्ट्रपति शी ने स्थगन के अनुरोध को समझा और स्वीकार कर लिया। यह बैठक ऐसे समय में होने की उम्मीद है जब वाशिंगटन ईरान के खिलाफ अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है और प्रशासन ने संकेत दिया है कि अभियान तय समय से पहले आगे बढ़ रहे हैं। बीजिंग में होने वाली यह बैठक व्यापार, प्रौद्योगिकी और वैश्विक प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा समेत बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के समय में संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच एक अहम राजनयिक जुड़ाव का प्रतीक है।

एक अप्रैल से 1000 दवाएं हो जाएंगी महंगी

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से दर्द की दवाएं, एंटीबायोटिक दवाएं और बुखार कम करने वाली कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ जाएंगे। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल एक हजार से ज्यादा दवाओं के दामों में मामूली बढ़ोतरी की इजाजत दे दी है। यह बढ़ोतरी डब्ल्यूपीआई के आधार पर हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एनपीपीए ने बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार कार्यालय से मिले आंकड़ों के मुताबिक 2025 में डब्ल्यूपीआई में पिछले साल की तुलना में 0.64956 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसी आधार पर इन दवाओं की कीमतों में करीब 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी की जा रही है। यह बढ़ोतरी हर साल नियमित रूप से की जाती है ताकि दवा कंपनियां बढ़ती लागत को कुछ हद तक संभाल सकें। समायोजित कीमतें एनएलईएम की 1000 से ज्यादा दवाओं पर लागू होंगी।

मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

पश्चिम एशिया संकट के बीच राज्यों की तैयारियों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में टीम इंडिया की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है। इससे घरों में इस्तेमाल होने वाले इस जरूरी ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ईरान की ओर से अधिकांश देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया गया है। हालांकि, भारत को इससे अलग रखा गया है। इसके बावजूद यह चिंता बनी हुई है कि आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं।

भारत के पास 60 दिन का ईंधन

इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।

अनहोनी | **संतुलन बिगड़ने से पद्म नदी में जा गिरी बस, मची अफरा-तफरी**

बांग्लादेश सड़क हादसे में 16 लोगों की हुई मौत

ढाका। बांग्लादेश में एक भीषण सड़क हादसे ने ईद की खुशियों को गहरे सदमें के साथ ही मातम में बदल दिया। करीब 40 यात्रियों से भरी एक बस नदी में गिर गई, जिससे 16 लोगों की मौत हो गई, मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री रहमान ने मृतकों के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना में 16 यात्रियों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य यात्री अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बस में सवार अधिकांश यात्री ईद की छुट्टियां मनाकर राजधानी ढाका लौट रहे थे, जिनमें बच्चे भी शामिल थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हादसा बुधवार शाम लगभग 5:15 बजे राजबाड़ी जिले के दौलतदिया टर्मिनल पर हुआ। बताया जा रहा है कि बस एक फेरी (नाव) पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सीधे पद्मा नदी में जा गिरी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। सेना, पुलिस, अग्निशमन सेवा और तटरक्षक बल की संयुक्त टीमों ने खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद करीब छह घंटे तक लगातार अभियान चलाया। क्रेन की मदद से बस को नदी से बाहर निकाला गया। जब बस को बाहर निकाला गया, तो उसमें से 14 शव बरामद हुए, जबकि इससे पहले गोताखोरों ने दो महिलाओं के शव निकाल लिए थे। इस प्रकार कुल 16 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस जब फेरी पर चढ़ रही थी, उसी दौरान एक छोटी यूटिलिटी नाव पोंटून से टकरा गई।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री ने दिए जांच के आदेश

हालांकि, कई यात्री बस के भीतर ही फंस गए, जिससे उनकी जान नहीं बच सकी। बताया जा रहा है कि बस में सवार कई यात्री एक ही परिवार के थे, जिससे हादसे का दर्द और भी गहरा हो गया। जो लोग बस के बाहर थे, वे सुरक्षित बच गए, लेकिन उनके अपने ही लोग पानी में समा गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने तत्काल अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की और हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई है। इस घटना में लापता हुए लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।

रामनवमीं की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं

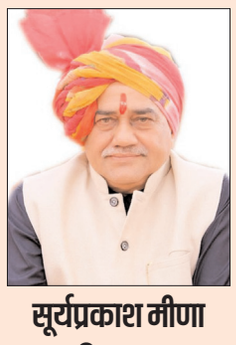

सूर्यप्रकाश मीणा
विधायक

संग्राम सिंह रघुवंशी
भाजपा मंडल अध्यक्ष नटेरन

निवेदक : भालू महाराज एवम समस्त मित्र मंडली भाजपा मंडल नटेरन

बुंदेलखंड के युवा व्यावसायिक शिक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त कर देश में लहरा रहे परचम

रोजगार के लिए युवाओं के पलायन को रोकने सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध

समय जगत, झांसी। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत माननीय शिक्षक विधायक डॉ0 बाबूलाल तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवन कुमार गौतम के विशिष्ट आतिथ्य में ष्वृहद रोजगार मेलाष् का आयोजन बुंदेलखण्ड महाविद्यालय, झांसी में किया गया।

मंचासीन अतिथियों द्वारा वृहद रोजगार मेला का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया, तत्पश्चात मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम एवं श्रद्धा को प्रदर्शित करते हुए अतिथियों सहित उपस्थित अन्य महानुभावों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा वंदे मातरम राष्ट्रगीत का वाचन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ0 बाबूलाल तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार इन वृहद रोजगार मेलों के द्वारा व्यावसायिक कंपनियों के माध्यम से आपके द्वार तक रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। हमारे देश के मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी देश एवं प्रदेश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। कालांतर में बुंदेलखंड दैवीय आपदाओं एवं अवसरों के अभाव में विकास पथ पर पीछे रह गया था, किंतु वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के पश्चात बुंदेलखंड प्रगति पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार यहां के युवाओं को रोजगार के लिए पलायन करने से रोकने हेतु इस प्रकार के बृहद रोजगार मेलों के माध्यम से घर बैठे ही रोजगार देने का कार्य कर रही है। कौशल विकास मिशन युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान कर युवाओं को उनके गृह क्षेत्र में ही रोजगार मुहैया करा रही है। बुंदेलखंड के युवा व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से संपूर्ण देश में अपने व्यक्तित्व विकास का परचम लहरा रहे हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवन कुमार गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि आज के इस बृहद रोजगार मेले में 104 कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है, जिसके फलस्वरूप लाभार्थियों के लिए लगभग 15000 भर्ती उपलब्ध हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा नवनिर्माण के इन 09 वर्षो में विभिन्न विभागों में प्रकाशित सभी भर्तियां पारदर्शी रूप से करने का प्रयास किया गया है। आज इस बुंदेलखंड महाविद्यालय में कौशल विकास मिशन के तहत व्यावसायिक शिक्षा में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों के लिए जॉब उपलब्ध कराई जा रही है। आज का समय कौशल विकास का है, आज के इस कार्यक्रम में रोजगार प्राप्त करने वाले सभी लाभार्थियों को उज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं।

आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सीईओ श्री आशीष कुमार ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं इस मेले से रोजगार प्राप्त करके ही जाएं। प्रदेश स्तर पर कौशल विकास मिशन द्वारा 03 बृहद रोजगार मेले आयोजित किया जा रहे हैं, जिसमें से आज का यह कार्यक्रम द्वितीय है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन युवाओं को विभिन्न विधाओं में व्यावसायिक कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण मुहैया कराता है।

वृहद रोजगार मेले में मंचासीन अतिथियों द्वारा सेवायोजित प्रशिक्षार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, जिसमें पूर्वा खरे, हर्षिता खरे, रूपा मकरानी, अर्शी मकरानी, जेनिफा, दिव्या, अलीशा बानो, टीना, काजल, सचिन, मोहिनी, सुनीता, हरिशंकर, विशाखा, खुशबू, शैलजा एवं लव ओझा सम्मिलित रहे। मेले में 3728 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिनमें से 2719 अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती आशिमा खान द्वारा किया गया।

वृहद रोजगार मेला के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद, संयुक्त निदेशक व्यावसायिक शिक्षा श्री आशीष कुमार दुबे, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान श्री सुजीत कुमार श्रीवास्तव, सीईओ श्री आशीष कुमार, पार्षद श्रीमती कृतिका तिवारी एवं अन्य सहित कौशल विकास विभाग के जिला स्तरीय कर्मचारी श्री आदर्श श्रीवास्तव, श्री नीरज कुमार यादव जिला कौशल प्रबंधक, आदित्य सिंह डी पी एम आदि उपस्थित रहे।

ज्योतिषाचार्य कौशल मिश्रा को संगीतगुरु ने किया सम्मानित

समय जगत, गुरसरांय। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं कौशल किशोर मिश्रा गरौठा को उनकी उपलब्धियों के लिए मां शारदा संगीत विद्यालय के संस्थापक संगीतगुरु पं परशुराम पाठक ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर ज्योतिषचार्य पं कौशल किशोर शास्त्री ने बताया कि बिना गुरु के ज्ञान के जीवन मे आगे नही बढ़ा जा सकता है।उन्होंने संगीत की शिक्षा माँ शारदा संगीत विद्यालय गुरसरांय में ही संगीतगुरु पं परशुराम पाठक एवं पं सरजू शरण पाठक से ली।उन्होंने अपने गुरुओं का आशीर्वाद ही जीवन की पूँजी बताया।वह गरौठा में ज्योतिष केंद्र के अलावा झांसी में ज्योतिष कार्य देख रहे है।उन्होंने कहा कि कुंडली के गृह अपनी दशा के अनुसार कार्य करते है,उनके निराकरण एवं उनको अनुकूल बनाने के उपाय ज्योतिष में बताए जाते है।इसलिए वैदिक विद्वान से ही परामर्श लेना चाहिए,जिससे भटकाव ना हो।वह अपने जीवन की उपलब्धता को गुरुकृपा मानते है।उन्होंने बताया कि जिसने गुरुमुख विद्या प्राप्त नहीं की वह आगे भटक सकता है,इसलिए गुरु कृपा सर्वोपरि है।

बड़ी माता मंदिर का भव्य सिंह द्वार बनेगा : आर पी निरंजन

समय जगत,गुरसराय । तालाब बांध स्थित बड़ी माता मंदिर पर भव्य सिंह द्वार बनाया जाएगा इस आशय की घोषणा गुरुवार को एमएलसी श्रीमती रमा निरंजन के प्रतिनिधि आर पी निरंजन ने की है।

उन्होंने जगत जननी के दर्शन करने के उपरांत कहा कि मंदिर के मुख्य गेट पर एमएलसी कोटा से एक भव्य सिंह द्वार बनवाया जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाएं देखकर कमेटी के लोगों की भूरि भूरि प्रशंसा की। कुशल सरकार नगर के प्रमुख समाज से प्रसिद्ध नारायण सिंह यादव, चंद्र प्रकाश चौरसिया, विनोद स्वामी अध्यक्ष, राजेंद्र सोनी प्रबंधक, मुकेश चंसोरिया, प्रमोद शुक्ला, शिवम खरे, लाल खां, शशिकांत नीखरा, चौधरी रामदास पाठक, छोटेलाल भगत जी, अनूप टेंट, मंटू चौहान, साहब सिंह, सुनील यादव, श्याम शिवहरे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे तथा उपस्थित लोगों ने सिंह द्वारा की घोषणा का स्वागत किया।

नोटा के मारवाड़ी मंदिर में शिवमहापुराण की कथा का हुआ समापन

समय जगत, टहरौली। मारवाड़ी मंदिर नोटा मै चल रही19 मार्च से 26मार्च तक शिवमहापुराण की कथा का समापन किया गया । इसी मौके पर मौजूद कथा के ब्यास मुकेश मोहन शास्त्री मंदिर के मुख्य पुजारी राजकुमार नायक राकेश कुमार मिश्रा एड बृजेन्द्र पटेरिया कौशल किशोर पांडे ओमप्रकाश पांडे मयंक मिश्रा नोटा सक्षम गुप्ता कुशाग्र पांडे निशांत पांडे राहुल पटेरिया अमितमिश्रा मुख्य यजमान नीलम नीरज नायकआदि मौजूद रहे ।

अयोध्या धाम के सूर्य मन्दिर में बावन जी मन्दिर के पीठाधीश्वर वैदेही वल्लभ शरण महाराज ने किया ध्वजारोहण

समय जगत, गुरसरायं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या धाम के सूर्य मन्दिर में बावन जी मन्दिर के पीठाधीश्वर वैदेही वल्लभ शरण महाराज ने झण्डारोहण किया। झाँसी जिले की गरौठा तहसील के ग्राम आमली में जन्मे वैदेही बल्लभ शरण जी महाराज अयोध्या धाम के बावन जी मन्दिर के पीठाधीश्वर हैं...

ध्वजारोहण कार्यक्रम की सूचना मिलते ही झाँसी जनपद में हर्ष का माहौल बन गया । श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मन्दिर परिसर अयोध्या धाम के सूर्य मंदिर में बावन जी पीठ के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 श्री वैदेही बल्लभ शरण के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ ध्वजारोहण किया गया,झाँसी जिले की गरौठा तहसील के ग्राम आमली में जन्मे वैदेही बल्लभ शरण जी महाराज अयोध्या धाम में बावन जी मन्दिर के पीठाधीश्वर हैं,ध्वजारोहण कार्यक्रम में पूज्य साधु-सन्तों के अलावा मन्दिर परिसर के अधिकारीगण एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे !

मुनि श्री 108 मेघदत्त सागर एवं मुनि श्री ऋषभ दत्त सागर जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ भक्तांबर जी का पाठ

समय जगत, झांसी। आज मुनि श्री मेघ दत्त सागर एवं मुनिश्री ऋषभ दत्त सागर जी महाराज के सानिध्य में आदिनाथ जन्म जयंती से महावीर जन्म जयंती तक निरंतर चल रहे भक्तांबर पाठ के 13 दिन का आयोजन किया गया सर्वप्रथम श्री सिद्धार्थ जैन श्रीमती सोनम जैन मुकेश जैन श्रीमती नीता जैन ने दीप प्रज्वलित किया श्रीमती सरोज जैन श्रीमती प्रीति शिरोमणि श्रीमती आरती जैन श्रीमती स्वाति जैन डॉ पूजा जैन श्रीमती बॉबी जैन ने संयुक्त रूप से मंगाचरण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया

श्री अतिशय क्षेत्र करगुवा जी जैन मंदिर में श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति एवं श्री आदिनाथ भक्तांबर मंडल के तत्वाधान में चलरहे कार्यक्रम में मुनि श्री मेघ दत्त सागर जी महाराज एवं मुनि श्री ऋषभ दत्त सागर जी महाराज ने अपने धार्मिक संदेश में सभी को बताया कि अपनी आत्मा का बोध करो अपनी आत्मा के दर्शन करो फैशन और दिखावे एवं ब्रांडेड वस्तुओं के इस जमाने में आप धर्म को भूलते जा रहे हैं इसलिए आपको आत्म चिंतन करना अति आवश्यक है आप लोग भक्तांबर पाठ के माध्यम से एकत्रित होकर धर्म लाभ ले रहे हैं अति सरायनी है आप लोगों को इस तरीके के धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होना फिर आराधना करने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है कार्यक्रम का संचालित करते हुए अतिशय क्षेत्र करगुवा जी मंत्री शिरोमणि जैन एडवोकेट एवं कुलदीप जैन ने बांदा गंजबासौदा विदिशा भोपाल से आए हुए अतिथियों एवं समाज जनों में

डॉ अमित कुमार जैन श्रीमती हेमा जैन ने श्रेयांश जैन करगुवा जी क्षेत्र निर्माण मंत्री श्री भागचंद जैन श्रीमती आशा जैन श्रीमती उषा जैन श्रीमती शशि जैन अमित जैन एवं श्रीमती कल्पना जैन ने भक्तांबर काव्य पढ़ते हुए प्रत्येक काव्य के बाद दीप प्रज्वलित कर श्री आदिनाथ भगवान जी के चरणों मैं समर्पित किए एवं महाआरती में महिला श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती करते हुए प्रभु की आराधना की सर्वज्ञ जैन श्रीमती अंजलि जैन श्रीमती रीता जैन श्रीमती रानी जैन श्रीमती ज्योति जैन श्रीमती किरण जैन ने धार्मिक भजनों सुनाएं कार्यक्रम में निम्न लोगों को उपस्थित रहे संतोष जैन जल निगम जितेंद्र जैन सीपरी बाजर आशीष जैन अशोक जैन विनोद जैन शशांक जैन सनत जैन अंकित जैन प्रभात जैन अनिल जैन कटेरा

श्रीमती प्रीति मगरपुर जैन श्रीमती सुधा जैन श्रीमती रचना जैन मंजू जैन श्रीमती श श्वेता श्रीमती इंदिरा जैन श्रीमती मीनल जैन श्रीमती उषा जैन श्रीमती शगुन जैन श्रीमती शशि जैन श्रीमती कामना जैन श्रीमती शुभी जैन श्रीमती ज्योति जैन श्री दीपक जैन वैध बीरेंद्र जैन नोएडा रौनक जैन संजय जैन तालबेट फूलचंद जैन सुधीर जैन रजनीश जैन रॉबिन जैन विकास जैन आलोक जैन विजय जैन विमल जैन अक्षत जैन अजय जैन आरके जैन उषा जैन अर्चना जैन ममता जैन अनिल जैन आदि लोग उपस्थित रहे आए हुए सभी अतिथियों का आभार सुनील जैन दाऊ एवं दीपक जैन रेलवे ने किया ।

अब सारी दुनिया में मुझे कोई नहीं भाता है, राम जी के मंदिर में बड़ा मजा आता है

समय जगत, झांसी। प्रेम नगर नगरा आर्य समाज मंदिर में चल रहे ऋग्वेद परायण एवं गायत्री महायज्ञ के उन्नीसबे दिवस पर ऋग्वेद की 500 आहुति एवं गायत्री मंत्र की 50 आहुति समस्त आर्य भक्तगणों द्वारा दी गई आज के दिवस पर यजमान श्रीमती सरिता साहू एवं संजय साहू रहे यज्ञ ब्रह्मा राम किशोर मेघार्थी द्वारा वेद मंत्रों की व्याख्या करते हुए शहीद दिवस पर बतलाया। जिला प्रधान राजेन्द्र सिंह यादव ने बतलाया कि दुख से पाप नष्ट होता है और सुख से पुण्य जब वह दुख आता है तभी भजन होता है जिससे प्रारब्ध बनता है।

जिला आर्य समाज की संरक्षिका श्रीमती शकुंतला द्वारा भजन बात समझ में आई हमारी , झूठी है ये दुनिया सारी । और ना लो परीक्षा हमारी , आए अब हम शरण तुम्हारी । प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय गजल गायक जसवंत सिंह द्वारा अव सारी दुनिया में मुझे कोई नहीं भाता है, राम जी के मंदिर में बड़ा मजा आता है प्रस्तुत किया। शह आचार्य डॉक्टर तुलसीराम आर्य डॉ डी पी सिंह कालपी राकेश नामदेव जसवंत सिंह रेखा सिंह पूर्णिमा साहू विकास साहू अतुल भाटिया सूरज मलिक नरेंद्र नामदेव पार्षद गीता सिंह सविता साहू दिलीप कुमार किरण राजेंद्र कुमार कैलाश मालवीय संगीता यादव छोटू विश्वकर्मा रिचा आर्य अंकुश प्रजापति आशा शर्मा नारायण रामबाबू त्रिपाठी मातादीन गौतम हरिशंकर साहू प्रवीण कुमार अंकुश कुमार इंद्रपाल सिंह खनूजा अनीता साहू रेखा नामदेव विजय राम राजपूत सुनील कुमार दिलीप कुमार कामता प्रसाद ध्यानशी यादव रविकांत पूर्व पार्षद संगीता यादव आदित्य गौतम हृदेश साहू आर के सिंह चेतन शर्मा राजवती मिश्रा सहित कई गणमान्य लोगों एवं महिलाओं ने यज्ञ एवं प्रबचन का लाभ उठाया आभार बुंदेलखंड क्रांति सेना के अध्यक्ष भारत सिंह ने किया।

तारीख पेशी- 11-05-2026

न्यायालय
सिविल जज
(सी0डि0)झांसी

नम्बर मुकदमा -305 सन-2025

श्रीमती मीनू पत्नी रीतेश उम्र 37 वर्ष दत्तक पुत्री स्व0श्री भजनलाल निवासी ग्राम बैजपुर ब्लॉक बबीना तहसील व जिला झांसी हाल निवासी 140, मेवातीपुरा तहसील व जिला झांसी उ0प्र0 ।

-वादिया

बनाम

1- वीरेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 कुंजीलाल उम्र करीब 60 वर्ष निवासी ग्राम बैजपुरा ब्लॉक बबीना जिला झांसी

2-श्रीमती पिस्ता पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार उम्र करीब 55 वर्ष निवासी ग्राम बैजपुरा ब्लॉक बबीना जिला झांसी

3-आम जनता

- प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि **आप दिनांक 11 माह 05 सन् 2026 ई0 वक्त 10 बजे दिन के** असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो कोई और शख्स हो कि जो जबाव ऐसे सवालात का दे सकें हाजिर हो और जबाव देही दावा की करें आपको लाजित है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही इस्तेमाल करना चाहते हों।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगें तो मुकदमा वगैर हाजिर आपके मसमूअ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख 26-03-2026 ई0 जारी किया गया।

**आज्ञानुसार
मुन्सरिम
सिविल जज (सी0डि0)
झांसी।**

पृथक राज्य के बिना विकास नहीं : कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह

समय जगत, झांसी। बुंदेलखंड क्रांति दल द्वारा झांसी महानगर में घर-घर जनसंपर्क कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान अलीगोल खिड़की बाहर, एवन कॉलोनी, सुपर कॉलोनी, सलीम बाग एवं गुलाम गौस खां पार्क क्षेत्र में व्यापक रूप से जनसंपर्क किया गया तथा जनता को पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लाभ बताए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत एड. नूर अहमद मंसूरी के निवास पर वार्ड कार्यालय का शुभारंभ किया गया। साथ ही विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन भी किया गया।

इन सभाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येन्द्र पाल सिंह ने कहा कि पृथक बुंदेलखंड राज्य बनने से क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा, पानी एवं विकास की समस्याओं का समाधान संभव होगा। उन्होंने जनता से इस आंदोलन में जुड़कर इसे मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव मो. नईम मंसूरी, नगर अध्यक्ष कालीचरण श्रीवास, नगर महामंत्री लक्ष्मीनारायण श्रीवास, अतीक अहमद, जगदीश विश्वकर्मा, नबी अहमद, राजकुमार विश्वकर्मा, अंकुर मिश्रा, आकाश तिवारी, सुलभ अग्रवाल, आनंद प्रताप सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभाओं का संचालन राष्ट्रीय महासचिव मो. नईम मंसूरी द्वारा किया गया।

विधायक राजीव ने मृतक के परिजनों को दी 25 लाख रूपए की आर्थिक मदद

समय जगत, झांसी। बबीना विधायक श्री राजीव सिंह पारीछा द्वारा मानवता और संवेदनशीलता का एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। विगत दिनों बबीना स्थित इण्डो गल्फ फैक्ट्री में हुए दर्दनाक हादसे में दिवंगत नवल यादव के परिजनों से मिलकर उन्हें 25 लाख रुपये की राहत राशि का चेक प्रदान किया गया। इस कठिन समय में विधायक ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया तथा हर संभव सहायता और सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर भाजपा महानगर के महामंत्री विनोद नायक, अरविन्द राजपूत, जिला मंत्री पलविन्दर नंदा, क्षेत्राधिकारी सदर, थानाध्यक्ष बबीना सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

आम सूचना

I, Army No.-15188867Y, Rank-HAV (OPR), Name-Thakara Ram, Unit-373 ARTY BDE CAMP, C/o 56-APO, presently R/o Vill.-Pabubera, PO-Bhimthal, Teh.-Gudamalani, Distt.-Barmer, Rajasthan-344704 have changed my Son's name from KAILASH to KARTIK vide affidavit No. IN-UP76130789693467Y dated 25-03-2026

आम सूचना

मैं जयश्री कुलिया बेरा पत्नी अमलान बेरा निवासी- ग्राम - पाटना , पोस्ट-पाटना बाजार, तहसील- खड़गपुर , जिला- पश्चिम मैदिनीपुर , पिन-721156, राज्य- पश्चिम बंगाल । मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम जयश्री कुलिया बेरा दर्ज है। सही नाम जयश्री कुइल्या बेरा है। समान दर्ज हो।

किसानों को मिलेगी 7870 करोड़ रुपये की सब्सिडी

हरियाणा में विद्युत दरें पहले की तरह रहेंगी यथावत

पंचकूला। हरियाणा के 83.79 लाख बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचइआरसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बिजली की दरों में बढ़ोतरी नहीं की है। आयोग ने बिजली की दरों को पूर्व की तरह बरकरार रखा है। विद्युत विनियामक आयोग के इस फैसले से गरीब और मध्यम वर्ग के बिजली उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। राज्य में बिजली की दरों का नया टैरिफ पहली अप्रैल से लागू होगा। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने बिजली की दरें नहीं बढ़ाने का निर्णय उत्तर हरियाणा और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएनएल और डीएचबीवीएनएल) द्वारा प्रस्तुत वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआआर) याचिकाओं की विस्तृत सुनवाई के बाद लिया है। दोनों बिजली कंपनियों ने 4,484.71 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा दर्शाया था। बावजूद इसके विद्युत विनियामक आयोग ने

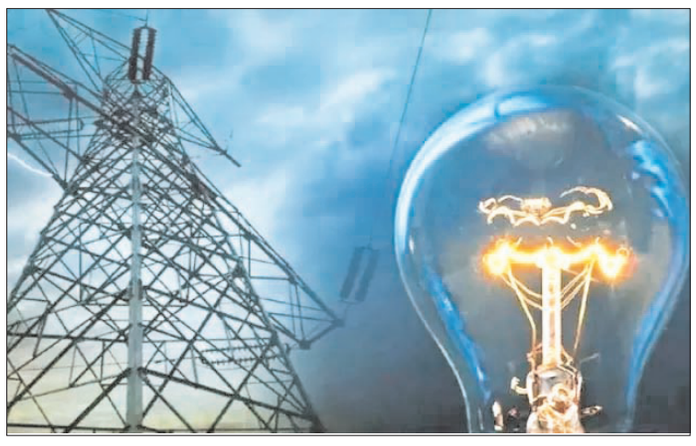

उपभोक्ताओं पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डाला है। आयोग के अध्यक्ष नंदलाल शर्मा, सदस्य मुकेश गर्ग और शिव कुमार ने टैरिफ आदेश पर हस्ताक्षर किए। विद्युत विनियामक आयोग ने जनसुनवाई और फील्ड हियरिंग के माध्यम से उपभोक्ताओं, उद्योग मालिकों और हितधारकों की राय ली थी। एचइआरसी ने डिमांड-साइड मैनेजमेंट (डीएसएम) उपायों के माध्यम से मांग में उतार-चढ़ाव संतुलित करने पर जोर दिया है। इसके अलावा, 10 बीएचपी तक के ट्यूबवेल कनेक्शन वाले किसानों को 31 मई 2026 तक लोड बढ़ाने का अवसर प्रदान किया गया है। यह टैरिफ आदेश उपभोक्ता हितों की रक्षा के साथ बिजली क्षेत्र में दक्षता, पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माने जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र में 7,870.32 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रविधान है। राज्य के करीब 20 लाख किसानों को केवल 10 पैसे प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा, जबकि किसानों को दी जाने वाली बिजली की वास्तविक लागत 7.48 रुपये प्रति यूनिट है। इसके अलावा, प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा शुल्क और फिक्स्ड चार्ज पर 5 प्रतिशत की छूट मिलेगी। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने अपने निर्णय में पंचकूला, फरीदाबाद, पानीपत, करनाल और गुरुग्राम में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। एचपीपीसी (हरियाणा पावर परचेज सेंटर) के पुनर्गठन और सुधार पर जोर दिया गया है, ताकि बिजली खरीद प्रक्रिया पारदर्शी और किफायती बन सके। बिजली कंपनियों से कहा गया कि उच्च एटीएंडसी लास वाले फीडरों पर विशेष ध्यान दें।

हरियाणा के हर जिले में लगेगा रोजगार मेला, नायब सिंह ने दिये निर्देश

समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए है कि आइटीआइ पास प्रशिक्षुओं के शिक्षुता और प्लेसमेंट डाटा को एकत्रित कर पोर्टल बनाया जाए। साथ ही आइटीआइ से पास आउट हुए प्रशिक्षुओं का डेटा राज्य के उद्योग संस्थानों को उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल पोर्टल का निर्माण किया जाए। हर जिले में रोजगार के लिए बड़े मेले लगाए जाएं। बकायदा इसके लिए विभाग कलेंडर भी जारी करे, ताकि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिल सके। मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा निवास में युवा सशक्तीकरण एवं उद्यमिता विभाग की गतिविधियों के संबंध में समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में विभाग के राज्य मंत्री गौरव गौतम भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि स्टूडेंट्स में पढ़ाई के साथ साथ हाथ का हुनर भी बढ़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आइटीआइ पास स्टूडेंट्स की मीटरिंग की व्यवस्था की जाए कि पास आउट होने के बाद उन्हें रोजगार मिला या नहीं। इंटर्नशिप पर जाने वाले स्टूडेंट्स का भी ब्योरा रखा जाए। आइटीआइ को विशेष रूप से अपग्रेड किया जाए। 10 आइएमटी खुलने के बाद उनमें स्किल युवाओं की डिमांड बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने आइटीआइ में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी को लेकर भी जानकारी ली। जिन संस्थानों में मशीनरी खराब है या पुरानी तकनीक की है उन्हें अपग्रेड करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आइटीआइ की बिल्डिंग, चारदीवारी और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में निजी आइटीआइ के कामकाज की समीक्षा हुई। कुछ जगहों पर निजी आइटीआइ में अनियिमितताएं मिली हैं, जिस पर मुख्यमंत्री ने सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री गौरव गौतम ने आइटीआइ संस्थानों में खेल गतिविधियों के लिए कलेंडर जारी करने व प्रशिक्षणार्थियों का उद्योगों में शैक्षणिक टूर करवाने के निर्देश भी दिए गए।

सार-समाचार

राज्यसभा सदस्य कर्मवीर बौद्ध ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़। कांग्रेस के नव निर्वाचित राज्यसभा सदस्य कर्मवीर बौद्ध ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला और कांग्रेस महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा से भी मुलाकात की। कर्मवीर बौद्ध जब उम्मीदवार घोषित किए गए थे, तब भी उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के अलावा कुमारी सैलजा व रणदीप सुरजेवाला से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया था। सुरजेवाला और सैलजा के साथ कर्मवीर बौद्ध की राज्यसभा चुनाव में हुई क्रास वोटिंग के मुद्दे पर खुलकर विस्तार से बातचीत हुई। कर्मवीर बौद्ध इन दोनों नेताओं के पास अकेले गए, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन के साथ बीके हरिप्रसाद, राजेंद्र पाल गौतम, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राव नरेंद्र सिंह और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ पहुंचे।

थ्रोम्बोलिटिक्स उपचार पद्धति से लोगों को मिल रहा है जीवनदान

गुरुग्राम। मेडिकल इमरजेंसी के दौर में समय ही जीवन है की कहावत ब्रेन स्ट्रोक के मामलों में पूरी तरह सटीक बैठती है। स्ट्रोक के गंभीर खतरों को देखते हुए सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल अब मरीजों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। अस्पताल में उपलब्ध थ्रोम्बोलिटिक्स उपचार पद्धति ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की जान बचाने में अत्यंत प्रभावी साबित हो रही है। प्रशासन के आंकडों के अनुसार, हर महीने औसतन दो से तीन मरीज इस अत्याधुनिक सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, स्ट्रोक के लक्षण दिखने के शुरुआती तीन से चार घंटे गोल्डन आवर होते हैं। यदि इस अवधि के भीतर मरीज को अस्पताल पहुंचा दिया जाए, तो स्थायी विकलांगता और मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। राहत की बात यह है कि अस्पताल प्रशासन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए तीन निशुल्क इंजेक्शन की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि उपचार में जितनी तेजी दिखाई जाएगी, मरीज के सामान्य जीवन में लौटने की संभावना उतनी ही प्रबल होगी।

एनडीए और सीडीएस परीक्षा 12 अप्रैल को

फरीदाबाद। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 12 अप्रैल को जिले में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, नौसेना अकादमी परीक्षा और संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा की परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा जिले के सात केंद्रों पर होगी। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक तथा दोपहर दो बजे से 4.30 बजे तक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह नौ बजे से 11 बजे तक दूसरी पाली दोपहर 12.30 बजे से 2.30 बजे तक तथा तीसरी पाली शाम चार बजे से छह बजे तक आयोजित होगी। इस परीक्षा के लिए अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

फरीदाबाद की इहा जोशी ने जीता रजत पदक

फरीदाबाद। उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित की गई जूनियर वर्ल्ड टेनिस टूर जे 60, प्रतियोगिता में फरीदाबाद की इहा जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया है। 16 से 23 मार्च तक चली इस प्रतियोगिता में इहा जोशी ने लगातार अपनी लय बनाए रखते हुए पदक अपने नाम किया। इनमें राउंड-1 में इहा ने भारत की ही शैवी गौरव दलाल को 6-3, 6-1 से हराने में सफलता हासिल की। वहीं दूसरे राउंड में भारत की नंदिनी कंसल को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 3-6, 6-3 से हराया जबकि क्वार्टर फाइनल में भारत की दिशा कुमारी को 7-6, 6-2 से हराने में सफलता पाई। इसके अलावा सेमी फाइनल में इहा ने अमेरिका की स्वानिका रॉय को 6-3, 6-1 से हराने में सफल रहीं।

24 करोड़ की लागत से सिद्धार्थ विहार में बनेगा नाला

समस्या का हेगा निराकरण

साहिबाबाद। सिद्धार्थ विहार के करीब दो लाख लोगों को इस बार मानसून में जल भराव की समस्या नहीं झेलनी होगी। आवास विकास परिषद ने नाले का निर्माण शुरू करा दिया है। इसे मानसून से पहले ही पूरा करने का दावा किया है। आवास विकास परिषद ने अपने सिद्धार्थ विहार योजना में करीब दो दशक पूर्व ही नाले और नालियां बनाई थीं। इतने साल से यहां बहुमंजिला इमारतों में काफी आबादी बढ़ी है। साथ ही बनाई गई नालियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। कई वर्षों से हल्की बारिश में भी सिद्धार्थ विहार के मुख्य मार्ग पर जल भराव हो जाता था। इसके अलावा अन्य सड़कों पर भी पानी जमा हो जाता है। पिछले साल ही समस्या का समाधान निकालने के लिए नाले-नालियों के निर्माण के प्रस्ताव पारित किए गए थे। आवास विकास परिषद निर्माण खंड दो अधिशासी अभियंता विकास गौतम ने बताया कि बजट 2025 में ही जारी कर दिया था। ग्रैप की वजह से नाले का काम शुरू नहीं कराया जा सका था। करीब 24 करोड़ की लागत से पूरी योजना में नाला निर्माण कराया जा रहा है। ठेकेदार ने काम शुरू कर दिया है, जल्द ही लोगों को जल भराव की समस्या से मुक्ति मिल सकेगी। सिद्धार्थ विहार योजना में करीब 15 किमी का नाला दिल्ली आईआईटी की टीम ने डिजाइन तैयार किया है। इस बार का डिजाइन चार दशक तक योजना में बढ़ने वाली आबादी को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

बोर्ड बैठक में नमो भारत की स्थिति की समीक्षा

अंडरग्राउंड मेट्रो संचालन के दृष्टिगत तैयार किया जाएगा डीपीआर

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में रेलवे स्टेशन-राजीव चौक-भोंडसी मेट्रो कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी। हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएमआरटीसी) की बोर्ड बैठक में 17.09 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के डीपीआर बनाने की मंजूरी दे दी गई है। प्रदेश सरकार जिले में मेट्रो रेल नेटवर्क बढ़ाने को लेकर कदम उठाए जा रही है। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक 28.05 किमी कॉरिडोर पर काम चल रहा है। एचएमआरटीसी रेलवे स्टेशन से भोंडसी तक मेट्रो निर्माण को लेकर काम कर रही है। इसके लिए सरकारी एजेंसी राइट्स को डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। एजेंसी ने संभावित रूट का सर्वे कर लिया है। डीपीआर बनाने की मंजूरी देने का एजेंडा हाल में हुई एचएमआरटीसी बैठक में रखा गया था। योजना के अनुसार, इस कॉरिडोर को रेलवे

स्टेशन गुड़गांव के बजाय गुरुग्राम मेट्रो के सेक्टर-पांच स्टेशन से भोंडसी तक बनाया जाना है। सदर बाजार एरिया घनी आबादी वाला है और सड़कें कम चौड़ी हैं। ऐसे में इस एरिया में अंडरग्राउंड मेट्रो संचालन को देखते हुए डीपीआर तैयार किया जाएगा। बोर्ड बैठक में पालम विहार से सेक्टर-21 द्वारका मेट्रो स्पर और यशोभूमि से इफ्को चौक तक दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट लाइन तक विस्तार पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के बाद बोर्ड ने पालम विहार (रेजांगला चौक) द्वारका सेक्टर-21 के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) को संशोधित करने की मंजूरी दे दी। इसमें कई शर्तें भी लगाई गई हैं। पहला साइबर सिटी में मौजूदा रैपिड मेट्रो और मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी कॉरिडोर के बीच कोई भौतिक एकीकरण नहीं होगा। दूसरा 2.8 मीटर के बजाय 2.9 मीटर स्टैंडर्ड गेज रोलिंग स्टॉक को अपनाया जाएगा। तीसरा ट्रेनों की शुरुआत/समाप्ति सेक्टर-56 के बजाय साइबर सिटी में होगी और मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-21 द्वारका तक मेट्रो ट्रेनों का सीधा परिचालन नहीं होगा। बोर्ड बैठक में नमो भारत (आरआरटीएस) की स्थिति पर समीक्षा हुई। सूत्रों के अनुसार, बोर्ड बैठक में बताया कि हरियाणा सरकार की इच्छा है कि दिल्ली-पानीपत-करनाल नमो भारत कॉरिडोर का विस्तार कुरुक्षेत्र तक किया जाए। ऐसे में इस कॉरिडोर को कुरुक्षेत्र तक ले जाने के लिए एक बार फिर डीपीआर में संशोधन किया जा सकता है। दूसरा इसे दूसरे फेज में जोड़ा जा सकता है।

रेखा गुप्ता ने महाअष्टमी पर किया कन्या पूजन

सीएम ने कन्याओं के पैर धोकर कराया भोजन, दिया उपहार, प्राप्त किया आशीर्वाद

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चैत्र नवरात्र 2026 की महा अष्टमी के पावन अवसर पर कन्या पूजन समारोह में भाग लिया। यह कार्यक्रम गुरुवार को राजधानी में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान नौ कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चैत्र नवरात्र 2026 की महाअष्टमी के पावन अवसर पर कन्या पूजन समारोह में भाग लिया। यह कार्यक्रम गुरुवार को राजधानी में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान नौ कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कन्याओं के पैर धोए और उन्हें भोजन कराया। मुख्यमंत्री ने कन्याओं को उपहार भी भेंट किए। दरअसल चैत्र नवरात्र हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह नौ दिनों तक चलने वाला पर्व देवी दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। महाअष्टमी का दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन भक्त देवी महागौरी की पूजा करते हैं और कन्या पूजन का आयोजन करते हैं। कन्या पूजन हिंदू धर्म में एक पवित्र अनुष्ठान है। इसमें नौ छोटी कन्याओं को देवी दुर्गा का रूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह मान्यता है कि इन कन्याओं के माध्यम से देवी प्रसन्न होती हैं। कन्या पूजन नारी शक्ति के सम्मान और महत्व को दर्शाता है।

16 साल पहले मुम्बई से दिल्ली आते वक्त खोया था विमान यात्री का सामान, अब मिलेगा 1 लाख मुआवजा

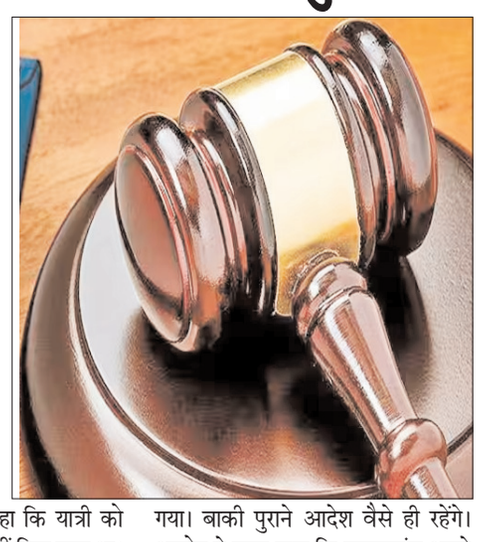

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एक पुराने केस में फैसला सुनाया है। मुंबई के निवासी शीतल कुमार अग्रवाल को इंडियन एयरलाइंस की लापरवाही के चलते 1 लाख रुपये का मुआवजा मिला है। 2010 में वह अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए मुंबई से दिल्ली जा रहे थे। उन्होंने इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-806 में टिकट बुक किया था। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर उनके पाउच से सामान गायब मिला। इसमें 20,000 रुपये नकद, 5 ग्राम का सोने का सिक्का और 100 अमेरिकी डॉलर का नोट थे। ये सोने के सिक्के शादी में दुल्हन-दूल्हे को गिफ्ट करने थे। ऐसे में तुरंत शिकायत की गई। एयरपोर्ट के दो लोडर पकड़े गए और चोरी का मामला दर्ज हुआ। सामान आखिरकार 24 दिसंबर 2010 को वापस मिला, लेकिन तब तक शीतल को कई बार मुंबई-दिल्ली आना-जाना पड़ा। बिजनेस के काम छूट गए, शादी में शामिल नहीं हो पाए और बहुत मानसिक तनाव झेलना पड़ा। पहले जिला आयोग ने इंडियन एयरलाइंस को सिर्फ 40,000 रुपये खर्च और 15,000 रुपये मानसिक पीड़ा के लिए देने का आदेश दिया था। लेकिन, शीतल ने अपील की कि यह रकम बहुत कम है। अब आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति संगीता ढींगरा सहगल और सदस्य बिमला कुमारी ने अपील मंजूर कर दी। उन्होंने कहा कि यात्री को सिर्फ हवाई किराया भी नहीं मिल पाया था। कई यात्राएं, बिजनेस नुकसान और शादी में गिफ्ट न दे पाने का दर्द भी हुआ। इसलिए मुआवजा बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया। बाकी पुराने आदेश वैसे ही रहेंगे। आयोग ने साफ कहा कि एयरलाइंस अपने एजेंट (सामान हैंडल करने वाली कंपनी) की गलती के लिए जिम्मेदार है। एयरपोर्ट अथॉरिटी पर कोई दोष नहीं पाया गया।

35 जगह बनेंगे अत्याधुनिक सार्वजनिक शौचालय

शहर में स्थापित जर्जर सार्वजनिक शौचालयों का होगा जीर्णोद्धार

फरीदाबाद। स्वच्छता सर्वेक्षण में कमजोर प्रदर्शन के बाद नगर निगम फरीदाबाद ने शहर में सार्वजनिक शौचालयों का नेटवर्क बढ़ाने की बड़ी योजना शुरू की है। निगम ने 35 स्थानों पर अत्याधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाने का निर्णय लिया है जिन पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। योजना के तहत बाजारों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को प्राथमिकता दी जा रही है। बीके चौक पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है जबकि अन्य स्थानों पर जमीन चिह्नित करने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इस बार स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए सार्वजनिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि पिछले सर्वेक्षण में सबसे कम अंक इसी श्रेणी में मिले थे। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2024

में जारी स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम में फरीदाबाद को सार्वजनिक शौचालयों की उपलब्धता और रखरखाव के मामले में अपेक्षा से कम अंक मिले थे। सर्वे टीम ने कई बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर शौचालयों की कमी को बड़ी खामी माना था। इसी के बाद निगम ने शहर स्तर पर नई योजना तैयार की जिसमें तय किया गया कि ऐसे स्थानों पर शौचालय बनाए जाएं जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते हैं लेकिन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। शहर के पुराने बाजारों, बस स्टैंड के आसपास, भीड़भाड़ वाले चौराहों और प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बाहर से आने वाले लोगों के लिए यह बड़ी समस्या बनी हुई है। कई जगह लोगों को निजी दुकानों या पेट्रोल पंपों पर निर्भर रहना पड़ता है। निगम के अनुसार नई योजना में सेक्टर मार्केट, पुरानी मंडियां, मुख्य सड़कें और प्रमुख चौक शामिल किए गए हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सुविधा मिल सके। यह पूरी योजना स्वच्छ भारत मिशन के तहत लागू की जा रही है। 35 सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और गुड़गांव की संजय कंस्ट्रक्शन कंपनी को ठेका अलॉट किया गया है। अधिकारियों के अनुसार सभी शौचालय अत्याधुनिक डिजाइन के होंगे जिनमें साफ-सफाई, पानी, बिजली और नियमित देखरेख की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही प्रत्येक शौचालय पर कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी ताकि रखरखाव में लापरवाही न हो और सर्वेक्षण के दौरान अंक प्रभावित न हों। नगर निगम ने बीके चौक पर पहले शौचालय का निर्माण शुरू कर दिया है। इसके अलावा शहर के विभिन्न बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर जगह चिन्हित की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जिन जगहों पर जमीन उपलब्ध होगी वहां प्राथमिकता के आधार पर काम शुरू किया जाएगा। लक्ष्य है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के अगले चक्र से पहले अधिकतर शौचालय तैयार हो जाएं।

संपादकीय

देश में सामान्य ईंधन आपूर्ति की कोशिशें हैं जारी

अमेरिका, इजराइल एवं ईरान के बीच चल रही जंग से विश्व भर में ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हुई है। डीजल, पेट्रोल एवं रसोई गैस की किल्लत विश्वभर में देखी जा रही है। इस स्थिति में देश में केन्द्र द्वारा ईंधन आपूर्ति सामान्य बनाये रखने की कोशिश लगातार की जा रही है। ताकि डीजल, पेट्रोल एवं रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।पेट्रोल और डीजल के स्टॉक भी संतोषजनक स्तर पर बनाए रखे गए हैं।हालाँकि अफवाहों के चलते कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखने को मिली,लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है।घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए एलपीजी उत्पादन में वृद्धि की गई है। साथ ही, सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी)आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए भी संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है,ताकि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।विशेष रूप से होटल,रेस्तरां और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आदेश देशभर में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को गति देगा और ऊर्जा के स्वच्छ एवं सुलभ विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा देगा। इससे न केवल पारंपरिक ईंधनों पर दबाव कम होगा,बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एलपीजी आपूर्ति वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित अवश्य हुई है,लेकिन देश में कहीं भी 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। हजारों छापों और सैकड़ों गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट है कि प्रशासन इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह गंभीर है। जिला स्तर पर निगरानी समितियों और नियंत्रण कक्षों की स्थापना से स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है। ऐसे में माना जा रहा है सुदृढ़ व्यवस्था एवं सतत प्रयासों से देश के लोगों को पेट्रोलियम सभी आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति होती रहेगी तथा इसी तरह गतिमान रहेगा।

भगवान श्री राम मर्यादा, आदर्श रामराज्य का जीवंत दर्शन

नजरिया

रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय, समानता, सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है। श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था, अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था। रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है-नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ—तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है।

विनोद कुमार सिंह

भारतीय संस्कृति की आत्मा में यदि किसी चरित्र ने सबसे गहरी और स्थायी छाप छोड़ी है, तो वह हैं भगवान श्रीराम।उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं,बल्कि एक ऐसा नैतिक दर्शन है,जो युगों-युगों से मानवता को दिशा देता आया है। भय प्रकट पाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी की यह पंक्ति उस दिव्य क्षण का स्मरण कराती है, जब स्वयं धर्म ने मानव रूप धारण कर पृथ्वी पर अवतार लिया। राम नवमी का पर्व इसी सत्य का उत्सव है,परंतु यह केवल उत्सव नहीं,बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर है।श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन मर्यादा की एक ऐसी रेखा है,जिसे उन्होंने हर परिस्थिति में निभाया। यही कारण है कि उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता शक्ति में नहीं,बल्कि उस शक्ति के संयमित और न्यायपूर्ण उपयोग में निहित होती है।जब पिता की आज्ञा के कारण उन्हें वनवास का निर्णय लेना पड़ा, तब उन्होंने न तो परिस्थितियों से संघर्ष किया और न ही अपने अधिकारों का आग्रह किया,बल्कि सहज भाव से कर्तव्य को स्वीकार किया।यह केवल त्याग नहीं था, बल्कि यह उस आदर्श का प्रतिपादन था,जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार के धर्म को रखता है। श्रीराम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मर्यादा केवल सीमाओं का बंधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।उन्होंने अपने प्रत्येक संबंध को उसी गरिमा के साथ निभाया,जो एक आदर्श समाज की नींव बनती है।चाहे वह भ्रातृ प्रेम हो,पत्नी के प्रति निष्ठा हो,मित्रता का निर्वाह हो या प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व - हर स्थान पर उन्होंने एक ऐसी मिसाल कायम की,जो आज भी प्रासंगिक है।श्रीराम के व्यक्तित्व को समझने के लिए भारतीय परंपरा के दो महान ग्रंथ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं-वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में राम एक आदर्श मानव के रूप में चित्रित होते हैं,जो जीवन की कठिनाइयों,संघर्षों और द्वंद्वों से गुजरते हुए भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ते। वहाँ राम ईश्वर से अधिक एक ऐसे पुरुष हैं, जो अपने निर्णयों के माध्यम से यह

दिखाते हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों,यदि मनुष्य अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे,तो वह आदर्श बन सकता है।वहीं गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में श्रीराम का स्वरूप और भी व्यापक हो जाता है। यहाँ वे केवल एक राजा या नायक नहीं, बल्कि करुणा और भक्ति के साकार रूप हैं। तुलसीदास ने उन्हें 'दीनदयाल' और 'भक्तवत्सल' के रूप में प्रस्तुत किया, जो हर उस व्यक्ति के सहायक हैं,जो सच्चे मन से उनकी शरण में आता है। इस प्रकार वाल्मीकि के राम जहाँ यथार्थ के धरातल पर खड़े हैं, वहीं तुलसी के राम अध्यात्म की ऊँचाइयों को स्पर्श करते हैं।दोनों मिलकर राम के उस समग्र स्वरूप को प्रस्तुत करते हैं,जिसमें मानवता और दिव्यता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।इसका अनुठा व अनोखा संगम का सबसे सुंदर और जीवंत रूप 'रामराज्य' में देखने को मिलता है। रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय, समानता,सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है।श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित,सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था,अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था। रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है -नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ—तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है। यह हमें सिखाता है कि यदि शासन में पारदर्शिता हो,समाज में समरसता हो और व्यक्ति के जीवन में मर्यादा हो, तो किसी भी राष्ट्र को आदर्श बनाया जा सकता है। श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्चा अध्यात्म केवल पूजा और अनुष्ठान में नहीं,बल्कि आचरण में निहित होता है। उन्होंने कभी अपने आदर्शों का उपदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर दिखाया। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक जीवन के हर आयाम को उन्होंने प्रभावित किया।

आज के युग में,जब व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर मर्यादाओं को भूलता जा रहा है,तब श्रीराम का जीवन एक संतुलन की प्रेरणा देता है।वे यह सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अनुशासन और उत्तरदायित्व के साथ जुड़ा हुआ है। यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और उन्हें ईमानदारी से निभाए,तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा।राम नवमी का यह पावन अवसर हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों को स्थान दे पा रहे हैं, जिनका प्रतिपादन श्रीराम ने किया था। क्या हमारे निर्णयों में सत्य और धर्म का स्थान है,क्या हमारे व्यवहार में करुणा और संवेदनशीलता है,क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही सजग हैं,जितने श्रीराम थे।यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम खोजने का प्रयास करें, तो यही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य सिद्ध होगा। अंत में श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मर्यादा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। भय प्रकट पाला दीन दयाला की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।आज आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपने भीतर के राम को पहचानें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। यही सच्चे अर्थों में राम नवमी का उत्सव है, यही उस दिव्य अवतरण का वास्तविक संदेश भी समाज व राष्ट्र के लिए देता है।

रामराज्य को साकार करने की रूपरेखा

कुमार रोहित

रामनवमी का पावन पर्व भारतीय जनमानस के लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि मर्यादा, त्याग और सत्य की विजय का उत्सव है। यह पर्व हमें एक ऐसे आदर्श समाज की स्मृति दिलाता है, जिसे रामराज्य के रूप में युगों-युगों से एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ माना गया है। नवंबर 2025 में अयोध्या में 'धर्म ध्वजारोहण' के अवसर पर जो संवाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र के सम्मुख रखा गया, वह न केवल भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक था, बल्कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक सुस्पष्ट नैतिक रोडमैप भी था। इस विमर्श का सबसे गहरा पक्ष 'विभीषण गीता' का वह प्रसंग था, जिसके माध्यम से प्राचीन मानवीय मूल्यों को आधुनिक सुशासन और राष्ट्र-निर्माण से जोड़ा गया। यह संवाद उस गंभीर क्षण पर होता है, जब रावण को अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित एक विशाल रथ पर सवार देखकर विभीषण विचलित हो जाते हैं। इसके उत्तर में जिस 'धर्मरथ' का वर्णन किया गया, वह भौतिक संसाधनों पर आंतरिक गुणों और चारित्रिक सुदृढ़ता की श्रेष्ठता का उद्घोष है। किसी राष्ट्र की उन्नति के लिए साहस और संयम का संतुलन अनिवार्य है। धर्मरथ के दो पहिए 'शौर्य' और 'धैर्य' इसी संतुलन को दर्शाते हैं। समकालीन संदर्भों में 'शौर्य' का अर्थ नीतिगत निर्णय लेने का साहस और चुनौतियों के सामने अडिग रहने की इच्छाशक्ति है। वहीं 'धैर्य' का अर्थ है उन सुधारों के दीर्घकालिक परिणामों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक संकटों के समय विचलित न होना। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि राष्ट्र का रथ इन दो गुणों के संतुलन से चले। धर्मरथ की ध्वजा 'सत्य' और 'शील' का प्रतीक है। आधुनिक सुशासन में 'सत्य' का अर्थ पारदर्शिता और जवाबदेही है। जब व्यवस्था में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं होता और प्रत्येक निर्णय सार्वजनिक हित में लिया जाता है, तब सत्य की ध्वजा ऊंची रहती है। आज 'शील' या सदाचार का अर्थ नागरिकों और लोकसेवकों का वह आचरण है, जो मर्यादा के अनुकूल हो। यह आचरण ही किसी देश की छवि को वैश्विक पटल पर स्थापित करता है। बल, विवेक, दम और परहित राष्ट्र की चतुर्मुखी शक्ति है। धर्मरथ को खींचने वाले ये चार 'घोड़े' राष्ट्र की शक्ति और उसके उद्देश्यों को परिभाषित करते हैं। जहां 'बल' राष्ट्र की सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, वहीं 'शक्ति' संग विवेक का होना अनिवार्य है। आज के युग में विवेक का अर्थ है वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीक का मानवीय कल्याण के लिए उपयोग। प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति जिम्मेदारी 'दम' का ही आधुनिक रूप है। 'परहित' भी महत्वपूर्ण है। विकास की सार्थकता तभी है, जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इन चार घोड़ों को नियंत्रित करने वाली लगाम क्षमा, कृपा और समता की रस्सियां हैं। बिना सामाजिक न्याय और समानता के विकास का रथ अनियंत्रित हो सकता है। समावेशी विकास का अर्थ ही यही है कि समाज का हर वर्ग समान रूप से सशक्त बने। अयोध्या के प्रसंग में 'कोविदार' वृक्ष के प्रतीक का उल्लेख महत्वपूर्ण रहा है। प्राचीन काल में कोविदार का चिह्न अयोध्या की सेना और राज्य की पहचान था। यह प्रतीक हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी जड़ों से कट जाता है, तो उसका वैभव इतिहास में दब जाता है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि एक ऐसा राष्ट्र है जो अपनी भाषाई विविधता, सांस्कृतिक परंपराओं और प्राचीन ज्ञान तंत्र पर गर्व करता हो। मानसिक दासता से मुक्ति और अपनी पहचान की पुनर्स्थापना ही राष्ट्र के आत्मविश्वास को लौटाती है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। यह युवा शक्ति ही वह सारथी है, जो 2047 के संकल्प को सिद्ध करेगी। तकनीक, स्टार्टअप्स और नवाचार के माध्यम से आज के युवा भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। युवाओं की ऊर्जा को कर्तव्य बोध के साथ जो?ना ही 'धर्मरथ' को सही दिशा में ले जाने का मार्ग है। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा, वह हमारे लिए केवल एक संख्या ही नहीं, बल्कि एक प?ाव होगा। विभिन्न शोधों के अनुसार भारत का लक्ष्य 30-35 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ गरीबी को न्यूनतम स्तर पर लाने और प्रति व्यक्ति आय को विकसित देशों के समकक्ष पहुंचाने का है। यह लक्ष्य केवल सरकारी नीतियों से संभव नहीं। इसके लिए 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक भागीदारी और 'धर्मरथ' के मूल्यों का व्यक्तिगत जीवन में समावेश आवश्यक है। प्रभु श्रीराम का जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी यदि पथ 'धर्म' (कर्तव्य) का हो, तो विजय निश्चित है। जब प्रत्येक नागरिक अपने कार्य को राष्ट्र के प्रति एक आहुति मानेगा और 'परहित' को अपना ध्येय बनाएगा, तभी हम सच्चे अर्थों में रामराज्य की उस परिकल्पना को साकार कर पाएंगे जहां 'बैर न बिग्रह आस न त्रासा' (न शत्रुता, न भय और न ही दुख)। यही वह समय है जब हमें अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना है, ताकि 2047 का भारत न केवल समृद्ध हो, बल्कि मानवता के लिए शांति और न्याय का प्रदाता बने।

न्याय की सुलभता हो कानूनी शिक्षा का मकसद

डॉ. सुधीर कुमार

देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप 'न्याय की सुलभता' पर केंद्रित होना चाहिए। वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी तैयार करना जरूरी है। विश्वविद्यालयों में ऐसे 'न्याय के प्रहरी' तैयार किये जाएं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों तथा असल सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों। भारत में कानूनी शिक्षा को केवल एक स्नातक डिग्री हासिल करने के माध्यम के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य ऐसे सजग 'सोशल इंजीनियर' तैयार करना है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिला सकें। हाल ही में अश्विनी उपाध्याय बनाम भारत संघ (2026) मामले में उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की। स्पष्ट किया कि कानूनी शिक्षा जैसे नीतिगत मामलों में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिया जाएगा। यह वक्तव्य संकेत करता है कि वर्तमान में जारी 4 साल बनाम 5 साल की अवधि का विवाद केवल समय की गणना का नहीं, बल्कि 'गुणवत्ता, सार्थकता और परिपक्वता' का है। कानून कोई यांत्रिक या तकनीकी विषय नहीं जिसे सिर्फ सूत्रों से समझा जा सके; यह समाज, संस्कृति व नैतिकता के ताने-बाने से बुना हुआ है। सफल 'विधिवेत्ता' बनने के लिए छात्र को वे सामाजिक मूल्य आत्मसात करने हेतु पर्याप्त 'मानसिक स्पेस' व समय चाहिये। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण देश में कानूनी शिक्षा का स्वरूप अनिवार्य रूप से %न्याय की सुलभता% पर केंद्रित होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का बड़ा दोष है कि यह मुख्यतया कॉर्पोरेट घरानों व उच्च न्यायालयों के लिए वकील तैयार करती है। हमें यह ढांचा बदलने की जरूरत है ताकि वकीलों को ग्रामीण और जिला स्तर की अदालतों के लिए भी समान रूप से तैयार किया जा सके। इसके लिए 'लोक अदालत' और 'मध्यस्थता' जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य और व्यावहारिक हिस्सा बनाना होगा। क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका यहां और भी अहम हो जाती है। उन्हें स्थानीय विधिक समस्याओं, जैसे ग्रामीण भूमि विवाद, पारिवारिक उत्तराधिकार और सामुदायिक न्याय प्रणालियों पर 'क्लीनिकल रिसर्च' को बढ़ावा देना चाहिए। जब तक कानून का छात्र जमीन से नहीं जुड़ेगा, न्याय की वास्तविक अवधारणा को नहीं समझ पाएगा। वैश्विक परिदृश्य में देखें तो कानूनी शिक्षा का ढांचा इस बुनियादी प्रश्न पर टिका है कि इसे 'सामान्य स्नातक' माना जाए या 'विशेषज्ञता वाला पेशा'। भारत में 5-वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम सबसे

लोकप्रिय है, जो छात्र को शुरू से ही कानूनी परिवेश में ढाल देता है। इसके उलट, अमेरिका में कानून 'पोस्ट-ग्रैजुएट' शोध विषय है। पश्चिमी देशों में कानून 'अकादमिक अनुसंधान' का विषय है, जबकि भारत में इसे 'व्यावसायिक कौशल' तक सीमित कर देते हैं। विकसित देशों के संस्थान 'विधिक तर्कशीलता' के साथ ही %विषयांतर अनुशासनात्मक% शिक्षा पर बल दे रहे हैं। हमें भी अब कानून को डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के साथ जोड़कर पढ़ाना होगा। अंतरिक्ष कानून, ऊर्जा कानून और खेल कानून जैसे उभरते क्षेत्रों को अपनाना वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने को अनिवार्य है। मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने विधिक शोध और दस्तावेज लेखन बेहद सरल बना दिया। कानून से जुड़े बुनियादी कार्य मशीनों द्वारा किए जाने की प्रबल संभावना है। चुनौती 'मानवीय विवेक बनाम मशीन' की है। अधिवक्ताओं को 'मशीनी निर्भरता' पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। मशीनी एल्गोरिदम जानकारी तो दे सकते हैं, लेकिन उस 'मानवीय अंतर्दृष्टि' और 'व्यावसायिक नैतिकता' का स्थान नहीं ले सकते जो एक जटिल मामले में न्यायपूर्ण निर्णय के लिए जरूरी होती है। इसलिए, पाठ्यक्रम में 'विधिक तकनीक', 'डिजिटल नैतिकता' और 'साइबर सुरक्षा कानून' को अनिवार्य शामिल करना चाहिए। सफल अधिवक्ता वही होगा जो तकनीक को 'गुलाम' की तरह उपयोग करे, न कि उसका गुलाम बन जाए। 'लीगल डिजाइन थिंकिंग' का उपयोग कर कानून की जटिलताओं को सरल बनाकर आम आदमी के लिए सुलभ बना सकते हैं। भारतीय कानूनी जगत की विडंबना है कि न्याय की भाषा आज भी मुख्यतः अंग्रेजी है, जबकि बहुसंख्यक आबादी इस भाषा से अपरिचित है। 'बहुभाषी शिक्षा' और 'कानूनी अनुवाद' को बढ़ावा देना समय की मांग है। वास्तविक विधिक क्रांति तब आएगी जब एक वकील अपनी स्थानीय भाषा में जटिल कानूनों को समझा सके और न्यायालय में पैरवी कर सके। शिक्षा का माध्यम ऐसा हो जो भाषाई बाधाओं को तोड़ कानून की समझ को सर्वव्यापी बनाए। जब तक कानून की पढ़ाई बोझिल और औपनिवेशिक शब्दावली से मुक्त नहीं होगी, तब तक यह समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए 'अनसुलझी पहेली' रहेगी। जैसे मेडिकल छात्र के लिए अस्पताल में बिताया गया समय उसके कैरियर की नींव होता है, वैसे ही लॉ छात्रों के लिए 'लीगल एड क्लीनिक्स' और 'मूट कोर्ट्स' वास्तविक पाठशालाएं हों। छात्रों को वास्तविक मुकदमों, क्लाइंट काउंसलिंग और कानूनी ड्राफ्टिंग का व्यावहारिक अनुभव मिले। पाठ्यक्रम में छात्रों के 'मानसिक स्वास्थ्य' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' पर भी ध्यान दिया जाए। 'एल्गोरिदम की समझ' और 'ऑनलाइन विवाद समाधान' के इस युग में सफलता का मंत्र अब केवल 'किताबी ज्ञान' नहीं, बल्कि 'तकनीकी निपुणता' और 'व्यावहारिक कौशल' का मेल है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम बोनी फोई लॉ कॉलेज (2023) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा मानकों में सुधार न्यायिक ढांचे के लिए अपरिहार्य है। विश्वविद्यालयों को अब 'वकीलों की फौज' पैदा करने वाली फैक्टरी बनने से रुकना होगा। हमें ऐसे 'नीति निर्माता' और 'न्याय के प्रहरी' तैयार करने हैं जो न केवल वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों, बल्कि अपनी मिट्टी और सामाजिक समस्याओं से भी गहरे जुड़े हों।

राम से मर्यादा पुरुषोत्तम 'श्री राम'

हेमेन्द्र क्षीरसागर

श्री राम विष्णु के अवतार हैं, वे आदिपुरुष हैं, जो मानव मात्र की भलाई के लिए मानवीय रूप में इस धरा पर अवतरित हुए। मानव अस्तित्व की कठिनाइयों तथा कष्टों का उन्होंने स्वयं वरण किया ताकि सामाजिक व नैतिक मूल्यों का संरक्षण किया जा सके तथा दुष्टों को दंड दिया जा सके। राम ने विषम परिस्थितियों में भी स्थिति पर नियंत्रण रख सफलता प्राप्त की। उन्होंने हमेशा वेदों और मर्यादा का पालन किया। स्वयं के सुखों से समझौता कर उन्होंने न्याय और सत्य का साथ दिया। राम के गुणों की वजह से उनका जीवन सफल हुआ और वो राम से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम कहलाए। सहनशीलता व धैर्य भगवान श्री राम का प्रमुख गुण है। अयोध्या का राजा होते हुए भी श्री राम ने संन्यासी की तरह ही अपना जीवन व्यापन किया। यह उनकी सहनशीलता को दर्शाता है। भगवान श्री राम काफी दयालु स्वभाव के रहें। उन्होंने दया कर सभी को अपनी छत्रछाया में लिया। उन्होंने सभी को आगे ब? कर नेतृत्व करने का अधिकार दिया। सुग्रीव को राज्य दिलाना उनके दयालु स्वभाव का ही प्रतिक है। हर जाति, हर वर्ग के व्यक्तियों के साथ भगवान राम ने मित्रता की। हर रिश्तें को श्री राम ने दिल से निभाया। केवट हो या सुग्रीव, निषादराज या विभीषण सभी मित्रों के लिए उन्होंने स्वयं कई बार संकट झेले। श्री राम एक कुशल प्रबंधक थे। वो सभी को साथ लेकर चलने वाले थे। भगवान श्री राम के बेहतर नेतृत्व क्षमता की वजह से ही लंका जाने के लिए पत्थरों का सेतु बन पाया। श्री राम ने अपने सभी भाइयों के प्रति सगे भाई से बढ़कर त्याग और समर्पण का भाव रखा और स्नेह दिया। इसी कारण से भगवान श्री राम के वनवास जाते समय लक्ष्मण जी भी उनके साथ वन गए। यही नहीं भरत ने श्री राम की अनुपस्थिति में राजपाट मिलने के बावजूद भगवान राम के मूल्यों को ध्यान में रखकर सिंहासन पर रामजी की चरण पादुका रख जनता की सेवा की। वनवास में सुन्दर स्त्री बाद में शूर्पणखा निकली। सोने का हिरन बाद में मारीच निकला। भिक्षा माँगने वाला साधू बाद में रावण निकला। लंका में तो निशाचार लगातार रूप ही बदलते दिखते थे। हर जगह भ्रम, हर जगह अविश्वास, हर जगह शंका लेकिन बावजूद इसके जब लंका में अशोक वाटिका के नीचे सीता माँ को रामनाम की मुद्रिका मिलती है तो वो उस पर विश्वास कर लेती हैं। वो मानती हैं और स्वीकार करती हैं कि इसे प्रभु श्री राम ने ही भेजा है।

जीवन में कई लोग आपको ठगेंगे, कई आपको निराश करेंगे, कई बार आप भी सम्पूर्ण परिस्थितियों पर संदेह करेंगे लेकिन इस पूरे माहौल में जब आप रुक कर पुनः किसी व्यक्ति, प्रकृति या अपने ऊपर विश्वास करेंगे तो श्री रामायण के पात्र बन जाएंगे। राम और माँ सीता केवल आपको विश्वास करना ही तो सिखाते हैं। माँ कठोर हुई लेकिन माँ से विश्वास नहीं छूटा, परिस्थितियाँ विषम हुई लेकिन उसके बेहतर होने का विश्वास नहीं छूटा, भाई-भाई का युद्ध देखा लेकिन अपने भाइयों से विश्वास नहीं छूटा, लक्ष्मण को मरणासन्न देखा लेकिन जीवन से विश्वास नहीं छूटा, सागर को विस्तृत देखा लेकिन अपने पुरुषार्थ से विश्वास नहीं छूटा, वानर और रीछ की सेना थी लेकिन विजय पर विश्वास नहीं छूटा और प्रेम को परीक्षा और वियोग में देखा लेकिन प्रेम से विश्वास नहीं छूटा। भरत का विश्वास, विभीषण का विश्वास, शबरी का विश्वास, निषादराज का विश्वास, जामवंत का विश्वास, अहिल्या का विश्वास, कोशलपुर का विश्वास और इस विश्वास पर हमारा-आपका अगाध विश्वास। सच बात यही है कि जिस दिन आपने ये विश्वास कर लिया कि ये विश्व आपके पुरुषार्थ से ही खूबसूरत बनेगा। उसी दिन ही आप श्री राम बन जाएंगे और फिर लगभग सारी परिस्थितियाँ हनुमान बनकर आपको आगे बढ़ाने में लग जाएंगी। यहाँ हर किसी की रामायण है, आपकी भी होगी। जिसमें आपके सामने सब है - रावण, शंका, भ्रम, असफलता, दुःख। बस आपको अपनी तरफ विश्वास रखना है.. आपका राम तत्व खुद उभर कर आता जायेगा। सभी को अपने जीवन का संघर्ष स्वयं करना पड़ता है। जय श्री राम !

बानपुर थाने का वार्षिक निरीक्षण व्यवस्थाएं मिलीं संतोषजनक

नवरात्रि को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

समय जगत, ललितपुर। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने बुधवार को थाना बानपुर का वार्षिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में संपन्न हुआ। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम गार्ड द्वारा सलामी दी गई, जिसके उपरांत गार्ड एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के टर्नआउट का निरीक्षण किया गया। एएसपी ने थाना परिसर का भ्रमण करते हुए कार्यालय, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क, ई-मालखाना, बैरक सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाना अभिलेखों की भी गहन समीक्षा की गई। विभिन्न रजिस्टरों के रखरखाव को अद्यावधिक एवं संतोषजनक

पाया गया। साथ ही शस्त्रागार, बंदीगृह और कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण करते हुए शस्त्रों की नियमित सफाई, मालों के विधिक निस्तारण एवं जीडी प्रविष्टियों को समयबद्ध करने के निर्देश दिए गए। साइबर हेल्प डेस्क की समीक्षा करते हुए वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई, बैंक समन्वय, डेबिट फ्रीज और लियन प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। साथ ही एनसीआरपी व सीईआईआर, प्रतिबिम्ब एवं समन्वय पोर्टलों के बेहतर उपयोग के निर्देश दिए गए। एएसपी ने नवरात्रि पर्व के मद्देनजर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, पैदल एवं रात्रि गश्त बढ़ाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग के निर्देश दिए। अपराध नियंत्रण के लिए गुण्डा, गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटर्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर भी बल दिया गया। मिशन शक्ति केंद्र के निरीक्षण के दौरान महिला सुरक्षा, परामर्श एवं शिकायत निस्तारण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। साथ ही एंटी रोमियो टीम की नियमित मॉनिटरिंग और वैज्ञानिक साक्ष्यों के उपयोग पर जोर दिया गया। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि जनसुनवाई को प्रभावी बनाते हुए प्रत्येक फरियादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। बीट आरक्षियों को सक्रिय रखते हुए क्षेत्र में सतत भ्रमण और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। ओवरस्पीडिंग, स्टंटबाजी और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अंत में सभी पुलिसकर्मियों को जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने और उनकी समस्याओं का त्वरित व निष्पक्ष समाधान करने की हिदायत दी गई।

हनी बनीं एक दिन की एसपी

फरियादियों की समस्याएं सुन दिए निर्देश

समय जगत, ललितपुर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) अंतर्गत एक अनूठी पहल देखने को मिली। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में स्थानीय स्कूल की कक्षा-4 की छात्रा हनी त्रिपाठी को एक दिन के लिए पुलिस अधीक्षक बनाया गया। एक दिन की एसपी बनीं हनी त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में हिस्सा लिया और फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान हनी ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि महिला संबंधी एवं अन्य मामलों में तत्काल नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, आवश्यकता पडने् पर मौके पर पहुंचकर समस्याओं का समाधान करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने और अपराध नियंत्रण हेतु सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। इसके अलावा, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यातायात प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एंटी रोमियो टीमों को भी निर्देशित किया गया कि वह स्कूल, कॉलेज, बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित भ्रमण कर मनचलों के खिलाफसख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090, 112, 1076, 1098, 181, 1930, 102 एवं 108 तथा जनसुनवाई पोर्टल, महिला हेल्प डेस्क और महिला आयोग जैसी सेवाओं की जानकारी भी दी गई। इस पहल ने न केवल बालिकाओं को सशक्त बनाने का संदेश दिया, बल्कि समाज में उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई प्रदान की।

इंस्पेक्टर मर्डर मिस्ट्री : जांच या मैनेजमेंट सबूत चीख रहे, पुलिस खामोश !

टकराईं दो कहानी: सुसाइड नोट बनाम फोरेंसिक

समय जगत, उरई/प्रयागराज। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की 5 दिसम्बर 2025 की संदिग्ध मौत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर तथ्य पुलिस जांच पर सीधा प्रहार कर रहा है। एक तरफसुसाइड नोट में शिव भूषण चौबे उर्फ चंचल चौबे पर प्रताड़ना और पैसों के खेल का खुला आरोप, दूसरी तरफ हाईकोर्ट में पेश फोरेंसिक तथ्यकृलेकिन पुलिस की जांच इन दोनों के बीच संतुलन बनाने के बजाय एकतरफा कहानी गढ़ती दिख रही है। हाईकोर्ट में चल रही जमानत सुनवाई के दौरान राज्य पक्ष ने बताया कि घटनास्थल से बरामद पिस्तौल से चली 9 एमएम कारतूस की पुष्टि हुई है। जमानत की अगली सुनवाई 20 अप्रैल 2026 को तय है। साथ ही,मृतक के हाथों में नाइट्राइट नहीं मिला ।सबसे बड़ा झटका उस फोरेंसिक दावे से लगा, जिसमें कहा गया कि मीनाक्षी शर्मा के हाथों में नाइट्राइट पाया गया, जबकि घटना के लगभग 36 घंटे बाद गिरफ्तारी हुई। सवाल सीधा हैकृक्या कोई भी आरोपी इतने समय तक बिना हाथ धोए रहेगा? क्या नहाना, खाना, सामान्य जीवन जीना बंद कर देगा? या फिर सैंपलिंग और जांच की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं? इतना ही नहीं, एफएसएल रिपोर्ट अब तक गायब है। 15 दिसम्बर से नमूने भेजे जा रहे हैं, 25 फरवरी को खुद एसपी ने रिपोर्ट के लिए पत्र लिखाकृफिर भी नतीजा शून्य ! अगर वैज्ञानिक रिपोर्ट ही नहीं आई, तो जांच ÷लगभग पूरी÷ कैसे मान ली गई तीन महीने बीत गए, लेकिन सीन रिक्रिएशन तक नहीं हुआ। क्या इतनी गंभीर घटना में यह देरी महज लापरवाही है या फिर सच्चाई से बचने की रणनीति? उधर, सुसाइड नोटकृजो पूरे केस की दिशा बदल सकता हैकृउस पर चुप्पी है। न हैंडराइटिंग जांच, न चंचल चौबे से कड़ी पूछताछ, न आर्थिक लेनदेन की पड़ताल। सवाल उठता हैकृक्या जांच जानबूझकर एक दिशा में मोड़ी जा रही है? सूत्र बताते हैं कि जहां मीनाक्षी शर्मा की व्यक्तिगत, आर्थिक और संपत्ति से जुड़ी विस्तृत जांच नोएडा, मेरठ, जेवर सहित कई स्थानों पर की गई, वहीं सुसाइड नोट में नामजद व्यक्ति के खिलाफऐसी सक्रियता नहीं दिखी। यह स्थिति जांच की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। वहीं, पंचनामा में भी केवल ÷सिर में गोली लगने से मृत्यु÷ का उल्लेख है, हत्या की स्पष्ट पुष्टि नहीं की गई। ऐसे में सीधे हत्या की थ्योरी पर जोर देना और अन्य एंगल को नजरअंदाज करना जांच की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। और सबसे चौंकाने वाला तथ्यकृअगर मीनाक्षी ही आरोपी थीं, तो घटना के बाद उन्हें मौके से जाने क्यों दिया गया एफआईआर भी अगले दिन दोपहर में दर्ज हुईकृकिसका इंतजार था? वही स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि इस मामले में सभी पहलुओं आर्थिक विवाद, मानसिक दबाव, और संभावित साजिशकृकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

विद्यालय संस्थापक की पुण्यस्मृति में नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

समय जगत, ललितपुर। रामरतन विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल के संस्थापक पं.राम रतन तिवारी दादा की पुण्य स्मृति में एक हॉस्पिटल के तत्वाधान में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो की संख्या में मरीजों ने अपनी आंखों की जांच कर कर लाभ प्राप्त किया। इन मरीजों में लगभग 70 मरीज मोतियाबिंद के पाए गए कुछ मरीज ग्लूकोमा व कुछ मरीज ऐसे भी मिले जिनको पर्दे में दिक्कतें थीं। आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क ऑपरेशन के लिए आश्वस्त किया गया। इनमें से कई मरीज ऐसे भी मिले जिनको नंबर देकर चश्मा लगाने की सलाह दी गई। हॉस्पिटल की अनेकों शाखाएं भारत के उत्तर प्रदेश झांसी सहित अन्य 18 राज्यों में है

जहां से वह अपना उपयुक्त इलाज करा कर लाभ ले सकते हैं। वहां उनका अत्याधुनिक तकनीक से संपूर्ण समाधान किया जाएगा।

इस मौके पर डा.रमेश किलेदार, ओम प्रकाश बिरथरे, हरीबाबू शर्मा, लक्ष्मी मिश्रा, विवेक तिवारी, बीके चौरसिया, तृप्ति शर्मा, पूनम व्यास, रमा सेन, आकांक्षा, क्रांति, अरुणिमा, अफसाना, रचना, महिमा, रेनू, फूलवती, रमेश सेन, ओमप्रकाश किलेदार, प्रेमशंकर गुप्ता, शशिकांत तिवारी, वरुण कुमार निरंजन, भूपेंद्र सिंह यादव, विष्णु यादव आदि लोग मौजूद रहे। अंत में विद्यालय के प्रबंधक गोविंद नारायण व्यास ने सभी का आभार व्यक्त किया।

फूलन देवी की बहन रुक्मिणी निषाद को सपा का बड़ा दांव

महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष बनीं

समय जगत, उरई। पूर्व सांसद फूलन देवी की बड़ी बहन रुक्मिणी देवी निषाद को समाजवादी पार्टी ने समाजवादी महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। रुक्मिणी देवी निषाद जालौन के गांव शेखपुर गुड्डा, पुरवा की रहने वाली हैं। रुक्मिणी बुंदेलखंड में राजनीतिक और सामाजिक तौर पर सक्रिय मानी जाती हैं। रुक्मिणी की शादी औरैया के बूढ़ा दाना गांव में हुई है। पारिवारिक रूप से भी वह मजबूत पृष्ठभूमि रखती हैं, उनके तीन बेटे और दो बेटियां हैं। वर्तमान में वह अपने गांव के साथ-साथ ग्वालियर में भी समय बिताती हैं, जहां उनका बड़ा बेटा मथुरा मध्य प्रदेश के ग्वालियर में पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है। अन्य बेटों का नाम संतोष और छुन्ना है।रुक्मिणी देवी ने राजनीति की शुरुआत से ही समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ाव बनाए रखा है और लगातार संगठन के लिए सक्रिय रहीं। बताया जाता है कि हाल ही में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी गिफ्ट की थी।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह नियुक्ति सिर्फ संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी ने कालपी सीट पर मजबूती से चुनाव लड़ा था और करीब 2300 वोटों के अंतर से दूसरे स्थान पर रही थी, जबकि सपा प्रत्याशी को जीत मिली थी। ऐसे में निषाद समाज का प्रभाव क्षेत्र में अहम माना जाता है।

नवाचार के तहत पारंपरिक खेलों (कबड्डी) की जिला स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

समय जगत, निवाड़ी। विजेता टीम को 21000, उपविजेता टीम को 11000 रुपयेए तृतीय स्थान प्राप्त टीम को ?5100 रुपये तथा चतुर्थ टीम को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1100 रुपये की प्रोत्साहन राशि संबधित टीमों के खातों मे प्रदान की जायेगीराष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान आरजीएसए अंतर्गत पारंपरिक खेलों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन एवं मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आज दिनांक 25 मार्च 2026 को जिला पंचायत निवाड़ी द्वारा जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन शा.उ. माध्य. विद्यालय क्रमांक-02 के खेल मैदान (इंडोर स्टेडियम) जिला निवाड़ी में संपन्न कराया गया।

उक्त प्रतियोगिता में जिले की 04 जनपद पंचायतों की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन नॉकआउट पद्धति के आधार पर किया गया। जिसके अंतर्गत मुकाबले खेले गए। पूरे दिन चले इन रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अनुशासन खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। जिससे उपस्थित दर्शकों को अत्यंत रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक खेल देखने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मुड़ारा और निवाड़ी की टीमों के मध्य खेला गया, जो अत्यंत रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण रहा। दोनों टीमों द्वारा शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी गई। अंततः मुड़ारा की टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि निवाड़ी की टीम उपविजेता रही, तृतीय स्थान पर तरीचरकलां एंव चतुर्थ स्थान पर पृथ्वीपुर की टीम रही।प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष निवाड़ी श्रीमति सरोज प्रेमचंद्र राय जी एंव प्रतियोगिता का समापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निवाड़ी श्रीमति ज्योति ठाकुर जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्यप्रदेश शासन के मार्गदर्शन एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की पहल के अंतर्गत पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हो सके। युवाओं में खेल के प्रति रुचि और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हो।समापन अवसर पर विजेता, उपविजेता, तृतीय एंव चतुर्थ स्थान की टीमों को टॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतियोगिता मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई।जिसके अंतर्गत विजेता टीम को 21000.00 रुपये उपविजेता टीम को 11000.00 रुपयेए तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 5100.00 रुपये तथा चतुर्थ टीम को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1100.00 रुपये की प्रोत्साहन राशि संबधित टीमों के खातों मे प्रदान की जायेगी।

कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत पृथ्वीपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मकुन्दी कुशवाहा एंव जिला पंचायत सदस्य श्री अमित राय, श्री नीरज यादव, श्री आशाराम कुशवाहा पंचायतो के सरपंच एंव जिला पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी खेल विभाग के अधिकारी कर्मचारी खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे तथा सभी ने खिलाड़ियों

जन अभियान परिषद ने दंगयाना मोहल्ला कुआं की साफ सफाई कर जल को पेय युक्त किया

समय जगत, निवाड़ी। कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था विद्यावेशं शिक्षा प्रसार समिति टेहरका विकासखंड निवाड़ी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के तहत आज टेहरका ग्राम के दंगयाना मोहल्ला के कुआं में फैली गंदगी की साफसफाई कराई गई, जिससे मोहल्लेवासी इस कुआं के शुद्ध पानी का प्रयोग कर सके।इस पुनीत कार्य में सहयोग करने वाले समस्त लोगों द्वारा कुआं की साफ सफाई करके कुआं का पूजन किया गया, जिससे मोहल्ले वासियों में खुशी

का माहौल व्याप्त हो गया इस कार्य का उद्देश्य यह था कि यह कुआं कई वर्षो से गंदा पड़ा हुआ था जिसका पानी भी प्रयोग में नहीं लिया जाता था लेकिन आज साफसफाई हो जाने से लोग जरूरत पड़ने पर इस कुआं के पानी का प्रयोग कर सकेंगे।

इस कार्य में संस्था अध्यक्ष नरेश सिंह दांगी, भारत सिंह दांगी, हरिराम खंगार, महेश विश्वकर्मा, रविंद्र पाल, अनु दांगी, छात्र प्राची दांगी, राधिका दांगी आरती दांगी, उदय दांगी, ओम दांगी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

किसी भी क्षेत्र में पेयजल का संकट न हो खराब पड़े हैंडपंपों को तत्काल सुधारने के लिए मैदानी अमले को सक्रिय करें : कलेक्टर श्रीमती भिड़े

समय जगत, निवाड़ी। कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती भिड़े ने सर्वप्रथम आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण में मददगार सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निराकरण केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर श्संतुष्टिपूर्वकश् होना चाहिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों की विभाग एवं अधिकारीवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने विभाग की लंबित शिकायतों को तकनीकी और व्यावहारिक आधार पर तत्काल संतुष्टि पूर्ण निराकृत करें। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि नागरिकों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय, प्रभारी मंत्री, सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों और आवेदनों का जवाब निर्धारित समय-सीमा (ज्स्) के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की देरी होने पर संबंधित विभाग के अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा : कलेक्टर ने संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविरों में आमजन से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नगरीय एवं पंचायतों में छूटे हुए आवेदकों के आवेदन प्राप्त कर तत्काल निराकरण कर पोर्टल पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिले में जल संरचनाओं के निर्माण, मरम्मत, सौंदर्यीकरण एवं पुर्नजीवित करने हेतु विभागीय अधिकारी योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को संपादित करें। उन्होंने कहा कि स्कूलों में लगेगी वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक आगामी मानसून के मद्देनजर जिले के सभी बड़े शासकीय स्कूलों में श्रूफ वाटर हार्वेस्टिंगश् (छत से वर्षा जल संचयन) प्रणाली स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि यह बारिश के पानी को फिल्टर और स्टोर करने की एक किफायती तकनीक है। इससे न केवल स्कूलों का जलस्तर सुधरेगा, बल्कि यह जल संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

पं. गणेश शंकर विद्यार्थी जी का जीवन पत्रकारों के लिए प्रेरणास्रोत : राजीव बबेले सप्पू

प्रेस क्लब कार्यालय में मनाई गई पत्रकारिता पुरोधा पं. गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती, अर्पित किए श्रद्धा सुमन

समय जगत, ललितपुर। पत्रकारिता के महान पुरोधा पं. गणेश शंकर विद्यार्थी जी की जयंती प्रेस क्लब कार्यालय में गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने की। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने पं. गणेश शंकर विद्यार्थी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने कहा कि पं गणेश शंकर विद्यार्थी जी ने सदैव सत्य, न्याय एवं समाज के कमजोर वर्गों की आवाज उठाई। उनका जीवन आज भी पत्रकारों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को अपनाकर ही सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता संभव है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में कार्यक्रम का समापन श्रद्धांजलि एवं आभार व्यक्त करते हुए किया गया। इस दौरान संरक्षक मंडल से संतोष शर्मा, मंजीत सिंह सलूजा, कार्यालय प्रभारी अजीज जैन भारती, रवि जैन चुनगी, उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू, महामंत्री अमित सोनी, अजय जैन बरया, दिनेश संज्ञा, नीरज सुडेले, राजीव कुमार शुक्ला, अनूप सेन, जसपाल सिंह बंटी, शैलेंद्र जैन, संदीप शर्मा, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, मनोज जैन, अभय श्रीमाली, बृजेश पंथ, हरीशंकर अहिरवार, अजय तोमर, अशोक तिवारी, मनोज वैध, जयेश बादल, राहुल चौबे, अनंत सर्राफ शिब्बू राठौर, सुनील सैनी, पूजा कश्यप, मनीष पाठक, सूरज राजपूत, अमित लखेरा, सौरभ गोस्वामी, हितेंद्र कुमार जैन, संजय ताम्रकार, दिव्यांश शर्मा, शिवम् अग्निहोत्री, सुनील जैन, अमित जैन मोनू, अजितेश जैन भारती, संजना सिंह, चंदन सिंह अहिरवार, संजय नायक, अनूप राठौर, विनोद राज सेन, जावेद अली, दीपक पाराशर, अमित संज्ञा, रमेश रायकवार, स्वतंत्र रिछारिया, नितेश जैन बंटी, अमित पाठक, यशपाल सिंह, इमरान खान, राहुल साहू, आशीष तिवारी, निहाल सेन, प्रदीप रिछारिया, कुंदन पाल, संजू श्रोती, अशोक गोस्वामी, प्रशांत तिवारी, रविशंकर सेन, संजय चंदेल, कृष्णकांत सोनी, अनूप ताम्रकार, एड अनूप नांगल, कपिल नायक, अनुराग बिदुआ, विकास सोनी, शैलेष जैन पिंटू, अमित राठौर, भगवान सिंह, सुरेंद्र जायसवाल, सुमित रायकवार, सूरज सिंह राजपूत, विनोद मिश्रा, आकाश ताम्रकार, राजेश कुमार राठौर, सुरेंद्र सपेरा, राममूर्ति तिवारी, महेश वर्मा आदि पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

जन अभियान परिषद ने किया मुख्य बाजार तरीचरकलां में जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

समय जगत, निवाड़ी। कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े के निर्देशन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद निवाड़ी की नवांकुर संस्था सकूली ग्राम सेवा समिति सकूली द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के तहत जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारम्भ मुख्य बाजार तरीचर कलां में किया गया। जिससे राहगीर व जरूरतमंद स्वच्छ एवं शीतल पेयजल से अपनी प्यास बुझा सके। प्याऊ संचालन की जिम्मेदारी नगर प्रस्फुटन समिति तरीचर कलां को

सौंपी गई,इस कार्य का उद्देश्य प्याऊ के माध्यम से आम जन को जल के महत्व और उसके संवर्धन के प्रति संवेदनशील बनना एवं जल गंगा संवर्धन अभियान मे लोगो की सहभागिता कराना है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दिवाकर देवलिया पूर्व अध्यक्ष सहकारी समिति तरीचर कलां, प्रदेश संयोजक पैक्स प्रकोष्ठ सहकार भारती मध्यप्रदेश, नवांकुर संस्था अध्यक्ष मुकेश यादव, ब्लॉक समन्वक राजकुमार पाठक निवाड़ी, सी एम इंटरनलशिप योजना से रवि पटेरिया, तरीचर कला समिति के सदस्य रामकुमार वाल्मीक, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, उमाशंकर खरे, विमल कुशवाहा, सुखराम कुशवाहा, रामलखन तिवारी, मुन्नीलाल साहू, राहुल उदेनिया,रवि तिवारी सहित अनेक नागरिक गण उपस्तिथ रहे।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

जिले की चारों जनपद पंचायतों की 8 टीमों

आगर मालवा। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बी.एस. सोलंकी के मार्गदर्शन में स्थानीय स्टेडियम परिसर आगर में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले की चारों जनपद पंचायतों की 08 टीमों के लगभग 120 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष ओम मालवीय द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विजेता टीमों को विधायक मधु गेहलोत, भेरूसिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य कालूसिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जनपद आगर (हेमराज यादव) की टीम, द्वितीय द्वितीय स्थान जनपद बड़ौद (अमान), तृतीय स्थान सुसनेर जनपद सोयत (चन्द्रभान), चतुर्थ स्थान आगर जनपद (रितेश), पंचम स्थान सुसनेर जनपद (गणपत), षष्ठम स्थाननलखेड़ा जनपद (अंकित) टीम रही। विजेता टीमों में प्रथम पुरस्कार 21 हजार, द्वितीय पुरस्कार 11 हजार, तृतीय पुरस्कार 5100 रुपए प्रदान किये गए। साथ ही चौथा, पांचवां एवं छठा स्थान प्राप्त करने वाली टीमों का सात्वनां पुरस्कार स्वरूप 1100-1100 रुपए की राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी मनरेगा जिला पंचायत डा. मनोज कुमार शर्मा, डीसी-एसबीएम पवन स्वर्णकार, डीपीएम एनआरएलएम संजय सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में निर्णायक के रूप में नरेन्द्रसिंह झाला, जितेन्द्र चंदेल, अजय चौधरी, विनय खजूरिया, श्रीमती सोनू पाटीदार, रेमसिंह चौहान एवं पवन उचाड़िया का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों का आभार आयोजन प्रभारी एवं जिला परियोजना प्रबंधक जिला पंचायत रामबाबू दांगी द्वारा व्यक्त किया गया।

वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मदिरा दुकानों का निष्पादन 27 मार्च को

आगर मालवा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला आगर-मालवा की कम्पोजिट मदिरा दुकानों के निष्पादन की प्रक्रिया आठवें चरण में संपादित की जाएगी। इसके अंतर्गत जिले की 22 कम्पोजिट मदिरा दुकानों में गठित 04 मदिरा समूहों का निष्पादन दिनांक 27 मार्च 2026 को ई-टेण्डर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। यह निष्पादन ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन दोनों प्रक्रियाओं के माध्यम से संपन्न होगा। इच्छुक टेण्डरदाता एमपी टेण्डर्स पोर्टल पर निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकेंगे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का पुरस्कार वितरण समारोह 29 को गायत्री शक्तिपीठ शाजापुर में होगा संपन्न

आगर मालवा। नलखेड़ा अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025-26 के जिला शाजापुर एवं आगर जिले का संयुक्त पुरस्कार वितरण समारोह 29 मार्च 2026 रविवार को प्रातः 10:00 बजे गायत्री शक्तिपीठ शाजांपुर में संपन्न होगा जिसके मुख्य अतिथि आनंद कुमार तिवारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाजापुर, विशेष अतिथि श्रीमती नमिता बोसी सचिव जिला सत्र न्यायाधीश शाजापुर, विशेष अतिथि श्रीमती शिखा शर्मा जिला विधिक सहायता अधिकारी शाजापुर, अध्यक्षता डॉक्टर श्रेया श्रीधर शास्त्री सहायक प्राध्यापक शासकीय संस्कृत महाविद्यालय उज्जैन करेंगे। सभी अतिथियों की गरिमा में उपस्थिति में कार्यक्रम प्रातः 10: 00 बजे प्रारंभ होगा। उसके पश्चात सभी छात्रों एवं उपस्थित महानुभावों का सहभोज होगा। उल्लेखनीय की इस परीक्षा में शाजापुर एवं आगर जिले को मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है जिसमें कक्षा 5 से लेकर कॉलेज स्तर के तहसील एवं जिला में प्रथम स्थान द्वितीय स्थान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले भैया बहनों को मेडल प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। उक्त जानकारी जय नारायण चौधरी प्रभारी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आगर ने देते हुए बताया कि इस परीक्षा में सत्य प्रकाश शर्मा, सत्यनारायण बंसिया, प्रेम नारायण पाटीदार वी विद्यालय के शिक्षकों का सराहनी सहयोग मिला।

जिससे दोनों जिले मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान पर आए। इस कार्यक्रम में जिन शिक्षकों ने परीक्षा संपन्न कराने में सराहनी सहयोग प्रदान किया उनका भी गायत्री शक्ति पीठ परीक्षा प्रकोष्ठ शाजापुर द्वारा अभिनंदन किया जावेगा। समस्त शिक्षक छात्र समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गायत्री शक्तिपीठ शाजापुर द्वारा अपील की गई।

वृहद विधिक जागरुकता शिविर 28 मार्च को

आगर मालवा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 28 मार्च को नवीन सामुदायिक भवन कंपनी गार्डन आगर मालवा में प्रात: 10 :30 बजे से वृहद विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य आमजन में विधिक जागरूकता लाने एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाना है। शिविर में महिला बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, श्रम विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के प्रचार प्रसार एवं आमजन को लाभान्वित करने के उद्देश्य से स्टॉल, बैनर और फ्लेक्स, पेम्पलेट्स भी लगाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

रामनवमी की निकाली गई भव्य शोभायात्रा

बांदा। नरैनी भक्ति मय माहौल मे मनाया गया राम नवमी महोत्सव इस दौरान नरैनी कस्बे में निकली भव्य शोभायात्रा ।यात्रा में क्षेत्रीय विधायक ओम मणि वर्मा हुई शामिल ।यात्रा कस्बे के चारो मार्गो में निकली ।इसके बाद मुख्य चौराहे में विधायक ओम मणि वर्मा ने मुख्य चौराहे में राम जानकी की आरती उतार कर यात्रा का समापन किया। राम नवमी के पावन अवसर पर कस्बे में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भक्ति गीतों और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। युवा वर्ग और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और यात्रा की शोभा बढ़ाई। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी शोभायात्रा को भव्य रूप देने का प्रयास किया गया है। अंत में आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। राम नवमी का पर्व हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया।

विद्यारंभ बाल्यावस्था शिक्षा प्रमाण-पत्रों का किया वितरण

समय जगत, मनावर। धार जिला कार्यक्रम ।अधिकारी सुभाष जैन जी महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी सुश्री पल्लवी परमार जी के मार्गदर्शन आंगनबाड़ी सेक्टर बाकानेर की सेक्टर पर्यवेक्षक परवीन शाह जी द्वारा आंगनबाड़ी के बच्चों विद्यारंभप्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा प्रमाण पत्र वितरण कायक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य कार्यकर्ता फुला डावर, पटवारी श्री सेन जी कार्यकर्ता ममता ठाकूर, संध्या बिल्लौरे, फरजाना सैयद, प्रियंका खोड़े, सोनू सोलंकी, संगीता पागनिस ,कुसुम, पुष्पा बेनल, समोती , अर्चना भंवर, भूरी नंदयाला, द्रोपदी पीपलाद ,अनीता शुक्ला, प्रमिला दशोरा, शहनाज बेगम, से समोती मूवेल आशा कार्यकर्ता वंदना मॉडलोई, सैयद रेहाना अली मौजूद रही। सभी ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुवे विद्यारंभ प्रमाण-पत्र दिए गए।

डीएम ने खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश यादव को किया सम्मानित

महोबा। उत्तर प्रदेश शासन और बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय विद्यालयों में संचालित निपुण भारत मिशन कार्यक्रम अंतर्गत जनपद में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले विकास खंड जैतपुर के खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश यादव को बुधबार को कैम्युनिटी हॉल महोबा में गज़ल भारद्वाज द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस पर जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी द्य यह खबर सुनकर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है। बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान /शैक्षणिक गुणवत्ता, कायाकल्प ओर निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने वाले जैतपुर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश यादव ने कहा इस कार्य में जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित समस्त शिक्षकों एवं बच्चों सभी का विशेष योगदान और सहयोग रहा इसके लिए वह सभी का आभार व्यक्त करते हैं ।

जल संरक्षण जन-जागरुकता के तहत पानी की प्याऊ का शुभारंभ

समय जगत, आगर मालवा। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद् द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के तहत विकासखंड बड़ौद के सेक्टर गंगापुर में जन-जागरूकता एवं जल संरक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। नवरात्रि के आठवें दिन आयोजित कार्यक्रम में नवांकुर संस्था लाला के सेक्टर गंगापुर अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मारूबर्डीया द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पानी की प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जल सेवा के माध्यम से सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

अंबेडकर पाठशाला शिक्षा सेवा फाउंडेशन को श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान पुरस्कार से किया सम्मानित

चरखारी(महोबा) इंपैक्ट इंडिया सममिट 2026 के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान समारोह कार्यक्रम मध्य प्रदेश के इंदौर में 25 मार्च 2026 को आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि पद्मश्री सुशील दोषी सर (प्रख्यात भारतीय क्रिकेट के हिंदी कमेंटेटर) द्वारा अंबेडकर पाठशाला शिक्षा सेवा फाउंडेशन सहित 100 उत्कृष्ट एनजीओ संस्थाएं जो सामाजिक परिवर्तन की दिशा में काम कर रही देशभर की अग्रणी स्वयंसेवी संस्थाओं को सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से चयनित संस्थाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, स्वास्थ्य और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में किए गए। प्रभावशाली कार्यों के लिए राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया गया। इंपैक्ट इंडिया सममिट

कार्यक्रम की फाउंडर कार्यक्रम की संस्थापिका ज्योति कुमारी ने कहा कि ÷श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान पुरस्कार 2026÷ का उद्देश्य देशभर में सामाजिक परिवर्तन के लिए कार्य कर रही संस्थाओं को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करना है। 100 उत्कृष्ट एनजीओ में चयनित अंबेडकर पाठशाला शिक्षा सेवा फाउंडेशन को भी राष्ट्रीय मंच, पहचान मिली जिसमें अंबेडकर पाठशाला शिक्षा सेवा फाउंडेशन के डायरेक्टर इन्द्र कुमार एवं अध्यक्ष अनिल कुशवाहा को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र, पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया द्य

बुंदेलखंड की कश्मीर चरखारी की संस्था जो शिक्षा के क्षेत्र में कोरोना काल से गरीब असहाय, जरूरतमंद बच्चों की आवाज बनी अम्बेडकर पाठशाला शिक्षा सेवा का संकल्प राष्ट्रीय मंच पर गूंजा वही डायरेक्टर इन्द्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि ÷देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखे÷ शिक्षा जीवन के लिए जीवन वतन के लिए इस उद्देश्य के साथ शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा सेवा संस्कार हेतु ग्रामीण आंचल के गरीब बच्चों की शिक्षा के प्रति अंबेडकर पाठशाला शिक्षा सेवा फाउंडेशन निरंतर प्रयासरत है वही अध्यक्ष अनिल कुशवाहा ने अपील करते हुए कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र के सम्मानित समाजसेवी, जनप्रतिनिधियों, युवा बंधुओं से अपील करते हुए कहा कि अम्बेडकर पाठशाला को सहयोग प्रदान करें जिससे शिक्षा के क्षेत्र में बड़े रूप में कार्य किया जा सके द्य

चित्रकूट कुश्ती संघ को मिली आधिकारिक मान्यता, राकेश द्विवेदी संभालेंगे कमान, जिले में खेल के नए युग की शुरुआत

समय जगत चित्रकूट। खेल जगत में जिले के लिए एक गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है। जनपद में लंबे समय से प्रतीक्षित चित्रकूट कुश्ती संघ को अंतत: आधिकारिक मान्यता प्राप्त हो गई है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही खेल गलियारों और स्थानीय पहलवानों के बीच उत्साह का माहौल है। संघ के विधिवत गठन के दौरान सर्वसम्मति से राकेश द्विवेदी को अध्यक्ष चुना गया है। खेल प्रेमियों का मानना है कि उनके अनुभव और ऊर्जा से जिले में कुश्ती को एक नई ऊंचाई और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। प्रतिभाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच पदभार ग्रहण करते ही नवनियुक्त अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा, फहमारा लक्ष्य केवल संघ बनाना नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में दबी प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें तराशना है। जल्द ही ब्लॉक और जिला स्तर पर दंगलों और प्रतियोगिताओं का खाका तैयार किया जाएगा, ताकि हमारे युवा प्रदेश और राष्ट्रीय पटल पर चित्रकूट का नाम रोशन कर सकें।

जन सरोकार से जुड़े मुद्दे को लेकर अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन दसवें दिन हुआ समाप्त

समय जगत चित्रकूट। बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में विगत 16 मार्च से चल रहे अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन के दसवें दिन दिनांक 25/03/2026 को अपर जिलाधिकारी चित्रकूट द्वारा बिंदुवार समस्याओं का अवलोकन किया गया और मूलभूत जनसमस्याओं जैसे पानी बिजली सड़क स्वास्थ्य शिक्षा रोजगार आदि जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु सबके बीच धरना स्थल शहीद स्मारक पार्क एल आई सी तिराहा कर्वी में आकर हम सबकी मांगो को लेकर वार्तालाप किया गया उक्त क्रम में अवगत करवाया गया कि जिला स्तरीय जो मांगे है

उनका निस्तारण एक सप्ताह में पूर्ण करवाया जाएगा व शासन स्तर की मांगों को लेकर पत्राचार आदि के माध्यम से निस्तारण हेतु पूरा प्रशासनिक अमला आपके साथ है जल्द ही अन्य मूलभूत समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा

सभी अनशनकारी साथियों के साथ पाठा क्षेत्र के हजारों लोगों की वेदना और पीड़ा व शासन प्रशासन के उपेक्षापूर्ण रवैया व अनदेखी के शिकार हुए लोगों की आवाज पूरी मजबूती के साथ प्रशासन के समक्ष रखी गई।

जिला प्रशासन द्वारा जनसमस्याओं का निस्तारण जल्द नहीं किया गया तो हम सभी पाठावासी जल्द ही पाठा सत्याग्रह करेंगे।जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन और जिम्मेदार उच्चाधिकारियो की होगी।इस दौरान एड. प्रखर पटेल, समाजसेवी मुकेश कुमार, सागर पटेल, विपिन, चन्द्रशेखर, राहुल, कुलदीप, अरुण, मानवेन्द्र, अजय, संदीप, जयकरण, व सैकड़ों क्षेत्रवासी मौजूद थे।

कार खाई में गिरी, एक की मौत, दो घायल

चरखारी (महोबा)। चरखारी थाना क्षेत्र अन्तर्गगत चरखारी सूपा मार्ग पर एक बेकाबू कार बेकाबू होकर सड़क किनारे गहरी खाई में गिर गयी जिसमें सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वाहन मृतक का पिता चला रहा था जो मामूली चुटहिल है। विवरण में मिली जानकारी के अनुसार कुलपहाड़ निवासी गणेश पुत्र बंशी बीती शाम चरखारी विकास खण्ड के ग्राम बमनेथा में रिश्तेदार के यहां आयोजित चौक कार्यक्रम में शामिल होने आया था तथा रात में

कार्यक्रम के बाद वापसी के दौरान सुबह करीब 9 बजे सूपा रोड पर दादी के खुड़े के पास मोड़ पर चार पहिया वाहन यूपी 90 जे 9490 अचानक सड़क किनारे खाई में जा घुसी जिससे चार पहिया वाहन पेड़ों व झाड़ियों से टकराई तथा वाहन के परखचे उड़ गए। सात सीटर कार में सबसे पीछे की सीट पर बैठा चालक गणेश का 17 वर्षीय पुत्र कुणाल कुशवाहा उम्र 17 वर्ष वाहन पलटने से बुरी तरह से कुचल गया तथा जब तक राहगीर उसे निकालते तब तक उसकी दर्दनाक मौत हो चुकी थी। जबकि वाहन में सवार एक रिश्तेदार राजेश पुत्र छिद्दू गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों द्वारा सूचना दिए जाने पर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला चिकित्सालय महोबा के लिए रिफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रवणी कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे साथ ही अस्पताल पहुंचकर घायलों से सम्पर्क किया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चैत्र रामनवमी गौरव दिवस में आज 22 लाख दीपों से जगमगाएगी प्रभु श्रीराम की तपोस्थली

समय जगत चित्रकूट। चैत्र रामनवमी एवं %चित्रकूट गौरव दिवस% को भव्य एवं स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में दिनांक 13 मार्च को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक पूर्व उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न हुई थी बैठक में जनपद के प्रमुख मठ-मंदिरों, अखाड़ों के महंतों, साधु-संतों, धर्मशाला व आश्रम संचालकों, होटल व लॉज स्वामियों सहित व्यापार मंडल, सामाजिक संगठनों, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और समस्त विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने सभी पक्षों से समन्वय स्थापित कर इस आयोजन को जन-उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान विभिन्न संगठनों एवं समाजसेवियों द्वारा सामूहिक रूप से 11 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे जिलाधिकारी महोदय ने जन-उत्साह को देखते हुए विस्तारित करते हुए 22 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित किया। इस दीपोत्सव में पण्डा, नाविक, टैक्सी समाज, व्यापारिक संगठनों, सभासदों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। महोत्सव की रूपरेखा साझा करते हुए बताया गया कि रामघाट पर सायं काल भव्य दीपदान के साथ-साथ निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे- स्थानीय एवं लोक कलाकारों द्वारा विभिन्न विधाओं का प्रदर्शन। दीवारी नृत्य- बुंदेलखंड की पारंपरिक लोक कला का सजीव चित्रण। प्रमुख स्थलों पर भव्य रंगोली एवं आकर्षक आतिशबाजी। समस्त आयोजन स्थल पर चाक-चौबंद प्रशासनिक एवं सुरक्षा। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कहा कि चित्रकूट गौरव दिवस जन-भावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सरकारी विभाग, सामाजिक संगठन और मीडिया प्रतिनिधि आपसी सहयोग से इस गौरवशाली आयोजन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पर्व के दौरान यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामों हेतु आश्वस्त किया।

आगर विधानसभा उपचुनाव 2014 के लाईट, साउण्ड एवं जनरेटर के बिल भुगतान के लिए जनसुनवाई में दिया आवेदन

आगर मालवा। श्रीबालाजी इलेक्ट्रीकल्स एण्ड लाईट डेकॉरेटर्स आगर छावनी के ऑनर जितेन्द्र शर्मा भंडारी ने मंगलवार को जनसुनवाई में एसडीएम किरण वरवडे को दिए आवेदन में जानकारी देते हुवे बताया कि विधानसभा उपचुनाव आगर 2014 में मेरे द्वारा नये कॉलेज भवन में निर्वाचन मे सामग्री वितरण एवं जमा करने में एवं मतगणना स्थल पर निर्वाचन परिणाम मे लाईट, साडण्ड व जनरेटर का कार्य किया गया था जिसका कुल बिल 114400/-रूपये मेरे द्वारा दिया गया था। जिसका मुझे आज दिनांक तक भुगतान नही किया गया। मेरे द्वारा विभाग को बिल भुगतान हेतु कई बार लिखित एवं मौखिक निवेदन किया जा चुका है। किंतु आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नही हुई है। ज्ञात हो श्रीमान के कार्यालय द्वारा मुझे विधान सभा उपचुनाव की बिल कमांक 30, 31 की राशि 114400 में से 80 प्रतिशत की राशि 88775/- रूपये का स्वीकृति पत्र भी प्रेषित किया गया था किंतु उक्त भुगतान आज दिनांक तक मेरे खाते मे प्राप्त नही हुआ है। प्रार्थी द्वारा इस आवेदन के साथ संलग्न :- 1. बकाया बिलो की प्रति, 2. श्रीमान से कार्यालय से स्वीकृति पत्र दिवाल 30/12/2025 की छाया प्रति भी लगायी है।

हत्या के प्रयास के गंभीर मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए तीन आरोपियों को भेजा गया जेल

समय जगत, पन्ना। पन्ना पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना सुनवानी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खलौन में घटित हत्या के प्रयास के गंभीर मामले का त्वरित एवं सफल खुलासा करते हुए 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। फरियादी भागीरथ पटेल निवासी ग्राम खलौन, थाना सुनवानी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसी दिन प्रातः लगभग 7.30 बजे ग्राम खलौन के प्रीतम पटेल, छन्नु पटेल, हक्कू पटेल एवं मम्मू पटेल ने जमीनी विवाद एवं पुरानी रंजिश के चलते उसके समधी हन्नू पटेल पिता प्यारेलाल पटेल (उम्र 68 वर्ष, निवासी गढ़ीकरहिया) पर हत्या करने की नीयत से कुल्हाड़ी एवं डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों द्वारा सिर पर जोरदार प्रहार किए जाने से हन्नू पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए एवं बीच-बचाव करने पहुंचे फरियादी भागीरथ पटेल को भी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मारने दौड़े। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीणों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सुनवानी में प्रकरण क्रमांक 13/2026 धारा 109 (1), 118 (1), 351 (3), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया, साक्ष्य संकलित किए गए एवं आसपास के ग्रामीणों से गहन पूछताछ की गई। साथ ही क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपियों की तलाश हेतु संभावित स्थानों में लगातार दबिश दी गई। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं स्थानीय सूचना तंत्र का प्रभावी उपयोग करते हुए आरोपियों की विश्वसनीय मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी प्रीतम पटेल, छन्नू पटेल एवं मम्मू पटेल भड़ा हार क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी सुनवानी निरी. हरवचन कुड़ापे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसके पश्चात उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी एवं डंडे जप्त किए गए हैं। प्रकरण में एक अन्य आरोपी हक्कू पटेल घटना दिनांक से फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास जारी हैं।

कोठरा वेयर हाउस से समर्थन मूल्य के गेहूं में की गई गड़बड़ी

23.93 लाख की गफलत की है आशंका

समय जगत, सिवनी मालवा। सरकार के समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी की तैयारी को लेकर सिवनी मालवा एसडीएम विजय राय गत दिवस पंचमुखी वेयर हाउस पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस में भंडारण और दस्तावेज का मिलान किया तो जांच में सत्यापन के दौरान गोदाम में 24310 बोरी अर्थात 12155 क्विंटल गेंहू भंडारित होना पाया। जो कि 1605 बोरी अर्थात 802.50 क्विंटल गेंहू भंडार रजिस्टर से कम पाया गया था। अमानत में खयानत का मामला सामने आने के बाद एसडीएम ने मामले की जानकारी जिला कलेक्टर को दी। सरकार के माल को पार लगाने के मामले को अतिगंभीर मानते हुए जिला कलेक्टर सोनिया मीणा के निर्देश पर जिले से वेयर हाउसिंग क्षेत्रीय प्रबंधक अतुल सोरठे, जिला प्रबंधक वासुदेव दबंडे के 7 सदस्यी दल ने सिवनी मालवा के कोठरा स्थित पंचमुखी वेयर हाउस का निरीक्षण करते हुए गोदाम में रखी बोरियों का मिलान किया। जिसमें पाया कि वर्ष 2025 - 26 में समर्थन मूल्य की खरीदी के बाद 25,915 बोरियां भंडारित की गई थी। जिनमें से 1841 बोरी गेहूं, याने 920 क्विंटल गेहूं गोदाम से गायब (कम) हैं। गायब गेहूं की कीमत लगभग 23.93 लाख की आंकी गई है। मंगलवार और बुधवार को जिले के जांच दल ने कार्रवाई की। सूत्रों से मिली जानकारी में पता चला की जांच के बाद वेयर हाउस संचालक पर सख्त कार्रवाई की गाज गिरेगी। वही पूरे मामले में वेयर हाउस कारपोरेशन जिला प्रबंधक वासुदेव डवड़े ने बताया कि सिवनी मालवा वेयर हाउस कॉरपोरेशन शाखा प्रबंधक शिवराज सिंह राजपूत से गोदाम का चार्ज छीन लिया है। पूरे मामले की जानकारी जिला कलेक्टर को दे दी गई हैं। जल्द ही एफआईआर कराई जावेगी।

व्यवस्था पर उठे सवाल: इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी अनाज गायब होने से पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रमुख रूप से यह जांच का विषय हैं कि वेयर हाउस की चाबी संचालक के पास कैसे रही और क्या बिना विभागीय मिली भगत के इतनी बड़ी मात्रा में अनाज बाहर निकाला जा सकता हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईको क्लब के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

समय जगत, दमोह। स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दमोह में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन(एप्को) तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाने हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके जैन तथा ईको क्लब प्रभारी डॉ. मीरा माधुरी महंत के दिशा निर्देशन एवं मार्गदर्शन में वनस्पति शास्त्र विभाग के नए भवन में संपन्न हुआ। जिसमें सुबह 10.30 बजे छात्र-छात्राओं का पंजीयन किया गया, तत्पश्चात महाविद्यालय के उद्यान विद्यावन में जैविक खाद उत्पादन हेतु लगाई गई दो इकाई पर सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति में जैविक खाद विषय विशेषज्ञ प्रथम तिवारी एवं शिवम् पाठक द्वारा केंचुआ पालन एवं जैविक खाद की उपयोगिता तथा महत्व पर प्रशिक्षण सहित वृहद जानकारी प्रदान की गई। इस एक दिवसीय कार्यशाला में व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल विकास प्रदान किए जाने के उद्देश्य से सर्वश्रेष्ठ एवं मशरूम उत्पादन विषयों पर इस कार्यशाला में डॉ. एनआर सुमन तथा सौरभ विश्वकर्मा द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर उर्वशी वेद द्वारा पक्षियों एवं तितलियों के चित्रण तथा चाक मिट्टी और पेपर की लुगदी के मिश्रण से विभिन्न पशु पक्षियों की मूर्ति बनाकर जैवविविधता का प्रदर्शन किया गया।

विद्योदय परिसर के गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई ग्रेजुएशन सेरेमनी

समय जगत,मनावर। प्रतिष्ठित विद्योदय इंटरनेशनल स्कूल की शाखा विद्योदय किड्स,बाकानेर द्वारा विद्योदय परिसर में नन्हे विद्यार्थियों के लिए भव्य एवं भावनात्मक ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अतिथियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने समारोह को विशेष बना दिया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। नन्हे विद्यार्थियों ने नृत्य, भाषण एवं आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का सुंदर प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। इस अवसर पर विद्योदय शिक्षण समिति के संचालक मंडल के सदस्य — डॉ. नीलेश रावका, विपुल गंगवाल, आशीष गंगवाल, विवेक बड़जात्या, आयुष जैन, श्याम गुप्ता एव नितिन नामदेव की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों द्वारा ग्रेजुएट हो रहे विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन कैप पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस विशेष क्षण ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को भावुक और गौरवान्वित कर दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं श्री गंगवाल एवं श्रीमती बरखा विवेक बड़जात्या ने अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर सीखते रहने, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

निगम एमआईसी की बैठक महापौर श्रीमती सूरी की अध्यक्षता में संपन्न

इस वित्तीय वर्ष का बजट किया गया अनुशंसित स्वीकृति हेतु परिषद को किया गया प्रेषित

समय जगत, कटनी। नगर निगम की मेयर इन कार्उसिल की बैठक गत बुधवार महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट, प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के हितग्राहियों की सूची का अनुमोदन, आईएचएसडीपी योजनान्तर्गत भवनों को आपसी सहमति से बदलने, चैराहों के नामकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की जाकर सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नगर पालिक निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2026 -2027 के लिए तैयार किए गए बजट प्रस्ताव को सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात अब परिषद के समक्ष विचारार्थ एवं स्वीकृति हेतु प्रेषित कर दिया गया है। बजट में नगर विकास, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं। निगम प्रशासन द्वारा तैयार किए गए इस बजट का उद्देश्य शहर के समग्र विकास को गति देना एवं नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। परिषद की बैठक में बजट पर विस्तृत चर्चा के उपरांत अंतिम स्वीकृति प्रदान की जाएगी, जिसके पश्चात विभिन्न विकास कार्यों को क्रियान्वित किया जाएगा। बजट में जन अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकताओं का निर्धारण किया गया है, ताकि शहर के विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहे और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निगम प्रशासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा मे शव वाहन एवं लावारिस शव वाहन की व्यवस्था हेतु विशेष प्रावधान किया गया है। इस निर्णय का उद्देश्य शहर में मानवीय संवेदनाओं के अनुरूप त्वरित एवं सम्मानजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के बीएलसी घटक के 123 हितग्राहियों की सूची के अनुमोदन संबंधी प्रस्ताव पर विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि शासन निर्देशानुसार पोर्टल पर 21 अगस्त 2025 से 11 दिसंबर 2025 तक की स्थिति में प्राप्त 123 आवेदनों की दावा आपत्ति दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त किये जाने पर निर्धारित समयावधि में कोई भी दावा आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। सभी 123 हितग्राही प्रारंभिक रूप से पात्र पाए गए है, इसके अतिरिक्त योजना के तहत ऑनलाइन वेब पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 135 प्रारंभिक रूप से पात्र हितग्राहियों का मेयर इन काउंसिल से स्वीकृति, अनुमोदन उपरांत जिला कलेक्टर से भी कराया जाना है। उक्त प्रस्तावों पर आवश्यक विचारोपरांत सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

सुगम आवागमन के लिए अतिक्रमण टीम के प्रयास जारी

समय जगत, कटनी। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार के निर्देशानुसार नगर निगम की अतिक्रमण विभाग की टीम द्वारा रोजाना नगर के मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाकर नागरिकों को सुगम एवं व्यवस्थित आवागमन उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे है। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि शहर में अतिक्रमण हटाने एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु अतिक्रमण टीम द्वारा मंगलवार को नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों घंटाघर से वीनस होटल, डॉ अमित साहू गली, सरस्वती विद्यालय, आधार काप, संतनगर, शम्भू टॉकीज, शीतला माता मंदिर, बृजवासी होटल, बरही रोड, दिलबहार चौक, सुभाष चौक, मिशन चौक, आजाद चौक, शेर चौक, गहोई धर्मशाला, जैन मंदिर, रूई बाजार, सराफा होते हुए घंटाघर तक अनाउंसमेंट किया जाकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान नियमों का पालन नहीं करने एवं कार्यवाही के दौरान सुगम आवागमन व्यवस्था में सहयोग प्रदान नहीं करने वाले 26 लोगों पर 13 हजार 300 रुपये का स्पॉट फाइन भी किया गया।अतिक्रमण प्रभारी ने बताया कि टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान इंदिरा नगर क्षेत्र में एक कबाड़ व्यवसाई द्वारा सार्वजनिक मार्ग में का कबाड़ सामग्री रखकर आवागमन बाधित करने तथा सफाई व्यवस्था प्रभावित करने पर भी 1 हजार रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया जाकर कबाड़ सामग्री सार्वजनिक मार्ग से अलग कराई जाकर आवागमन सुगम बनाया गया।

केसीसी की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों के साथ कांग्रेस नेता ने किया प्रदर्शन

समय जगत, सिरोंज। जिला सहकारी बैंक के कर्ज अदायगी की तारीख को बढ़ाने की मांग करते हुए किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में किसानों ने सहकारी बैंक के समक्ष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान किसान नेता ने आरोप लगाया कि किसानों की चार महीने की मेहनत की फसल अभी खेतों में खड़ी है और कटाई का काम चल रहा है। जो फसल कट गई है, उसको समर्थन मूल्य पर खरीदने का काम राज्य शासन ने अभी तक प्रारंभ नहीं किया है। किसान अपने साथ गेहूं की बोरी लेकर बैंक के कार्यालय पर पहुंचे थे और किसानों का कहना था कि हमारे पास अनाज के अलावा और कोई आय का साधन नहीं है। जब तक हमारा अनाज समर्थन मूल्य केंद्रों पर नहीं बिकेगा तब तक हमारे पास केसीसी भरने के लिए पैसा नहीं आएगा। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किसानों के हितों पर कुठाराघात करते हुए बैंकों की वसूली की तारीख 26 मार्च की गई है, ऐसे समय में जबकि किसानों का अनाज मंडी में माटी के मोल लिया जा रहा है किसानों को अपना अनाज समर्थन मूल्य पर शासकीय खरीद केंद्रों पर बेचना है परंतु सरकार द्वारा ना तो समर्थन मूल्य केंद्र प्रारंभ किए गए। वहीं दूसरी ओर बैंक की ड्यू डेट भी आगे नहीं बढ़ाई जा रही है जिससे कि पिछले साल की तरह इस प्रदेश के लाखों किसान ओवरड्यू हो जाएंगे और उन पर ब्याज लगेगा। कई किसान बाजार से अपना जेवर रखकर और महंगे ब्याज पर रुपया लाकर बैंकों में भरने के लिए लाइनों में खड़े हैं। परंतु सरकार को किसान की मजबूरी नहीं दिख रही है मौके पर मौजूद सैकड़ो किसानों ने तत्काल केसीसी जमा करने की तारीख 1 महीने आगे बढ़ाने की मांग की मौके पर पहुंचे सिरोंज तहसीलदार संजय चौरसिया को अपनी पीड़ा बताते हुए किसानों ने कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को मिटाने पर तुली हुई है। उन्होंने तहसीलदार से मांग की के तत्काल बैंक भरने की तारीख 1 महीने आगे बढ़ाई जाए और कल से ही समर्थन मूल खरीद केंद्र चालू किए जाए।

माईसेम सीमेंट द्वारा की जा रही है सकारात्मक पहल

दमोह के युवाओं को मिलेगा सोलर तकनीक और सॉफ्ट स्किल का व्यावसायिक प्रशिक्षण

समय जगत, दमोह। माईसेम सीमेंट कंपनी द्वारा क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कंपनी ने पोस्टेरिटी फाउंडेशन के सहयोग से सोलर पीवी इंस्टालेशन टेक्नीशियन और सॉफ्ट स्किल एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट के तीन महीने के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन माईसेम सीमेंट के सक्षमता केंद्र में आयोजित एक समारोह के दौरान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में टेक्निकल क्लस्टर हेड सेंट्रल इंडिया सुरेश चंद्र दुबे उपस्थित रहे। उनके साथ एचआर हेड विकास कुमार एवं कॉर्पोरेट सीएसआर हेड अजय कुमार ने भी शिरकत की और युवाओं का मार्गदर्शन किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य और चयन प्रक्रिया: सीएसआर परियोजना के तहत आयोजित इस कोर्स के लिए चम्पट पिपरिया, नरसिंहगढ़, मढ़िया गणेश, मुर्रा, झिरा और कल्याणपुर सहित आसपास के कई गांवों में डोर टू डोर मोबिलाइजेशन और काउंसलिंग की गई थी। इस प्रक्रिया के बाद चयनित 80 उम्मीदवारों के दो बैच बनाकर उन्हें पंजीकृत किया गया है। अगले तीन महीनों तक इन युवाओं को ग्रीन एनर्जी से जुड़े सोलर सूर्य मित्र जैसे आधुनिक कोर्स का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे और उन्हें रोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ने में सहायता प्रदान की जाएगी।

भविष्य की योजनाएं: पोस्टेरिटी फाउंडेशन जो वर्तमान में देश के 11 राज्यों में कौशल विकास का कार्य कर रही है। भविष्य में भी माईसेम सीमेंट के सहयोग से स्थानीय युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए विभिन्न रोजगारोन्मुखी कोर्स संचालित करती रहेगी।

दक्षिण पन्ना वनमंडल में सातवां नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न

पिछले 6 महीनों में 7 शिविरों से लगभग आठ सौ वनकर्मी, समिति सदस्य एवं ग्रामीण हुए लाभान्वित

समय जगत, पन्ना। पन्ना जेके सीमेंट के पर्यावरण विभाग द्वारा दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा परिक्षेत्र में सातवां निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शिविर में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, उनके परिजन, वन समिति सदस्य, स्थानीय ग्रामीण तथा मीडियाकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह स्वास्थ्य शिविर यूनिट हेड कपिल अग्रवाल एवं एचआर हेड अवनीश गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिसमें डॉ. रामजी तिवारी तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सना अंसारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। चिकित्सकीय एवं तकनीकी सहयोग हेतु गिरधारी गोदारा, रामकुमार, पंकज तिवारी, निवेदिता श्रीवास, दीपेंद्र तिवारी एवं मोनू बाल्मीकि पूरे समय उपस्थित रहे। शिविर में जांच के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 137 ओपीडी मरीजों की जांच की गई, जिनमें 15 लोगों के रक्त परीक्षण तथा 2 लोगों के ईसीजी परीक्षण भी किए गए। सभी लाभार्थियों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गईं। इस पहल से वनकर्मियों के परिवारों, वन समिति सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। जेके सीमेंट की ओर से डॉ. अरित्रा बनर्जी (सीएमओ) एवं डॉ. सौरभ यादव (हेड एनवायरनमेंट) अपनी सहायक टीम सुदामा गुप्ता के साथ उपस्थित रहे।

कृष्णायन से कृष्णमय हुई महामाई, जमकर झूमे भक्त, दर्शन के लिए लगीं कतारें

समय जगत, सिरोंज। नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर महामाई मंदिर में प्रतिदिन सांस्कृतिक विभाग के सहयोग से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गत रात्रि को मोहित शेवानी एवं उनकी टीम द्वारा कृष्णायन कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और श्रद्धा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण के जन्म प्रसंग से हुई, जिसमें उनकी बाल लीलाओं का अत्यंत मधुर भजनों के माध्यम से सजीव चित्रण किया गया। इसके पश्चात श्री कृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों, उनके कर्मों एवं जनमानस को दी गई शिक्षाओं को संगीतमय शैली में प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ महामाई माता एवं स्व. पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके उपरांत महामाई सेवा समिति द्वारा मोहित शेवानी एवं उनकी टीम का पुष्पहारों से स्वागत एवं सम्मान किया गया, वही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 बर्ष पूर्ण होने पर संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में नगर सिरोंज की घोष इकाई द्वारा महामाई माता के जागृत दरबार में घोष वादन कर राष्ट्र को अखंड एवं परम वैभव पर ले जाने महामाई मैया से प्रार्थना की एवं बुधवार को देर शाम राष्ट्र सर्वोपरि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर मोहित शिवानी के द्वारा प्रस्तुति दी गई जो की देर रात तक चली भजन पर झूमे विधायक उमाकांत शर्मा- कार्यक्रम के दौरान गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो भजन ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया। इस भजन की धुन पर विधायक उमाकांत शर्मा भी मंत्रमुग्ध दिखाई दिये।

प्रकृति, संस्कृति को जीवन समर्पित

ऊपर जिसका अंत नहीं उसे आसमां कहते हैं। इस जहां में जिसका अंत नहीं उसे माँ कहते हैं

माँ

निगाहें तुमको ढूंढ़ेंगी, न जाने तुम कहां होंगे

प्रकृति के कण-कण में, सृष्टि के क्षण-क्षण में, भू-अवतरण, चैत्र रामनवमीं, कर्मनिष्ठ, धर्मनिष्ठ, सहज, सरल सौम्य, संवेदनशील
पूज्यनीया स्व. श्रीमती गीतादेवीजी त्रिपाठी
धर्मपत्नी तपोनिष्ठ, कर्मयोगी पंडित
स्व. श्री बाबूलाल जी त्रिपाठी

ऊपर जिसका अंत नहीं, उसे आसमां कहते हैं, जहां में जिसका अंत नहीं, उसे 'माँ' कहते हैं। मेरे हंसने से हंसती है, मेरे रोने से रोती है, मेरी खुशहाली के सपने जो हर एक सांस में संजोती है, उठाती है हजारों गम, है फिर भी छांव जैसी नम, जो मेरे दर्द को समझे, बस वह एक 'माँ' और उसकी ममता ही होती है।

जिसे कोई उपमा न दी जा सके-उसका नाम है 'माँ', जिसकी कोई सीमा नहीं उसका नाम है "माँ", जिसके प्रेम को कभी पतझड़ स्पर्श न कर सके-उसका नाम है 'माँ', ऐसी तीन माताएं हैं...परमात्मा...महात्मा...और 'माँ'... और उसमें भी सबसे बड़ी 'माँ' की ममता।

प्रभु को पाने की पहली सीढ़ी 'माँ' है, जो तलहटी की अवगणना करे वह शिखर को प्राप्त करे यह शक नहीं, ऐसी 'माँ' की अवगणना करके हजारों मालाएं गिनकर हम प्रभु को प्राप्त करें यह बात बहुत दूर है।

- "माँ"! पहले आंसू आते थे और तू याद आती थी, आज तू याद आती है और आंसू आते हैं।
- "माँ"! कैसी हो... इतना ही पूछ, उसे मिल गया सबकुछ।
- "माँ"! तूने तीर्थंकरों को जना है, संसार तेरे दम से बना है, तू मेरी पूजा है, मन्नत है मेरी, तेरे कदमों में जन्नत है मेरी।
- बचपन के आठ साल उंगली पकड़ाकर 'माँ'-बाप स्कूल ले जाते थे, उन 'माँ'-बाप को बुढ़ापे में सहारा बनकर मंदिर ले जाना...शायद थोड़ा सा कर्ज, थोड़ा सा फर्ज पूरा होगा।
- 'माँ' पूर्ण शब्द है, ग्रंथ है, महाविद्यालय है, मंत्र बीज है, हर सृजनता का आधार है-'माँ'। मंत्र-तंत्र व यंत्र की सफलता की नींव है 'माँ'।
- प्रेम को साकार होने का मन हुआ और 'माँ' का सृजन हुआ। प्रभु की कृति का दर्शन हुआ।
- हमने जब धरती पर पहली श्वांस लिया, तब माता-पिता हमारे पास थे। माता-पिता जब अंतिम सांस लें तब उनके पास रहना चाहिये। घर में 'माँ' को रुलाएं और मंदिर में 'माँ' को चुनरी ओढ़ाएं...ऐसे में मंदिर की 'माँ' खुश तो नहीं शायद दुखी जरूर होगी।
- 'माँ' घर-घर की शोभा, घर-घर का गहना, परिवार में बहता रहे स्नेह का झरना।
- संसार की दो बड़ी करुणताः 'माँ' बिना घर और घर बिना 'माँ'।
- माता को जो प्यार करे, वो लोग निराले होते हैं, जिन्हें 'माँ' का आशीर्वाद मिले वो किस्मत वाले होते हैं, चाहे लाख करें पूजा और तीर्थ करें हजार, फिर भी 'माँ'-बाप को ठुकराया तो सबकुछ है बेकार।
- माता हमे सुलाने को खुद कभी न सोयी थी, जब हम बीमार हुए तो आंखें 'माँ' की रोयी थी, खुद न खाया 'माँ' ने हमको खिलाया। सारी-सारी रात पालने में झुलाया। जब हम रोये तो गले से लगाया, उंगली पकड़कर चलना भी सिखाया। 'माँ' की उस मेहनत को हम कैसे भुलाएंगे, 'माँ' के उन उपकारों का कैसे कर्ज चुकाएंगे।
- चार वर्ष का लाडला यदि प्रेम की प्यास रखे तो 90 वर्ष के माता-पिता तुम्हारे प्रेम की आस क्यों न रखें?
- 'माँ'-बाप को वृद्धाश्रम में रखने वाले लोग तनिक इतना सोचें कि 'माँ'-बाप ने जो उन्हें अनाथ आश्रम में नहीं रखा तो वह उन्हें उस भूल की सजा तो नहीं दे रहे ना? मां- बाप की सेवा सुश्रुषा में ही प्रभु के दर्शन करें।
- 'माँ'-बाप को सोने से न मढ़ें तो चलेगा, हीरे से न गढ़ें तो चलेगा पर उनका हृदय जले और अंतर्मन आंसू बहाए, यह कैसे चलेगा?

श्रद्धावनत
बैकुंठवासी रामदुलारी, शशिप्रभा, रेखा देवी एवं वर्तमान जागृत रामरति, प्रद्युम्न, वीरेंद्र, अशोक, ममता व प्रारंभ से वर्तमान तक का पूरा वंश और वंश के अंश तथा समस्त त्रिपाठी परिवार कुटुम्ब एवं समस्त शुभेच्छु आत्मीय बंधु।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, प्रधान संपादकः अशोक त्रिपाठी * संपादक अनिल श्रीवास्तव * समाचार संपादक सौरभ वार्ष्णेय
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, भोपाल कार्यालय - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। फोन : 0755-4273868, 4203479 फैक्स : 4094417 ई-मेल dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)

गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्य का लगाया आरोप

सिंगौधा के पोषक ग्राम देहरा में बन रही सड़क को लेकर ग्रामीणों ने की शिकायत

मण्डला। ग्राम पंचायत सिगौधा के पोषक ग्राम देहरा में प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के अंतर्गत सडक़ निर्माण कार्य प्रारंभ है। इस सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने शिकायत की है कि डेढ़ किलो मीटर की सडक़ का निर्माण किया जाना है। जिसमें ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता से कार्य नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ निर्माण में ठेकेदार द्वारा व्यवस्थित अनुपात के हिसाब से मसाला नहीं बनाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केंद्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना है। ग्रामीणों के आवागमन को सुलभ और ग्रामीणों को शहर से जोड़ने के लिए भारत सरकार द्वारा सबसे महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना है। इस योजना में तकनीकी अधिकारी कर्मचारी बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग में सड़क के विस्तार के नाम पर बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम देने का कार्य

चल रहा है। रिन्यूएवल और चौड़ीकरण के नाम पर सड़कों को दोबारा बनाने और उस पर मनमानी कर गुणवत्ता विहीन कार्य कराने की शिकायत आए दिन सामने आ रही हैं।

गुणवत्ताविहीन कार्य का मुख्य कारण कमीशनखोरी: प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ के मरम्मती कार्य एवं नवीनीकरण और जन मन के तहत बन रही नवीन सड़कों को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। वर्तमान में निवास, बीजाडांडी और नारायणगंज में चल रहे सडक़ों के निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार गुणवत्ता से काम इसलिए नहीं कर पा रहा है क्योंकि विभाग में पदस्थ कारिंदों को भारी कमीशन देना पड़ रहा है। ठेकेदार ने ग्रामीणों को कमीशनखोरी की बात कहकर जिम्मेदारियों से बचना चाह रहे हैं जबकि स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी अधिकारी जब मौके पर मौजूद रहते हैं तो निर्माण कार्य बेहतर तरीके से करने की नौटंकी चलती है। जैसे ही अधिकारियों की रवानगी हुई और ठेकेदार मनमाने ढंग से काम करने पर आमादा होते हैं। ग्रामीणों ने सडक़ निर्माण को लेकर उच्च अधिकारियों पर भी साठ-गांठ का आरोप लगाया है।

जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के तहत चल रहे गुणवत्ताविहीन कार्य को पेटी कांट्रेक्टर अंजाम दे रहे हैं। विभाग के अधिकारी कर्मचारी प्रत्येक साईट पर नहीं पहुंच पा रहे हैं इसलिए पेटी कांट्रेक्टर सडक़ निर्माण में भ्रष्टाचार कर रहे हैं। इस संबंध में विभाग को शिकायत प्राप्त हो रही है, लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है।

व्याख्यान माला तथा काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

सारंगपुर । नव संवत्सर व चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद तहसील इकाई द्वारा व्याख्यान एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें कायक्रम की अध्यक्षता खंड संघ चालक राधे श्याम शर्मा ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रमाशंकर कपूर विशेष तथा अतिथि सेवा निवृत सैनिक बनेसिंह चौहान द्वारा मां सरस्वती और भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मां सरस्वती की शाब्दिक वंदना राग यमन में सुशील व्यास सारंग द्वारा प्रस्तुत की गई । मंच पर विराजमान अतिथियों का स्वागत साहित्य परिषद के नगर उपाध्यक्ष स्वदीप सोलंकी द्वारा मंगल तिलक लगाकर किया गया। इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम शंकर पांडे ने अपने व्याख्यान में वर्ष प्रतिपदा और नवरात्रि का पौराणिक महत्व के साथ-साथ वैज्ञानिक के पक्ष को भी सबके मध्य रखा। इसी क्रम में लक्ष्मी नारायण त्रिकार द्वारा अपना आलेख नव संवत्सर का प्रस्तुतिकरण बहुत सुंदर ढंग से किया गया। द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें नगर के वरिष्ठ गीतकार कवि मुरलीधर सोनी पथिक के द्वारा सुंदर नव संवत्सर के गीत एवं मां दुर्गा शक्ति के गीतों को का मधुर गायन किया गया । स्वदीप सोलंकी द्वारा 'याद तुम्हारी आती है पल-पल मुझे सताती है'सुंदर गजल प्रस्तुत की गई । राधेश्याम शर्मा शौर्य भाव द्वारा काव्य पाठ किया गया। रमेश चंद वर्मा ने भी मां की कृति को लेकर सुंदर रचना रचना पाठ किया। इस अवसर पर रमा शंकर कपूर इंदौर में अपने अपने मुक्तकों के माध्यम से शायरी के माध्यम से कार्यक्रम को ऊंचाइयां प्रदान की । कार्यक्रम के विशेष अतिथि बने सिंह चौहान ने भारतीय संस्कृति और वसुधैव कुटुंबकम और वंदे मातरम पर अपना विचार व्यक्त किया। नगर के वरिष्ठ व्यंग कार हास्य कवि जय हिंद दुबे ने अपने हास्य के माध्यम से लोटपोट किया इस अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष सुशील व्यास द्वारा भारत माता की आरती का सुन्दर सस्वर गायन किया गया। इस अवसर पर शांतिलाल जैन मामा द्वारा अपना काव्य के प्रति अनुराग को लेकर भाव प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने रामनवमी शोभायात्रा में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने का किया आव्हान

समय जगत, हरदा। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के नेतृत्व में घंटाघर चौक पर सभी समाज के वरिष्ठ एवं पदाधिकारी, मातृशक्ति शामिल हुए, जिसमें सकल हिन्दू समाज से आज शुक्रवार 27 मार्च रामनवमी के पावन अवसर पर शोभायात्रा में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने का आव्हान किया गया। ग्राहक पंचायत हरदा के जौहरी कमल सोनी, समाज के अध्यक्षों, वरिष्ठ सदस्यों में रामकृष्ण गुर्जर, डॉ साहब रेलवा, अशोक पाराशर, नर्मदा प्रसाद गौर, सत्यनारायण दोगने, मदनलाल सोनी, बहन सुरेंद्र कौर, विनोद चौहान, अर्जुन भाटिया, दीपक तंवर, प्रवीण चंद्रवंशी, रामशंकर बुनकर, नारायण नामदेव, गोपाल शुक्ला, ओमप्रकाश गौर, दिनेश शर्मा, निशांत राजपूत, रितेश भावसार, सुरेश बघेल, जेके पवार, नानक मुकाती, मोहन लाल सोनी, गोविंद तंवर, दयाराम विश्वकर्मा, कैलाश भाटी, राम गोविंद मोरछले, अशोक मांझी, सुरेश बघेल, जगदीश पाटिल सहित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सदस्य उपस्थित थे।

अपने व्यापार को दें डिजिटल पंख, कैट का ऑनलाइन व्यापार सेमीनार आज : सरगम जैन

समय जगत, हरदा। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश द्वारा वाट्सअप से व्यापार डिजिटल ऑनलाइन सेमीनार आज सायं चार बजे आयोजित किया जाएगा। कैट के जिलाध्यक्ष सरगम जैन ने बताया कि इस सेमीनार में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। साथ ही नई दिल्ली से कैट की ऑपरेशन हैड इस्मिता ओझा डिजिटल व्यापार में हम सब को कैसे आगे बढना है इस पर अपनी बात रखेगी। कैट ने वाट्सअप (मेटा) के सहयोग से यह विशेष सत्र को आयोजित किया है जिसके अन्तर्गत आप अपने विजनिस को किस प्रकार तेजी से बढा सकते हैं, यह सिखाया जायेगा। हम वाट्सअप के माध्यम से किस प्रकार ग्राहकों तक अपनी पहुच बढाये, कैसे आर्डर कस्टूमर मैनेजमेंट को आसान बनाये, अपने व्यापार को डिजिटल प्लेटफार्म पर किस तरह से आगे ले जायें, इस प्रकार की अनेक गतिविधियों को समझाया जायेगा। कैट के पदाधिकारियों ने कहा कि सभी व्यापारी इस ऑनलाइन सेमीनार का फायदा उठाये और अपने व्यापार को नई ऊचाईयों तक ले जाए। इससे जुडने के लिये मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में कैट पदाधिकारियों से संपर्क करें और सभी व्यापारी नि:शुल्क ऑनलाइन सेमीनार में सहभागिता दिखायें।

चैत्र नवरात्रि सप्तमी पर पद्मवती मंदिर से राजापुरा तक आयोजित हुई चुनरी यात्रा

जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों की रही सक्रिय भागीदारी

समय जगत, रतलाम। चैत्र नवरात्रि की सप्तमी पर शहर में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। गढ़खंखाई माता चुनरी यात्रा आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित भव्य चुनरी यात्रा का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राजमहल स्थित श्री पद्मावती मंदिर में माता पद्मावती एवं चामुंडा माता के पूजन और महाआरती से हुई। इस दौरान चुनरी यात्रा आयोजन समिति के संयोजक जनक नागल श्रीमती सुमन नागल , अध्यक्ष धर्मेन्द्र रांका पार्षद, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा , प्रवीण सोनी, मुन्ना लाल शर्मा, नरेंद्र सिंह चौहान, मदन सोनी अजय यार्दे, संजय पेमाल, जनप्रतिनिधियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात मंच पर उपस्थित अतिथियों हिन्दू रत्न श्रद्धेय श्री आनंद गिरी, महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, महामंडलेश्वर अखंड ज्ञान

आश्रम के श्री देव स्वरूपानंद जी महाराज, एवं महर्षि संजय दवे , मदन सोनी जी का आयोजन समिति द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूजन एवं अतिथि स्वागत के उपरांत सायंकाल महल वाला गेट से भव्य एवं विराट चुनरी यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में महापौर प्रहलाद पटेल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय द्वारा महिलाओं को चुनरी यात्रा को रवाना किया गया। यात्रा में यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों—पैलेस रोड, डालूमोदी बाजार, माणक चौक, घांस बाजार, चौमुखी पुल, चांदनी चौक, लक्कड़पीठा, सुतारो का वास बाजना बस स्टैंड, सागोद रोड एवं शिवगढ़ से होकर निकली। पूरे मार्ग में डीजे एवं ढोल की थाप पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए जयकारे लगाते चले। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। लक्कड़पीठा में भाजपा पार्षद धर्मेंद्र रांका के यहां तथा बोहरा समाज द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मार्ग में वैभव जाट पहलवान, सीमा टॉक, मुकेश त्रिवेदी, राहुल शर्मा, मदन सोनी, नंदकिशोर पवार, करण वशिष्ठ, प्रवीण सोनी, प्रीतेश गादिया एवं एमआईसी सदस्य धर्मेंद्र व्यास सहित अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं का स्वागत कर प्रसादी वितरित की गई। इसके अतिरिक्त नगर निगम एमआईसी सदस्य एवं भाजपा पार्षद दिलीप गांधी, राजू सोनी, परमानंद योगी, योगेश पापटवाल, अक्षय संघवी, रणजीत टॉक, धर्मेंद्र व्यास, रामू डाबी, अक्षय संघवी, विप्लव जैन, निलेश गांधी, राजू पोरवाल, मनोहर पोरवाल, आशीष पाटीदार, अजय यार्दे, अशोक यादव, वैभव जाट, राखी व्यास, सपना दुबे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन समिति के संयोजक जनक नागल, अध्यक्ष धर्मेंद्र रांका (पार्षद), उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौहान, मंगल सिंह पंवार, ओमप्रकाश धीमान, ऋषि पाटीदार, गब्बर यादव, संजय पंवार, लखन सिंह शेखावत, नीरज चावला, मंगल सोनार्थी, अनिल पांचाल, अर्जुन प्रजापत, सोनू प्रजापत, राहुल शर्मा (एडवोकेट), हेमंत ठाकुर, दिनेश मालवीय, खुशाल बैरागी, चंदन सिंह शेखावत, कृणाल सिंह गोयल, भरत सेन, वासुदेव बैरागी आदि की विशेष सहभागिता रही।

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले में दिखा भक्तिपूर्ण उत्साह खाटू श्याम कीर्तन में उमड़ा आस्था का सागर

समय जगत, बुरहानपुर। ग्राम धामनगांव में आयोजित मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले के अंतर्गत भव्य खाटू श्याम जी कीर्तन संध्या ने पूरे क्षेत्र को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। संध्या होते ही कीर्तन स्थल पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और जय श्री श्याम के गगनभेदी जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात भजनों की मधुर श्रृंखला आरंभ हुई। सुप्रसिद्ध गायिका अर्पिता पंडित एवं भजन गायक सतीष बॉथम ने अपने सुमधुर कंठ से ऐसे भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी कि हर श्रोता भावविभोर हो उठा। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा, मेरे सिर पर रख दो बाबा अपने ये दोनों हाथ जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में डुबो दिया। इसी क्रम में स्थानीय गायक नितिन मेढे ने भी अपने भावपूर्ण स्वर में 'तीन बाण के धारी, तीनों बाण चलाओ ना मुश्किल में है दास तेरा, अब जल्दी आओ ना' भजन प्रस्तुत किया, जिसने पूरे पंडाल को भक्ति भाव से झंकृत कर दिया। इस भजन पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे और बाबा श्याम के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त करते नजर आए।

कीर्तन के चरम पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। चारों ओर बिखरते पुष्पों ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया और ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं देव लोक से इस भक्ति आयोजन पर पुष्प अर्पित किए जा रहे हों।

शक्ति जागरण का पर्व है नवरात्रि

समय जगत, सारंगपुर । दशहरे का पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और दीर्घ परंपरा का प्रतीक है। आसुरी शक्ति पर देवी शक्ति की जीत यह आज और प्रासंगिक बन गई हैं। बुरी प्रवृत्ति वाले अच्छी प्रवृत्ति वालों पर हावी है। छल, कपट, ईर्ष्या, चोरी डकैती, अपहरण, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे कई अपराध हो रहे हैं। कहना चाहूंगा देवी शक्तियां हे तो, पर वे सुषुप्त अवस्था में है, इन्हीं शक्ति के जागृत करने का पर्व है नवरात्र । क्योंकि आसुरी शक्तियों से निपटने के लिए दैवीय शक्ति की आवश्यकता होती है तभी तो हमारे धर्म शास्त्रों में शक्ति उपासना के नवरात्रि पर्व पर दैवीय शक्ति अर्जित करने का विधान है इसके उपरांत ही हम बुराइयों का खात्मा कर सकते हैं। हम अपने अंदर व्याप्त दोष, दुर्गुण, दुराचार का भी नाश करें। विजयादशमी, विजय का प्रतीक पर्व है सही मायने में यह विजय पर्व मनाने का अधिकार विजेता को ही जाता है। हम जीवन में प्रतिवर्ष अपनी एक 2 बुराई पर विजय प्राप्त करें तो कुछ ही वर्षों में अच्छे इंसान बन सकते हैं। ईश्वर अजन्मा , अमर अनंत है वही एक और अनेक है यह सृष्टि ईश्वर का खेल है वह बार-बार बनाते, मिटाते हैं। यही क्रम आज तक चल रहा है जब- जब धरती पर अन्याय अत्याचार बढ़ते हैं तब भगवान मनुष्य रूप में अवतरित होकर पृथ्वी का भार हरण करते हैं श्री रामअवतार का कारण भी यही है। भारतीय चिंतन में राम का चरित्र और उनकी कथा अनंत है , राम सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में वे आदर्श रूप में याद किए जाते है। श्री राम का जीवन प्रेरणा है, जीवंत आचरण संहिता है । प्रतीत हो रहा है आसुरी रावण रूप इन शक्तियों के खत्मा करने हेतु फिर एक राम के अवतरण की आवश्यकता महसूस हो रही है। काश, फिर राम आयें। श्री राम की संगठन क्षमता अद्वितीय और अनुकरणीय है।

भूपेंद्र सिंह ठाकुर बने जिला सेवादल के मुख्य संगठक कार्यकर्ताओं में उत्साह

समय जगत, पचौर। नगर के सक्रिय कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह ठाकुर को राजगढ़ जिला सेवादल का मुख्य संगठक मनोनीत किया गया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियवृत सिंह खींची ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। भूपेंद्र सिंह ठाकुर वर्तमान में पचौर सेवादल के मुख्य संगठक के रूप में कार्य कर रहे थे। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, अनुशासन और समर्पण को देखते हुए उन्हें जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष खींची ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में सेवादल संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की गतिविधियों को गांव-गांव तक विस्तार मिलेगा। उन्होंने कहा है कि सेवादल कांग्रेस की रीढ़ है और इसे सक्रिय रखना संगठन की प्राथमिकता है। नियुक्ति के बाद भूपेंद्र सिंह ठाकुर ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा।

नक्खी माई दरबार में उमड़ा आस्था का सागर 748 कलशों से जगमगाया दिव्य धाम

समय जगत, मंडला। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर जिले के ग्राम बकौरी स्थित प्राचीन नक्खी माई दरबार इन दिनों श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। पहाड़ी पर विराजमान माता के इस दिव्य धाम में 748 ज्योति कलशों और हरे-भरे जवारे की मनोहारी सजावट से पूरा परिसर अलौकिक प्रकाश से जगमगा उठा है। दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर 17वीं शताब्दी से आस्था का केंद्र माना जाता है। यहां माता नक्खी माई पाषाण प्रतिमा के रूप में विराजमान हैं। स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार माता अत्यंत चमत्कारी और कृपालु हैं, जो अपने भक्तों की हर इच्छा पूर्ण करती हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर में सुबह से देर रात तक पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और जयकारों की गूंज बनी रहती है। इस वर्ष 748 ज्योति कलशों की स्थापना ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया है। मंदिर परिसर में सजे जवारे और दीपों की रोशनी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देती है। मंदिर परिसर में स्थित शनि नौ ग्रह मंदिर भी आकर्षण का केंद्र है, जहां

श्रद्धालु पूजा कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि माता की कृपा से गांव में सदैव सुख-शांति बनी रहती है। आज 27 मार्च को रामनवमी के अवसर पर भव्य जवारा विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। स्थानीय समिति द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अर्चना चिटनिस ने किया पौधारोपण

समय जगत, बुरहानपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के पावन अवसर पर जिले के ग्राम ईच्छापुर स्थित वन परिक्षेत्र में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। इस दौरान औषधीय, फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया, जिससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में सार्थक पहल की गई। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस (दीदी) ने स्वयं पौधारोपण कर कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन

का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें केवल वृक्षारोपण ही नहीं करना है, बल्कि अपनी मिट्टी को भी संभालना है, क्योंकि स्वस्थ मिट्टी ही हरियाली और जीवन का आधार होती है। यदि हम मिट्टी, जल और वन संपदा का संरक्षण करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत किया गया यह वृक्षारोपण केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के प्रति हमारी श्रद्धा, जिम्मेदारी और समर्पण का प्रतीक है। आइए हम सभी मिलकर पौधे लगाएं, उनकी देखभाल करें और अपनी धरती को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। श्रीमती चिटनिस ने पौधों की देखभाल, सिंचाई एवं संरक्षण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया, ताकि लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर क्षेत्र को हरा भरा बना सकें। इस अवसर पर सभी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल नेतृत्व की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। यह आयोजन न केवल एक सामाजिक गतिविधि रहा, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने और हरित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध हुआ।

एनटीपीसी विंध्याचल में 'ऐश डाइक प्रबंधन' पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

समय जगत, सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में 23 एवं 24 मार्च को उमंग भवन सभागार में स्मार्ट ऐश डाइक मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, सेफ्टी एवं सस्टेनेबिलिटी का समन्वय विषय पर कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सीसी ओएस द्वारा एनटीपीसी विंध्याचल के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें विशेषज्ञों, विभिन्न स्टेशनों के प्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के जानकारों ने भाग लेकर सुरक्षित, सतत एवं तकनीक आधारित प्रबंधन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विद्या नंद झा, कार्यकारी निदेशक (ओएस) द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। इस अवसर पर ए. जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण)

विंध्याचल, सीएच. किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षणएम) सिंगरौली, प्रणय कुमार नायक, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) रिहंद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, महाप्रबंधक, अपर महाप्रबंधक (सीसी-ओएस एएमजी) एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण एवं परिचालन सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु इस कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में स्मार्ट ऐश डाइक प्रबंधन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंटेशन के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग, ड्रोन आधारित निगरानी तथा एआई/एमएल आधारित असामान्यता पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। आईआईटी कानपुर एवं अग्रणी तकनीकी कंपनियों के विशेषज्ञों ने जियोसिंथेटिक्स द्वारा डाइक सुदृढ़ीकरण, जलकुंभी उन्मूलन तथा सुरक्षित ऐश उपयोग हेतु एकीकृत आईटी प्रणालियों जैसे नवाचारों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में विंध्याचल, टीएसटीपीएस, रिहंद, शक्तिनगर, कोरबा एवं झज्जर सहित विभिन्न परियोजनाओं के प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अनुभव साझा किए गए। साथ ही सीसी-ओएस, सीसी-आईटी, स्टेशन इंजीनियरिंग एवं सीसी एएमजी की सहभागिता ने सामूहिक ज्ञान-विनिमय को बढ़ावा दिया।

चेंबर की भूमिका पर उठ रहे सवाल, व्यापार की आड़ में स्वार्थ की चाल, शहर की व्यवस्था से खिलवाड़ कब तक?

आनंद शर्मा -समय जगत,मनेंद्रगढ़। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए प्रशासन द्वारा लिया गया सख्त फैसला महज तीन दिन के भीतर ही दम तोड़ता नजर आ रहा है। सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी हुआ, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। गुरुवार को शहर के व्यस्ततम क्षेत्र विवेकानंद चौक में गुरुद्वारा के समीप एक भारी मालवाहक वाहन न केवल शहर में प्रवेश करता दिखा, बल्कि खुलेआम दुकान में सामान की लोडिंग-अनलोडिंग भी करता नजर आया। यह दृश्य उस समय देखने को मिला, जब आदेश के मुताबिक इस समयावधि में ऐसे वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है।

आदेश बना मजाक, जिम्मेदार मौन : सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब प्रशासन ने मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत स्पष्ट आदेश जारी किया है, तो आखिर उसका पालन क्यों नहीं हो रहा? क्या पुलिस और जिम्मेदार अधिकारी इस उल्लंघन से अनजान हैं या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि दिनदहाड़े इस तरह भारी वाहन शहर के बीचों-बीच प्रवेश कर सकते हैं, तो यह सिर्फ नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है।

चेंबर के पदाधिकारियों ने एसडीएम से की मुलाकात : प्रशासन द्वारा भारी वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध के बीच अब छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का रवैया सवालों के घेरे में आ गया है। बीते बुधवार को चेंबर के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से मुलाकात कर छोटे माल वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त करने की मांग की, लेकिन इस मुलाकात ने जितने सवाल हल किए, उससे कहीं ज्यादा खड़े कर दिए।

प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन, प्रदेश मंत्री संजीव ताम्रकार, जिलाध्यक्ष मनीष अग्रवाल और महामंत्री विनय अग्रवाल के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारिक गतिविधियों में आ रही कठिनाइयों का हवाला देते हुए छोटे वाहनों को छूट देने की बात कही।

सुविधा अपने लिए, नियम दूसरों के लिए? : चेंबर ने अपने ज्ञापन में सड़क किनारे सब्जी दुकानों, चाट ठेलों और अतिक्रमण हटाने की बात तो जोर-शोर से उठाई, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सड़क तक दुकान बढ़ाकर कब्जा करने वाले बड़े व्यापारियों पर चुप्पी क्यों?

शहर में कई दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों के शेड सड़क तक निकाल दिए हैं, जिससे सड़कें पहले ही संकरी हो चुकी हैं। ऐसे अतिक्रमण ही जाम की सबसे बड़ी वजह हैं, लेकिन चेंबर के ज्ञापन में इनका जिक्र तक नहीं किया गया। क्या यह चयनात्मक सुधार नहीं है?

यातायात सुधार या दिखावटी समर्थन? : चेंबर के पदाधिकारी एक ओर प्रशासन को यातायात व्यवस्था सुधारने में सहयोग देने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे सुझाव देते हैं जो सीधे-सीधे नियमों को कमजोर करते हैं। सवाल यह है कि यह सहयोग है या फिर सिर्फ अखबारों में अपनी छवि चमकाने की कोशिश?

यदि सच में शहर की चिंता होती, तो चेंबर सबसे पहले अपने ही व्यापारियों को सड़क खाली रखने, अतिक्रमण हटाने और नियमों का पालन करने के लिए आगे लाता।

सड़क चौड़ीकरण पर क्यों नहीं कोई ठोस बात? : शहर में ट्रैफिक समस्या का स्थायी समाधान सड़क चौड़ीकरण है। लेकिन एसडीएम को दिए गए ज्ञापन एम उल्लेख नही किया गया। इस मुद्दे पर भी चेंबर की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। क्या सड़क चौड़ीकरण की बात इसलिए नहीं की जा रही क्योंकि इससे कुछ व्यापारियों के अवैध कब्जे हटेंगे?

यदि शहर को जाम से मुक्ति दिलानी है, तो आधे-अधूरे उपाय नहीं, बल्कि सड़क चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाओ अभियान और सख्त ट्रैफिक नियमों का पालन ही एकमात्र रास्ता है।

प्रशासन को दिखानी होगी सख्ती: : अब समय आ गया है कि प्रशासन किसी भी दबाव में आए बिना अपने आदेशों का कड़ाई से पालन कराए। चाहे वह छोटा व्यापारी हो या बड़ा, नियम सबके लिए समान होने चाहिए। प्रतिबंधित समय में किसी भी प्रकार के मालवाहक वाहन को शहर में प्रवेश न मिले,सड़क तक दुकान बढ़ाने वालों पर तत्काल कार्रवाई हो,अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण का अभियान शुरू किया जाए।

शहर हित सर्वोपरि, समझौता नहीं : मनेन्द्रगढ़ की जनता अब साफ संदेश चाहती है नियमों से कोई समझौता नहीं। चेंबर हो या कोई और संगठन, यदि शहर के हित के खिलाफ काम करेगा तो उसे भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

अब नजर प्रशासन पर है क्या वह सख्ती दिखाकर व्यवस्था सुधारता है या फिर दबाव में आकर शहर को फिर उसी अव्यवस्था के हवाले कर देता है।यह सिर्फ ट्रैफिक का मुद्दा नहीं, बल्कि शहर के भविष्य का सवाल है।

सार संक्षिप्त

सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल अटरा के बच्चों ने मारी बाजी

उचेहरा। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा घोषित 5 वीं और 8 वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में अटरा के बच्चों ने बाजी मारी। जनपद शिक्षा केन्द्र अंतर्गत अटरा में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल में अध्ययनरत 5 वीं एवम 8वीं के खुले परिणाम ने जहां अपने माता पिता का नाम रोशन किया वही विद्यालय का भी नाम रोशन किया हासिल जानकारी अनुसार कक्षा 5 एवं कक्षा 8 में 23, 23 भैया बहिन अध्ययनरत थे जिनका परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा 8 की जागृति तिवारी 92त्न ,श्वेताकुशवाह ,आराध्या उपाध्याय 89त्न आयुषी तिवारी 89.5 अंक प्राप्त किये इसी प्रकार 5 वीं में अंशिका प्रजापति 87.2त्न अंशिका सिंह 86.2त्न शालिनी कोरी 83.7त्न शिवा सिंह 81.7त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया विद्यालय परिवार ने सभी मेधावी भैया बहनों के उज्जवल भविस्य की कामना की है।

बसपा की विधानसभा स्तरीय बैठक संपन्न

विजयपुर। बौद्ध विहार में बहुजन समाज पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन की मजबूती को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विधानसभा संगठन का रिव्यू करते हुए जुगराज सिंह पाण्डेय को विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया। वहीं, ब्रजराज सिंह मीणा को विधानसभा उपाध्यक्ष को पार्टी कार्यों में निरंतर सक्रियता और योगदान को देखते हुए प्रमोशन देकर विधानसभा प्रभारी बनाया गया। बैठक में निष्क्रिय पदाधिकारियों को पदमुक्त करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही बताया गया कि आगामी बैठक में विधानसभा उपाध्यक्ष, विधानसभा महासचिव, विधानसभा सचिव और जिला वीबीएफ के रिक्त पदों पर संघर्षशील एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को अवसर दिया जाएगा। नव नियुक्त विधानसभा प्रभारियों को पार्टी की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही अपेक्षा जताई गई कि वे मायावती के निर्देशों के अनुरूप अनुशासन बनाए रखते हुए मिशन मूवमेंट को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे। बैठक में मुख्य रूप से हरिमोहन बौद्ध जिला प्रभारी श्योपुर), गंगाधर जाटव (जिलाध्यक्ष, बसपा श्योपुर) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हुकुम सिंह मेहरा विधानसभा अध्यक्ष ने की। इस अवसर पर महेश सिंह जोनवार , दिनेश जारोलिया जिला कार्यकारिणी सदस्य, बालचंद जारोलिया , इन्द्रप्रकाश , कमलेश बिसारिया , मिथलेश बिसारिया , मानसिंह बैरवा, नरेन्द्र जोनवार, रामशंकर अठारिया सेक्टर अध्यक्ष सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मातासुला में लगातार हो रही चोरी की वारदात, ग्रामीणों में दहशत, देहात थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर की कार्रवाई की मांग।

श्योपुर ब्यूरो। जिले के ग्राम मातासुला में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। एक के बाद एक हो रही वारदातों से गांव में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है, वहीं ग्रामीणों ने पुलिस की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, 20 मार्च 2026 को गांव के निवासी विजय सिंह मीणा की मोटर चोरी हो गई थी। इस संबंध में थाना देहात में लिखित शिकायत भी दी गई, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी बीच 26 मार्च को फिर एक और चोरी की घटना सामने आई, जिसमें बलराम मीणा की 12.5 एचपी की सबमर्सिबल मोटर अज्ञात चोरों द्वारा 12 एल नहर के पास स्थित उनके बाड़े से चोरी कर ली गई। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो चोरों के हौसले और बुलंद हो सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता से जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और गांव में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

परासरी से दौरानी मार्ग बदहाल, वर्षों से क्षतिग्रस्त सड़क से ग्रामीणों को हो रही परेशानी

जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान, वरिष्ठ अधिकारी लें संज्ञान

राहुल जैन-समय जगत पोहरी। पोहरी विधानसभा के परासरी से दौरानी गाँव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क बीते कई वर्षों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में है। सड़क पर गहरे गड्ढे, उखड़ी हुई गिट्टी और कीचड़ के कारण आमजन को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके जनप्रतिनिधि और संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

शिवपुरी पहुँचने का सीधा मार्ग, फिर भी उपेक्षा का शिकार: ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी मार्ग से चर्च होते हुए सीधे शिवपुरी पहुँचा जा सकता है। खराब सड़क के कारण समय अधिक लग रहा है, साथ ही वाहन भी बार-बार खराब हो रहे हैं। आपात स्थिति में मरीजों को ले जाना भी जोखिम भरा हो गया है।

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से कई बार की शिकायत: ग्रामीणों के अनुसार सड़क की बदहाली को लेकर वे ग्राम पंचायत, जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत करा चुके हैं। लिखित व मौखिक शिकायतों के बावजूद आज तक न तो सड़क की मरम्मत कराई गई और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई हुई।

ग्रामीणों का बयान — अब जवाब चाहिए: ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण रामनारायण परासरी ने कहा, ÷हम कई सालों से इस सड़क की दुर्दशा झेल रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। चुनाव के समय वादे होते हैं, बाद में सब भूल जाते हैं।÷ वहीं दौरानी निवासी शिवकुमार धाकड़ ने बताया, ÷यह सड़क हमारे लिए जीवनरेखा है। अगर जल्द निर्माण नहीं हुआ तो हम आंदोलन करने को मजबूर होंगे।÷

सड़क निर्माण की मांग तेज: ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि परासरी से दौरानी सड़क का शीघ्र निर्माण कराया जाए या कम से कम अस्थायी मरम्मत कर आवागमन योग्य बनाया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि कब तक ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या पर ध्यान देते हैं।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही : फसल में आग लगाने वाले दो आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

राजगढ़/ बोड़ा। जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बोडा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने फसल में आग लगाने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को महज 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में जिलेभर में फरार आरोपी, स्थाई वारंटी एवं वसूली वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे एवं एसडीओपी नरसिंहगढ़ मिनी शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना बोडा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 मार्च 2026 को फरियादी निहालसिंह रुहैला निवासी ग्राम चाटा जागीर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 मार्च को सिंचाई के विवाद के चलते आरोपियों बिहारीलाल एवं कमल रुहैला ने उसके खेत में खड़ी व कटी लगभग 4 बीघा फसल में आग लगा दी, जिससे उसे भारी नुकसान हुआ। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बोडा में अपराध क्रमांक 97/2026 धारा 326(एफ), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर 24 मार्च 2026 को दोनों आरोपियों— बिहारीलाल पिता नानजीराम रुहैला (60 वर्ष) कमल पिता बिहारीलाल रुहैला (28 वर्ष) निवासी ग्राम चाटा जागीर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। सराहनीय योगदान इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि. देवेन्द्र राजपूत सहित पुलिस टीम के सदस्यों—रामनारायण जटिया, कपिल अटारिया, सुनील सोलंकी, विनोद अहिरवार, दुष्यंत जाट एवं अन्य का विशेष योगदान रहा। राजगढ़ पुलिस का संदेश- अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, आमजन की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

जैन प्रबुद्ध मंच द्वारा जीव दया सेवा कार्य का आयोजन

मनावर समय जगत। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में जैन प्रबुद्ध मंच मध्य प्रदेश महिला संघ, इंदौर द्वारा ÷जीव दया÷ सेवा कार्य का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दिव्य शक्तिपीठ मंदिर स्थित गौशाला परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने गौसेवा करते हुए जीवों के प्रति करुणा और दया का संदेश दिया। उपस्थित सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सेवा कार्यों में सक्रिय योगदान दिया, जिससे आयोजन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर मंच के कई सम्माननीय सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को प्रेरणादायी बना दिया। आयोजन के माध्यम से ÷करुणा से सेवा और सेवा से संस्कार÷ का संदेश समाज तक पहुंचाया गया। मंच के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीमती बरखा बडजात्या जैन (राष्ट्रीय अध्यक्ष), डॉ. प्रगति जैन (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश महिला संघ), श्रीमती अर्चना करणावट (सचिव) एवं श्रीमती नीलम बड़जात्या की विशेष भूमिका रही।

बेटमा पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल के छात्र-छात्राओं ने फिर बाजी मारी

समय जगत बेटमा। नगर के बेटमा पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल बेटमा के छात्र छात्राओ ने एक बार पुनः कक्षा 8 वी एवं 5 वी की बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोत्तम अंक प्राप्त कर बेटमा पब्लिक स्कूल एवं नगर का नाम गौरान्वित किया । जिसमे कक्षा 8 वी का परीक्षा परिणाम 100 त्न रहा एवं कक्षा 5 वी का परीक्षा परिणाम 91 त्न रहा।कक्षा 8 वी की छात्रा काव्या वीरेंद्र जायसवाल एवं निशिता रामेश्वर चौधरी ने 89.8त्न अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान, मन्नत श्याम कुशवाह ने 88 त्न प्राप्त करके द्वितीय ?? स्थान , गौरवांशी ओंकार वर्मा ने 86 प्रतिशत प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया ।वहीं कक्षा 5 वी की छात्रा मोक्षी सुनील व्यास ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान ,सकीना शोएब छिपा ने 80 त्न अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, नूरिश जावेद खान ने 79 अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त कर नगर में अपने माता पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन किया।संस्था के कक्षा 8 वी के 35 छात्र छात्राओ के अंक 80 प्रतिशत से अधिक एवं अन्य सभी छात्र छात्राओं के अंक 75त्न से अधिक रहे । संस्था का मूल उद्देश्य बच्चो को टॉपर बनाना इसके साथ साथ सभी छात्र छात्राओं को टॉपर के समकक्ष लाना रहता है । संस्था संचालक मो. अमीन खान सर एवं संस्था अध्यक्ष श्प्रकाश चंद्र मोरार द्वारा उत्तम रिजल्ट आने पर सभी छात्र छात्राओ एव शिक्षक शिक्षिकाओं को बधाई दी एवं आभार माना।

2.57 करोड़ के बाढ़ राहत घोटाले में अमिता को किया गिरफ्तार

समय जगत, श्योपुर। केबीसी में 50 लाख रुपए जीतने वाली तहसीलदार अमिता सिंह बाढ़ राहत घोटाले की आरोपी है। बाढ़ की राहत की राशि वितरण में बड़े पैमाने पर धांधली हुई थी। अब इस मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। चर्चित तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को गिरफ्तार कर लिया गया है। श्योपुर पुलिस ने तोमर को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। अमिता सिंह तोमर ग्वालियर में थीं।

दरअसल, बड़ौदा तहसीलदार रहते हुए अमिता सिंह तोमर ने गड़बड़ी की थी। उन्होंने फर्जीवाड़े के लिए पूरा नेटवर्क खड़ा किया था। जांच में यह बात सामने आई थी कि कई अपात्र और काल्पनिक नामों को मुआवजे दिए गए। वहीं, असल में जो पीड़ित थे, वे मुआवजे से वंचित रह गए। इससे सरकारी खजाने को भी बड़ा नुकसान हुआ। मामले की जांच के बाद तहसीलदार अमिता सिंह तोमर के खिलाफ बड़ौदा थाने में ही केस दर्ज है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज है। अब पार्यंत साक्ष्य मिले हैं तो पुलिस ने तहसीलदार को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तारी से एक दिन पहले ही आरोपी अधिकारी को विजयपुर तहसीलदार के पद से हटा दिया गया था। पुलिस ने उन्हें ग्वालियर स्थित उनके निवास से गिरफ्तार किया। श्योपुर लाकर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें शिवपुरी जेल भेज दिया गया।

127 फर्जी खातों में 2.57 करोड़ ट्रांसफर; 25 पटवारी समेत कई अधिकारी-कर्मचारी रडार पर : मध्य प्रदेश की श्योपुर पुलिस ने तत्कालीन तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को गिरफ्तार किया है। 2021 में बड़ौदा तहसील में राहत राशि वितरण के दौरान करीब ढाई करोड़ रुपए का घोटाले हुआ है। अमिता सिंह पर फर्जीवाड़ा कर अपात्रों को मुआवजा बांटने का आरोप है। राहत वितरण के दौरान 127 फर्जी खातों में करीब 2.57 करोड़ रुपए ट्रांसफर होने का मामला सामने आया। ऑडिट में गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद जांच शुरू हुई, जिसमें कुछ लोगों से राशि की वसूली भी की गई।

ऑडिट जांच में फर्जी भुगतान का खुलासा: जांच में सामने आया कि तत्कालीन तहसीलदार ने दस्तावेजों में हेरफेर कर वास्तविक बाढ़ पीड़ितों के बजाय अपात्र और काल्पनिक नामों पर राहत राशि जारी की। कागजों में फर्जीवाड़ा कर सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया।

110 आरोपी, 25 पटवारी शामिल: जांच के दौरान एसडीओपी बड़ौदा रहे प्रवीण अष्ठाना ने 25 पटवारी समेत कुल 110 लोगों को आरोपी बनाया था। इस सूची में अमिता सिंह तोमर का नाम भी शामिल था, जो उस समय बड़ौदा में तहसीलदार के पद पर पदस्थ थीं। पटवारियों के परिजन के खातों में संदिग्ध लेन-देन के संकेत भी मिले हैं।

27 बीघा भूमि शासकीय दर्ज करने का आदेश पारित

समय जगत, श्योपुर। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कराहल बीएस श्रीवास्तव द्वारा ग्राम गोवर्धाखुर्द में 03 व्यक्तियों के नाम की अप्राधिकृत प्रविष्टि को विलोपित कर 27 बीघा भूमि शासकीय दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है। प्रकरण के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि प्रकरण के संलग्न ग्राम गोवर्धाखुर्द के खसरा अभिलेख खसरा संवत् 2030-34, संवत् 2035-39, संवत् 2045-49, संवत् 2055-59, संवत् 2060-64 में सर्वे नं. 7/1/द का कुल रकवा 12.738 में से रकवा 12.466 हेक्टेयर नोईयत जंगल गैर मुनकिन तथा रकवा 0.272 हेक्टेयर भूमि नोईयत चरनोई दर्ज है जबकि संवत् 2066-2069 में अनावेदक लाभसिंह पुत्र रामगोपाल जाति गुर्जर ग्राम गोवर्धा भूमि सर्वे क्रमांक 7/4/11/1 रकवा 1.881 हेक्टेयर, प्यारासिंह पुत्र लालसिंह गुर्जर भूमि सर्वे क्रमांक 7/4/11/2 रकवा 1.881 हेक्टेयर, सुखचैन सिंह पुत्र बत्तसिंह जाति जाट सिख भूमि सर्वे क्रमांक 7/4/11/3 रकवा 1.881 हेक्टेयर पर खसरा संवत् 2066 के खाना नं. 14 में अंकित किये गये हैं। जंगल गैर मुनकिन नोईयत की भूमि किस सक्षम अधिकारी के आदेश से एवं किन प्रावधानों के तहत आवेदकगणों के नाम अंकित की गई है, ऐसे किसी आदेश की प्रति अनावेदकगण द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत नहीं की गई है। इससे प्रतीत होता है कि अभिलेख में प्रश्नाधीन भूमियों पर अनावेदकगण के नाम अवैध रूप से अंकित किये गये हैं। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर अनावेदकगण के नाम की प्रविष्टी अप्राधिकृत प्रविष्टी होने से स्थित रखे जाने योग्य नहीं है।

कन्नौद के जंगलों में फेंका गया मेडिकल इंजेक्शन बोतल एवं दवाइयां

- वन्यजीवों की जान पर संकट, बैच नंबर से दोषियों की तलाश करें ड्रग इंस्पेक्टर
- वेस्टीज मेडिसिन को जंगल मे फेकने के बाद उनको नष्ट करने के उद्देश्य से लगाई आग
- वन रक्षक भवन से चंद कदमो की दुरी पर ही फ़ेंकी गयी वेस्टीज मेडिसिन इंजेक्शन बोतल

राकेश अजमेरा, खातेगांव। देवास जिले की कन्नौद तहसील के अंतर्गत आने वाले मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम परिक्षेत्र परियोजना कन्नौद निगम के बीट नादोन के जंगल मे वन रक्षक भवन के समीप भारी मात्रा में दवाइयां और इंजेक्शन उपयोग कर फेंकी गयी, साथ ही जंगल मे आग से जलाने का गंभीर मामला सामने आया है। लगभग एक ट्रॉली भरकर फेंका गया यह मेडिकल वेस्ट न केवल पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी बड़ा खतरा है। जो वन्यजीवों और पर्यावरण को गंभीर खतरा है, जंगल में खुले में फेंकी गई ये दवाइयां मूक पशुओं और पर्यावरण के लिए धीमा जहर साबित हो रहा, ड्रग इंस्पेक्टर व स्वास्थ्य विभाग करे इसकी जाँच, इस गंभीर मामले कि जाँच संबंधित अधिकारियो ने करना चाहिए, वही वन विकास निगम ने भी इसकी जाँच करवा कर जो भी दोषी हो उनपर सख्त कार्रवाई करना चाहिए।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल, गैरतगंज व देवनगर में तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

समय जगत, गैरतगंज। जिले के गैरतगंज एवं देवनगर क्षेत्र में किसानों की विभिन्न समस्याओं और सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस एवं किसान कांग्रेस द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार व नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की।

ऋण जमा करने की तिथि बढ़ाने की मांग: ज्ञापन में प्रमुख रूप से सोसाइटी ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी की राशि जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का मुद्दा उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जहां एक ओर गेहूं खरीदी 1 अप्रैल से शुरू हो रही है, वहीं उससे पहले ही किसानों पर कर्ज जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है, जो अन्यायपूर्ण है। उन्होंने ऋण जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई 2026 करने की मांग की, ताकि किसान अपनी उपज बेचकर कर्ज चुका सकें और 0 प्रतिशत ब्याज योजना का लाभ ले सकें।

सोयाबीन किसानों की समस्या भी उठाई: गेहूं का समर्थन मूल्य 4000 रूपये प्रति क्विंटल किया जाए, किसान कांग्रेस ने सोयाबीन किसानों को उचित मूल्य न मिलने का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार द्वारा टैक्स फ्री सोयाबीन तेल आयात पर रोक लगाने की मांग की। उनका कहना है कि विदेशी आयात के कारण स्थानीय किसानों को नुकसान हो रहा है।

फसल नुकसान पर मुआवजा और समर्थन मूल्य बढ़ाने की मांग: ज्ञापन में ओलावृष्टि एवं प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित

किसानों का तत्काल सर्वे कर उचित मुआवजा एवं फसल बीमा का लाभ देने की मांग की गई। साथ ही गेहूं के समर्थन मूल्य को बढ़ाने की मांग भी उठाई गई।

अन्य प्रमुख मांगें: कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कृषि मंडियों में तौल में गड़बड़ी करने वाले व्यापारियों पर सख्त कार्रवाई, पराली जलाने के मामलों में निर्दोष किसानों पर कार्रवाई रोकने, बिजली विभाग द्वारा दर्ज कथित गलत प्रकरण वापस लेने तथा बैंकिंग व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की। देवनगर क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था, ग्राम बनियाखेड़ी में सुरक्षित केबल लाइन डालने जैसी स्थानीय समस्याओं को भी ज्ञापन में शामिल किया गया।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद: गैरतगंज में तहसीलदार नरेश सिंह राजपूत को ज्ञापन सौंपा गया, जबकि देवनगर में नायब तहसीलदार योगेश्वर भारतीय को ज्ञापन दिया गया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट संजीव राय, किसान कांग्रेस अध्यक्ष मेवाराम कुशवाहा, नगर अध्यक्ष मुकेश ठाकुर, देहगांव किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह धाकड़, शाहिद अंसारी, सुनील प्रकाश श्रीवास्तव, अरशद अंसारी युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष, फूल सिंह पटेल, लखन सिंह ठाकुर, नेमीचंद सतोरिया, राजदीप जैन मोहन जाटव, राजेश ठाकुर, शाहिद बिच्छू बीड़ी, अज्जू महाराज, हेमंत विश्वकर्मा, राजकिशोर राजपूत, कमलेश लोधी, दिलीप चंदेल, टिंकू साहू, अभिषेक यादव, राहुल धाकड़, रज्जन ठाकुर सहित कई पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

जामसांवली में आस्था, विकास और सौगातों का ऐतिहासिक संगम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया 'हनुमान लोक' का लोकार्पण, 362.80 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

पांढुरना (देवेन्द्र खुरसंगे)। मध्यप्रदेश के नवगठित पांढुरना जिले के तहसील सौसर क्षेत्र के जामसावली हनुमान लोक का लोकार्पण का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सौंसर स्थित हवाईपट्टी (सावली) आगमन पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

362.80 करोड़ के 67 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए 362.80 करोड़ रुपये की लागत वाले कुल 67 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 111.63 करोड़ रुपये के 34 पूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण और 251.17 करोड़ रुपये के 33 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

हनुमान लोक का लोकार्पण: धार्मिक पर्यटन को मिलेगा नया आयाम: जामसांवली स्थित प्रसिद्ध हनुमान धाम में मुख्यमंत्री ने 35.09 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'हनुमान लोक' के प्रथम चरण का लोकार्पण किया। 'चिरंजीवी पथ' सहित परिसर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उन्होंने गुणवत्ता की सराहना की। नवनिर्मित

सभामंडप के शिलालेख का विधि-विधान से पूजन कर लोकार्पण किया गया। साथ ही कलश पूजन, चौखट पूजन और देहली पूजन भी संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने गर्भगृह में श्री हनुमान जी के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में जय श्री राम के जयघोष और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच आयोजित कार्यक्रम में मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों का सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों की मेहनत और समर्पण से ही यह आस्था स्थल दिव्य और भव्य रूप ले सका है।

30.50 करोड़ के फ्लाईओवर सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण: मुख्यमंत्री ने 30.50 करोड़ रुपये की लागत से बने पांढुरना फ्लाईओवर का भी लोकार्पण किया, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुगम होगी। इसके अतिरिक्त लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड सौंसर के 20 कार्य, लोक निर्माण विभाग, भवन निर्माण, नगर पालिका परिषद सौंसर एवं पांढुरना, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और वन विभाग के विभिन्न कार्यों का भी लोकार्पण किया गया।

251.17 करोड़ के नए विकास कार्यों की रखी आधारशिला: मुख्यमंत्री ने 251.17 करोड़ रुपये के 33 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें कलेक्टर कार्यालय, जिला चिकित्सालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण कार्य प्रमुख हैं। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के सड़क एवं सेतु निर्माण कार्य, नगर पालिका परिषद के विकास कार्य, पुलिस विभाग के भवन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और जिला पंचायत कार्यालय सहित कई कार्यों की आधारशिला रखी गई।

जिले के सर्वांगीण विकास को मिलेगी नई गति: इन परियोजनाओं से प्रशासनिक दक्षता, स्वास्थ्य सेवाओं, कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था तथा ग्रामीण-नगरीय अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी। 'हनुमान लोक' के विकास से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

बगलेश्वरी धाम टिमरनी में नित्य हो रहा मिर्ची हवन, सैकड़ों भक्त ले रहे हैं धार्मिक पुण्य लाभ

समय जगत, हरदा। जिले की टिमरनी तहसील में बगलेश्वरी धाम में नित्य मिर्ची हवन हो रहे है। गुरु देव ने बताया कि इस युग में हर व्यक्ति परेशान है किसी न किसी समस्या से जूझ रहे हैं ऐसे में महाविद्याओं का जागृत करना और उन्हें मनाने प्रार्थना करने से समस्त विपदाओं का नाश होता है।इसी क्रम में चैत्र नवरात्रि में बगलेश्वरी धाम अमृत गंगा कॉलोनी गुपत बाबा मंदिर प्रांगण में बगलामुखी महा हवन एवं मां

पीतांबरा विराजमान की गई है।नित्य हवन में अलग-अलग सामग्रियों का जहां उपयोग किया जा रहा है वही किलो से लाल मिर्चियों का भी उपयोग किया जा रहा है।अलग-अलग समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है।जैसे रोग नाश के लिए काली मिर्च का उपयोग किया जा रहा है,वही लक्ष्मी प्राप्ति हेतु पंचमेवा कमलगट्टे एवं अन्य गुप्त सामग्रियों से हवन हो रहा है,कोर्ट केस आदि में विजयश्री हेतु मां बगलामुखी का विजय श्री हवन किया जा रहा है, जिसमें पीली सरसों सेमर के फूल, पलाश के फूल सहित हरताल व अन्य सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है।वहीं अगर किसी व्यक्ति को भूत प्रेत से जुड़ी हुई समस्या है तो उसे भी विशेष सामग्री के साथ हवन में बिठाकर समस्या का समाधान हो रहा है,साथ ही राजनीतिक स्तर को उत्तम करने के लिए भी अगला ब्रह्मास्त्र का उपयोग किया जा रहा है। गुरुदेव ने बताया कि मिर्ची हवन की खासियत यह है कि जो साधक होता है उसे सिद्ध तब माना जाता है जब कुंटलों से मिर्ची डालने के बाद भी मिर्ची से धांस ना आवे उसे ही स्तंभन कहते हैं,जो मिर्च की धांस का स्तंभन कर ले वही साधक बगलामुखी का उच्च साधक होता है,शत्रु नाश हेतु लाल मिर्च कड़वी नीम कड़वे तेल के साथ हवन संपन्न हो रहा है। लाल मिर्च का अद्भुत हवन टिमरनी में पहली बार देखने को मिल रहा है। वहीं गुरुदेव के द्वारा बगलामुखी की दिव्य आरती की जा रही है जिसमें हजारों की संख्या में बगलामुखी भक्त पधार रहे है और आरती हवन का लाभ ले रहे है। गुरुदेव ने बताया कि आज शुक्रवार को मिर्ची हवन के बाद भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है।

सार-समाचार

विधायक ने किया पांढरा में वाटर प्लांट का शुभारंभ, महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

प्रतीक रघुवंशी, घोड़ाडोंगरी। क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पांढरा में वंशिका आजीविका स्व सहायता समूह के वाटर प्लांट का भव्य शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। इस अवसर पर विधायक उईके ने कहा कि इस वाटर प्लांट के माध्यम से समूह की महिलाओं को सीधे आजीविका गतिविधि से जोड़ा गया है। इससे न केवल उनकी आमदनी में वृद्धि होगी, बल्कि वे अपने परिवार का पालन-पोषण भी बेहतर ढंग से कर सकेंगी। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन हर कदम पर उनके साथ खड़ा है। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र मालवीय, मण्डल उपाध्यक्ष श्री राकेश अरोरा, युवा मोर्चा अध्यक्ष सिद्धार्थ बिहारे, पांढरा सरपंच श्री सूर्यवंश सलाम और समृद्धि सीएलएफ कार्यकारणी के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इंदौर रेलवे स्टेशन के मेगा अपग्रेडेशन का शुभारंभ, फाउंडेशन कार्य शुरू

समय जगत, इंदौर। शहर के गौरव इंदौर रेलवे स्टेशन पर आज एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज हुआ, जब शंकर लालवानी, माननीय सांसद इंदौर, ने 412 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे स्टेशन अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत पार्सल बिल्डिंग एवं बेसमेंट निर्माण हेतु फाउंडेशन कॉन्क्रीट कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। यह प्रोजेक्ट इंदौर स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक, सुव्यवस्थित और यात्री-अनुकूल स्वरूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रस्तावित सुविधाओं से यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव मिलेगा और स्टेशन शहर की आधुनिक पहचान का प्रतीक बनेगा। बेसमेंट निर्माण के लिए प्लेटफॉर्म सतह से लगभग 7 मीटर गहराई तक खुदाई की गई है। माननीय सांसद लालवानी स्वयं निर्माण स्थल पर 7 मीटर नीचे उतरे, पूजा-अर्चना के साथ कार्यारंभ किया तथा प्रगति का निरीक्षण किया। यह दृश्य उपस्थित जनसमूह के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे के अधिकारी धीरज कुमार एवं अंकुर सिंह, सांसद प्रतिनिधि विशाल गिदवानी, प्रेस प्रतिनिधि तथा अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सांसद लालवानी ने अधिकारियों व निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर को कार्य गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। अपने संबोधन में सांसद लालवानी ने कहा, इंदौर स्टेशन का यह अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट शहर के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। हमारा लक्ष्य है कि यह कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो, ताकि यात्रियों को श्रेष्ठ सुविधाएं मिल सकें। यह पहल न केवल स्टेशन के स्वरूप को बदलेगी, बल्कि इंदौर की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक अवसंरचना का सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत करेगी।

आज मनेगी रामनवमी, हजारों श्रोता लेगे धर्म लाभ

नटेरन। प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी भैरोजी की पावन नगरी नटेरन में रामनवमी का धार्मिक पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा कार्यक्रम का आयोजन इस साल सेऊ रोड मांगलिक भवन में रखा गया आयोजन समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र रघुवंशी (पटेल) ने बताया की रामनवमी के पावन पर्व पर इस बार नटेरन में भव आयोजन किया जाएगा जिसमें कार्यक्रम के दौरान बावड़ी स्तिथ प्राचीन रामजनकी मंदिर पर महाआरती प्रसादी वितरण एवम नटेरन नगर में रामधुन के साथ बुंदेल खंड के मशहूर लोकगीत गायक श्री धनीराम जी सेन ग्रुप द्वारा रात में सुमुधुर भजनों एवम लोकगीत की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जाएगी वही कार्यक्रम में हवला की मशहूर नृत्यांगनाओं द्वारा लोक नृत्यांकला की भी शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम आयोजन समिति ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से अपील की है की अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ एवम रामनवमी उत्सव का आनंद उठाएं।

आरटीई पोर्टल की गड़बड़ियों पर उठी आवाज, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कलेक्टर को लिखा पत्र

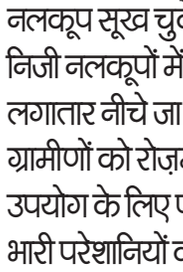

पांढुरना। शिक्षा के अधिकार के तहत निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया में आ रही तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पांढुरना नगर क्षेत्र में आरटीई पोर्टल पर कई वार्डों के बच्चों के लिए विद्यालयों के विकल्प सही तरीके से प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं। इसके साथ ही, नवीन जिला गठन के बाद भी पोर्टल पर दूरी एवं निवास से संबंधित आंकड़ों में त्रुटियां सामने आ रही हैं, जिससे बच्चों के विद्यालय चयन में गड़बड़ी हो रही है। इन तकनीकी खामियों के कारण कई पात्र बच्चे लॉटरी प्रक्रिया से बाहर हो रहे हैं,और उन्हें शिक्षा के अधिकार से वंचित रहना पड़ रहा है। यह स्थिति विशेष रूप से गरीब और वंचित वर्ग के परिवारों के लिए चिंताजनक बताई गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रशासन से मांग की है, कि त्ज्म् पोर्टल की तकनीकी समस्याओं को जल्द दूर किया जाए और प्रभावित बच्चों को पुन: आवेदन का अवसर दिया जाए, ताकि कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस का प्रदर्शन एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सिलवानी। गुरुवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ब्लॉक किसान कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हर्षल चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बढ़ती महंगाई खेती की लागत में वृद्धि और फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने को लेकर नाराजगी जताई। ब्लॉक अध्यक्ष किसान कांग्रेस एवं जनपद सदस्य राजीव रघुवंशी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक और खेती की लागत लगातार बढ़ रही है वहीं दूसरी और उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पा रहा है जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष बढ़ रहा है। ज्ञापन में किसानों ने चार प्रमुख मांगें रखीं। इसमें सोसायटी में ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 से बढ़ाकर 31 मई 2026 करने की मांग की गई ताकि किसान शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ ले सकें। इसके अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के तहत

सोयाबीन खाद्य तेल के टैक्स फ्री आयात पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई जिससे देशी किसानों को नुकसान से बचाया जा सके। किसानों ने ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा एवं फसल बीमा का लाभ दिलाने की मांग भी उठाई। वहीं सिलवानी नगर के मुख्य मार्ग पर फल सब्जी विक्रेताओं के लिए व्यवस्थित स्थान आवंटित करने की मांग की गई ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और छोटे व्यापारियों को भी सुविधा मिल सके। इस दौरान जनपद सदस्य प्रतिनिधि धीरज पटेल सिलवानी नगर अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा आईटी सेल विधानसभा अध्यक्ष दीपक धाकण प्रिंस कुमार हरिशंकर राय दलसिंह गोर रामलाल उईके जिया उल्ला खान राजीव धाकड़ राजेंद्र विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गढ़ी में गहराया जल संकट, सूखे नलकूप, शासन- प्रशासन द्वारा त्वरित दिया जाये ध्यान

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने की स्कीम बोर व 8 करोड़ की नल-जल योजना शुरू करने की मांग

सैयद मसूद अली पटेल, गैरतगंज। ज़िले की गैरतगंज तहसील की ग्राम पंचायत गढ़ी में गर्मी शुरू होते ही पेयजल संकट गहराने लगा है। हालात ऐसे हैं कि कई शासकीय नलकूप सूख चुके हैं, जबकि निजी नलकूपों में भी जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। इससे ग्रामीणों को रोज़मर्रा के उपयोग के लिए पानी जुटाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत की बढ़ती आबादी के मुकाबले पुरानी पेयजल व्यवस्था अब पूरी तरह नाकाफी साबित हो रही है। वर्ष 1974 में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बनाई गई नल-जल योजना उस समय की 2-3 हजार आबादी को ध्यान में रखकर तैयार की गई थी, लेकिन वर्तमान में गांव की आबादी लगभग 8 हजार तक पहुंच चुकी है। ऐसे में अब केवल करीब 30 प्रतिशत घरों तक ही नियमित रूप से नल-जल पहुंच पा रहा है। गढ़ी के मनकापुर टोला, खिड़का दरगाह कॉलोनी, खेरुआ बेलदार मोहल्ला, माता मोहल्ला, कसाई मंडी कुआं क्षेत्र, चौरसिया मोहल्ला, बस स्टैंड, इंदिरा कॉलोनी, मनकापुर टपरे और सगौर फार्म जैसे क्षेत्रों में फरवरी से जून तक जल संकट विकराल रूप ले लेता है। इन इलाकों में निजी नलकूपों के सहारे अस्थायी व्यवस्था करनी पड़ती है।

दो साल से अटकी 8 करोड़ की जल योजना: करीब दो वर्ष पहले जल निगम द्वारा

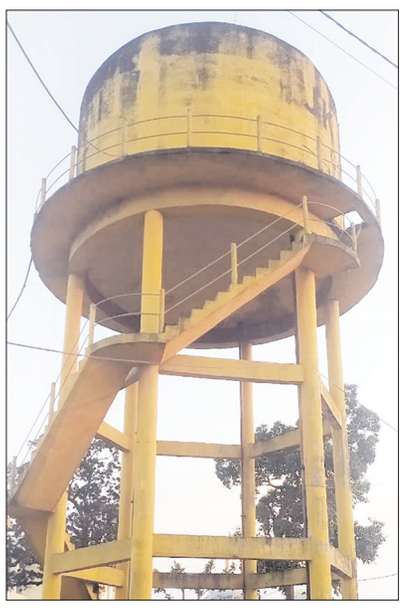

बाड़ी-बारना डैम से गढ़ी तक पानी पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना का सर्वे किया गया था। इस योजना में लगभग 10 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, 3 लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी और करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से सभी मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति का प्रस्ताव तैयार किया गया था। हालांकि, वन भूमि से पाइपलाइन गुजरने के कारण वन विभाग से अनुमति न मिलने की वजह से यह योजना अब तक शुरू नहीं हो सकी है।

सरपंच ने सौंपा ज्ञापन, त्वरित समाधान की मांग: ग्राम पंचायत गढ़ी के सरपंच सैयद मसूद अली पटेल ने जल निगम के प्रबंध संचालक केवीएस चौधरी सहित संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर योजना को शीघ्र शुरू कराने की मांग की है। साथ ही क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, पीएचई मंत्री और कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा को भी ज्ञापन सौंपकर तत्काल राहत उपाय करने की मांग उठाई गई है। जल संकट से निपटने के लिए पंचायत द्वारा गांव में चार नए स्कीम बोर कराने का प्रस्ताव भी दिया गया है। प्रस्तावित स्थान इस प्रकार हैं– चोपड़ा क्षेत्र में स्कीम बोर, पुरानी वाटर सप्लाई के पास, पुराने तालाब के पास, खेरुआ बेलदार मोहल्ला अमृत सरोवर के पास, पंचायत का कहना है कि इन सभी बोरों की खुदाई कम से कम 400 फीट गहराई तक की जाए, तभी पर्याप्त पानी मिलने की संभावना है और कुछ हद तक समस्या से राहत मिल सकेगी।

स्थायी समाधान की उम्मीद: ग्रामीणों का मानना है कि यदि जल जीवन मिशन के तहत प्रस्तावित योजना का कार्य जल्द शुरू हो जाता है, तो गढ़ी सहित आसपास के क्षेत्रों में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। फिलहाल ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन जल निगम और सरकार की त्वरित कार्रवाई पर टिकी हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान: बैतूल जिले के ग्रामों में जल संरक्षण एवं स्वच्छता गतिविधियां हो रही हैं आयोजित

समय जगत बैतूल। जल संरक्षण के प्रति जनजागरुकता बढ़ाने के लिए संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर के मार्गदर्शन में व्यापक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। घोड़ाडोंगरी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पांडरा में मंदिर परिसर एवं हैंडपंप के आसपास स्वच्छता एवं जल संरक्षण से संबंधित कार्य किए गए। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, ग्राम पांडरा के माध्यम से आयोजित किया गया। इस दौरान जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कर जल चौपाल लगा कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरुक किया गया। प्रस्फुटन समिति व ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता रही। उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया एवं भविष्य में भी ऐसे कार्य निरंतर करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रभातपट्टन विकासखंड के प्रस्फुटन ग्राम पाबल में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं बीएसडब्ल्यू/एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं के सहयोग से मेंटर रोशन लोखंडे की उपस्थिति में जल स्त्रोत निर्मल नीर कूप के आसपास साफ-सफाई कर जल चौपाल आयोजित की गई। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए दीवार लेखन भी किया गया, जिससे ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। वहीं विकासखंड शाहपुर के ग्राम पावर झंडा में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्था सनराइज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी एवम जय सेवा वेलफेयर फाउंडेशन, बरेठा ने सेक्टर ग्राम बरेठा में जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बीएसडब्ल्यू छात्र, ग्रामवासी तथा संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वट वृक्ष की पूजा अर्चना की और जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। इस पहल से राहगीरों को राहत मिलने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में परामर्शदाता दीपचंद वर्मा एवं समिति के मनीष कुमरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों एवं अतिथियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें और छोटे-छोटे प्रयासों से जल सुरक्षा सुनिश्चित करें। अभियान के माध्यम से जिलेभर में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हो रहा है और जनभागीदारी से जल स्त्रोतों के संरक्षण को नई दिशा मिल रही है।

माइसेम सीमेंट ने ग्राम सुहाव में किया सामुदायिक भवन का निर्माण, ग्राम पंचायत ने जताया आभार

समय जगत, दमोह। जनपद पंचायत पथरिया के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सुहाव में विकास कार्यों की एक नई कड़ी जुड़ी है। ग्राम पंचायत के विशेष अनुरोध पर मायसम सीमेंट कंपनी द्वारा गांव में एक सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया है। भवन का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक तरीके से पूरा किया गया है। भवन में समुचित विद्युत उपकरण लगाए गए हैं। साथ ही, पेयजल के लिए पाइपलाइन और नल की पूर्ण व्यवस्था की गई है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात, दिनांक 18 मार्च से इस भवन के रखरखाव और प्रबंधन की जिम्मेदारी आधिकारिक रूप से ग्राम पंचायत सुहाव को सौंप दी गई है। ग्राम पंचायत के सरपंच लक्ष्मण सिंह ठाकुर और सचिव कमल सिंह ठाकुर ने संयुक्त रूप से हेडलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है । सरपंच श्री ठाकुर ने कहा कि माइसेम सीमेंट कंपनी द्वारा निर्मित यह सामुदायिक भवन ग्रामीणों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। कंपनी के इस जनहितैषी कार्य के लिए समस्त ग्रामवासी उनके कोटि-कोटि आभारी हैं। पंचायत प्रशासन ने विश्वास जताया है कि इस भवन के माध्यम से गांव में सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों को सुगम बनाया जा सकेगा। ग्राम पंचायत सुहाव के समस्त ग्रामवासियों ने हेडलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड के इस सराहनीय कार्य के प्रति कोटि-कोटि आभार प्रकट किया है। ग्रामीणों का मानना है कि यह भवन भविष्य में होने वाले सामाजिक आयोजनों और सामुदायिक बैठकों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

देहात थाना अंतर्गत चोरी की घटना का पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में 24 घंटे में हुआ खुलासा

टीकमगढ़। जिला टीकमगढ़ में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे मामलों में शीघ्रता से आरोपियों की गिरफ्तारी कर चोरी गए मशरूका की बरामदगी सुनिश्चित की जाए। साथ ही मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। इन्हीं निर्देशों के क्रम में थाना देहात क्षेत्र में घटित चोरी की घटना का पुलिस द्वारा त्वरित एवं सफल खुलासा किया गया है। थाना देहात क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक बजाज मोटरसाइकिल शोरूम में दिनांक 22-23 मार्च 2026 की मध्य रात्रि में अज्ञात आरोपी द्वारा कैश काउंटर का दराज तोड़कर 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये) की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस संबंध में फरियादी कुलदीप टिकरिया निवासी छतरपुर की रिपोर्ट पर थाना देहात में प्रकरण क्रमांक 91/2026 धारा 331(4), 305(a) बी.एन.एस. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मनोहर सिंह मंडलोई के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) टीकमगढ़ के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली, देहात, बड़ागांव की 3 विशेष टीमों का गठन किया गया।

वन्दे मातरम 150 वर्ष अभियान : राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का किया गया सामूहिक गायन

समय जगत, बैतूल। वंदे मातरम के 150 वर्ष अभियान के अंतर्गत 26 मार्च को जिला स्तरीय कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं लोकतंत्र सेनानियों को शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगाबाई उईके, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, वरिष्ठ समाजसेवी जितेंद्र कपूर, लोकतंत्र सेनानी मोतीलाल कुशवाहा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन सुमित सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे। विधायक श्रीमती गंगाबाई उईके ने कहा कि राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनमानस में देशभक्ति की अलख जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज आवश्यक है कि भावी पीढ़ी ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय गीत के महत्व को समझे तथा यह जाने कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने किन विषम परिस्थितियों में देश को आजादी दिलाई। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रीय गीत से प्रेरणा लेकर राष्ट्रकल्याण में सहभागी बनने का आह्वान किया। जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री सुधाकर पवार ने कहा कि भावी पीढ़ी को राष्ट्रगीत वन्देमातरम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज राष्ट्रीय गीत के सभी छह पदों का सामूहिक रूप से गायन किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं गरिमामय आयोजन के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। वरिष्ठ समाजसेव जितेंद्र कपूर ने भी अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम की प्रेरणादायक भूमिका पर प्रकाश डाला।

पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही हमारा है संकल्प : विधायक डॉ शर्मा

समय जगत, इटारसी। नगर पालिका परिषद इटारसी में गुरुवार दोपहर संकल्प से समाधान अभियान के समापन अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पट्टा वितरण कार्यक्रम के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, नायब तहसीलदार , सीएमओ रितु मेहरा, वरिष्ठ पार्षद शिवकिशोर रावत, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश सह प्रशिक्षण् प्रभारी जयकिशोर चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, मयंक मेहतो, सभापति पार्षद मंजीत कलोसिया, कुंदन गौर, अमित विश्वास, जिमी कैथवास, पार्षद राहुल प्रधान, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धुरिया, राजकुमार यादव, हन्नू बंजारा सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम में पट्टा वितरण मुख्य आकर्षण रहा। कुल 40 हितग्राहियों को पट्टे प्रदान किए गए, वहीं 22 को धारणाधिकार, 2 को लाड़ली लक्ष्मी योजना, 30 को पेंशन योजना, 15 को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना तथा 4 हितग्राहियों को संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता दी गई। इसके साथ ही अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को भी लाभान्वित किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान का उद्देश्य केवल योजनाएं चलाना नहीं, बल्कि हर पात्र व्यक्ति तक उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना है। इटारसी में इतने बड़े स्तर पर आवेदनों का निराकरण और हितलाभ वितरण यह दर्शाता है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर विकास के लक्ष्य की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। आगे भी यह प्रयास लगातार जारी रहेंगे ताकि कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। संकल्प से समाधान अभियान के माध्यम से हजारों लोगों को सीधा लाभ मिला है। हमारा प्रयास है कि शहर के हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ सरल और पारदर्शी तरीके से पहुंचे, जिससे इटारसी का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

स्वनिधि योजना में 5412 हितग्राही लाभान्वित : प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर पालिका इटारसी द्वारा अब तक 5412 शहरी पथ विक्रेताओं को कुल 8 करोड़ 88 लाख रुपए का ऋण विभिन्न बैंकों के माध्यम से वितरित किया जा चुका है। इसमें 15 हजार रुपए के 3601 हितग्राहियों को 3.74 करोड़, 25 हजार रुपए के 1336 हितग्राहियों को 2.74 करोड़ तथा 50 हजार रुपए के 475 हितग्राहियों को 2.37 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान किया गया है। योजना का संचालन अभी भी निरंतर जारी है।

महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री द्वारा पेटलावद क्षेत्र में जल संसाधन की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का किया गया भूमिपूजन

समय जगत, झाबुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा पेटलावद क्षेत्र में जल संसाधन विभाग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं कानाकुआं तालाब एवं रामगढ़ बैराज÷ के निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में कानाकुआं तालाब परियोजना के अंतर्गत 435.05 लाख की लागत से निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, जिसके पूर्ण होने पर लगभग 155 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं रामगढ़ बैराज परियोजना ?379.40 लाख की लागत से निर्मित की जाएगी, जिससे लगभग 235 हेक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित होगा। इस अवसर पर मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए जल संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि पानी ही खेती की सबसे बड़ी आवश्यकता है, और इन परियोजनाओं के माध्यम से न केवल सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा, बल्कि वर्षा जल का बेहतर संचयन भी संभव हो सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि कानाकुआं तालाब एवं रामगढ़ बैराज जैसे निर्माण कार्य से क्षेत्र में जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे किसानों को समय पर सिंचाई उपलब्ध होगी, फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी तथा कृषि पर निर्भर परिवारों की आय में भी वृद्धि होगी। साथ ही, यह परियोजनाएं भूजल स्तर को बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होंगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य शासन द्वारा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सिंचाई जैसे मूलभूत क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण अंचलों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक किसान को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो और उन्हें खेती के लिए किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने इन परियोजनाओं के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उम्मीद जताई कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में कृषि विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

कन्याभोज का किया गया आयोजन

चंदेरी। दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर सेवा भारती चंदेरी द्वारा श्री श्री 1008 जागेश्वरी मां के दरबार में विशाल कन्या पूजन व कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के हर समुदाय के लोगों ने सपरिवार आकर कन्या पूजन कर कन्याओं को भोजन कराया। इस भव्य आयोजन में नगर के विभिन्न कार्यालयों के प्रमुख एस डी एम मनीष धनगर,एस डी ओ पी महेश शर्मा, नगर निरीक्षक प्रशांत यादव , तहसीलदार दिलीप दरोगा ने भी माता के दरबार में पधारकर कन्या पूजन कर कन्याओं को भोजन कराया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आलोक तिवारी, मंडल अध्यक्ष राहुल शेषा ने भी मां के दरबार में रहकर सेवा कार्य में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। एसडीएम मनीष धनगर ने सेवा भारती के इस आयोजन की बहुत सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता तो आती ही है साथ ही देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन कर हम धार्मिक लाभ भी प्राप्त करते हैं। एस डी ओ पी महेश शर्मा ने सेवा भारती को इस गरिमा पूर्ण आयोजन के लिये साधुवाद देते हुये कहा कि घर पर तो हम कन्या भोज करते ही हैं, लेकिन मां के दरबार में कन्या पूजन व कन्या भोज का आनंद ही अनूठा है। इस अवसर पर लगभग 1000 कन्याओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम की भव्यता यह रही की नगर के लगभग 150 परिवारों ने कन्याओं का पूजन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सेवा भारती के अध्यक्ष देशबंधु जैन , उपाध्यक्ष श्रीमती ममता राजा बुंदेला, कोषाध्यक्ष उमानंद नामदेव, ओम सिहारे , घनश्याम साहू सहित सेवा भारती का पूरा परिवार उपस्थित रहा। चंदेरी उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश मिश्रा, डॉ अखिलेश श्रीवास्तव ने भारत माता की आरती करवा कर कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया।

सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में 29-30 को भोपाल में अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन: रामलखन लोधी

समय जगत, सिलवानी। आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश सदस्य एवं रायसेन जिला अध्यक्ष रामलखन लोधी ने जानकारी देते हुए बताया है कि हम एक मंच एक परिवार के बैनर तले सभी संगठनों जिनमें आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ, अतिथि शिक्षक समन्वय समिति, बीएमएस समर्थित अतिथि शिक्षक संघ, संयुक्त अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश भर के 70 हजार अतिथि शिक्षक सरकार की वादाखिलाफी के विरोध मे 29- 30 मार्च को भोपाल में ऐतिहासिक शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। श्री लोधी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों के हित में गुरुजियों की तरह नीति बनाने, सीधी भर्ती में बोनस अंक देने तथा वार्षिक अनुबंध के माध्यम से भविष्य सुरक्षित करने की घोषणा की गई थी, किंतु आज तक इन घोषणाओं पर कोई ठोस कार्यवाही कर आदेश जारी नहीं किए गए, जिससे अतिथि शिक्षकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा भी अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित करने का आश्वासन दिया गया था।

जिला मीडिया प्रभारी अजय रघुवंशी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में भी प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद वादों का क्रियान्वयन ना होने से अतिथि शिक्षक अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। इसीलिए शासन प्रशासन को अनुभव एवं वरिष्ठता के आधार पर अतिथि शिक्षकों को नियमित कर नीति बनानी चाहिए।संगठन के प्रदेश पदाधिकारी के सी पवार, बी एम खान ने कहा है कि सभी अतिथि शिक्षक एकजुट होकर सरकार की वादा खिलाफी का विरोध करेंगे और अपने अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने सभी ब्लॉक एवं जिला स्तर की पदाधिकारी से अपील की है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में बैठकें आयोजित कर अधिक से अधिक अधिक शिक्षकों को भोपाल पहुंचने के लिए प्रेरित करें। यह आंदोलन अतिथि शिक्षकों के अधिकार और भविष्य की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है लिए।

इसी तारतम्य में रायसेन जिले के अतिथि शिक्षकों की ऑनलाइन मीटिंग में हुई, जिसमें कहा गया है कि सभी संगठनों के जिला, ब्लॉक एवं संकुल पदाधिकारी आंदोलन के लिए रायसेन जिले से अधिक से अधिक अतिथि शिक्षकों को ले जाने का प्रयास करेंगे। कोई दबाव नहीं, बल्कि स्वयं के प्रयास से अतिथि शिक्षकों को बुलाने का आग्रह करेंगे। एक व्यक्ति कम से कम 5 लोगों से संपर्क करेगा। रायसेन जिले के हर अतिथि शिक्षक से संपर्क करने का लक्ष्य रखा गया है। शत- प्रतिशत अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति का प्रयास किया जायेगा। सभी संगठन एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे अतिथियों में आत्मविश्वास बढ़ा है। मीटिंग में रामलखन लोधी, अजय रघुवंशी, गोविन्द सिंह राजपूत,सचिन रघुवंशी, मोलू मेहरा, रामेश्वर रघुवंशी,हेमंत नामदेव,अमित यादव,रवि गौर,मनोहर शर्मा,सुरेश पाल,मनीष ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अतथि शिक्षक उपस्थित रहे।

अनर्गल टिप्पणी के खिलाफ ब्राह्मण समाज ने दिया ज्ञापन

समय जगत, धार। नगर के गोपाल पाल ने ब्राह्मण समाज और देवी-देवताओं पर अनर्गल टिप्पणी की है। इसे लेकर सर्वब्राह्मण समाज में आक्रोश फैल गया। समाज बंधुओं का एक प्रतिनिधि मंडल कोतवाली पहुंचा और टीआई दीपक चौहान को आवेदन सौंपा। आवेदन में पाल के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन में लिखा है कि वर्तमान में दूसरे देशों के युद्ध का असर भारत में है। इसको लेकर इन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि 'एक ब्राह्मण के मंत्र में शक्ति हो तो गैस और पेट्रोल का जहाज उड़ा के हिंदुस्तान में ले आए'। इसके अलावा 'आज भारत का कौन सा देवी-देवता है जो गैस और पेट्रोल ला सकता है?' ये लगातार सोशल मीडिया पर सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी कर रहे हैं। हम ब्राह्मण समाज के लोग सभी जातियों का सम्मान करते हैं। इनके द्वारा समाज और धर्म के नाम पर की जा रही टिप्पणी को लेकर समाज आहत है। इस दौरान सर्वब्राह्मण समाज अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी, श्रीकांत द्विवेदी, प्रवीण शर्मा, अमित मंडलोई, चुन्नू वाजपेयी, अविनाश शर्मा, प्रशांत रावल, राजेश शर्मा, चेतन शर्मा, सूर्या दुबे, राजा शर्मा, रुद्र शर्मा, निलेश जोशी, मनीष भार्गव, जितेंद्र पंड्या आदि मौजूद थे।

मुक्तागिरी में दीक्षित 5 जैन मुनियों का मंडीदीप में प्रथम आगमन आज सुबह 8 बजे भव्य आगवानी

समय जगत, मंडीदीप। नगर में शुक्रवार 27 मार्च को जैन संतों का मंगल आगमन होगा। इस अवसर को लेकर जैन समाज में उत्साह का माहौल है। उल्लेखनीय है कि 19 फरवरी को मध्यप्रदेश के सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी में आचार्य श्री समयसागर जी महाराज के सानिध्य में 22 से अधिक साधुओं को जैनेश्वरी मुनि दीक्षा प्रदान की गई थी। उसी दीक्षा में शामिल 5 मुनिराज पहली बार मंडीदीप में पदार्पण कर रहे हैं। मुनि सेवा समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार जैन के अनुसार, मुनिश्री 108 उद्यमसागरजी, गरिष्ठसागरजी, आदरसागरजी, स्वरूपसागरजी एवं हीरकसागरजी महाराज नगर पधारेंगे। संतों की मंगल आगवानी सुबह 8 बजे जिलेटिन चौराहे पर की जाएगी, जबकि 10 बजे श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, पटेल नगर में आहारचर्या होगी। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दर्शन लाभ लेने की अपील की है।

मनुष्य के जीवन में भक्ति , सत्संग और सेवा का है विशेष महत्व : श्री सज्जन शर्मा

भ्याना। ग्राम अमलावता में 26 मार्च से 1 अप्रैल तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा एवं भव्य यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन के साथ ही श्री हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा भी संपन्न होगी, जिससे पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इस आयोजन का प्रारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें गांव की सभी माता बहनें शामिल हुईं। आयोजन समिति के अनुसार कथा 26 मार्च से 1 अप्रैल तक होगी, जिसका समय प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम अमलावता तहसील सारंगपुर, जिला राजगढ़ में किया जाएगा। इस पावन अवसर पर कथा वाचन संत सज्जन जी शर्मा, कुड़ाना धाम (शाजापुर) द्वारा किया जाएगा, जिनकी मधुर वाणी और आध्यात्मिक प्रवचन श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर देते हैं। अपने प्रवचनों में उन्होंने भागवत का सार बताते हुए कहा कि मनुष्य जीवन में भक्ति, सत्संग और सेवा का विशेष महत्व है। उन्होंने लोगों को नैतिक जीवन और धार्मिक मूल्यों का पालन करने की बात कही। वहीं, मंदिर निर्माणकर्ता संत श्री नित्यानंद (निर्भय) जी महाराज का भी इस आयोजन में विशेष सानिध्य रहेगा। इस आयोजन में पंडित आत्माराम जी शर्मा चिल्डियावना यज्ञाचार्य हैं जिनके सानिध्य में विधि विधान से यज्ञ और प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी । कार्यक्रम के दौरान वैदिक रीति-रिवाजों के साथ यज्ञ अनुष्ठान संपन्न होंगे तथा हनुमानजी की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की है, गांव के मुख्य पुजारी श्री ओमप्रकाश जी शर्मा के साथ सभी गांववासी इस आयोजन को सफल कराने में जुटे हुए हैं।